हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

रांची, औरंगाबाद एवं आरा से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.sonvarshavani.com

रांची • वर्ष -04 • अंक - 172 • रविवार 04 अगस्त 2024 • रजि नं. - JHAHIN/2022/82776 • पृष्ठ -12 • मूल्य : 2 रुपये

फिर सुलगा मणिपुर, जिरीबाम में भड़की हिंसा

उपद्रवियों ने खाली घर को लगा दी आग, एक दिन पहले ही हुआ था शांति समझौता

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के जिरीबाम में शांति बहाल करने के प्रयासों के लिए मेइती और हमार समुदायों के बीच समझौता होने के एक दिन बाद ही तनाव पैदा करने वाली घटना सामने आई हैं। यहां पर फायरिंग हुई है और एक खाली पड़े घर को आग लगा दी गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लालपानी गांव में खाली पड़े एक घर को शुक्रवार रात हथियारबंद लोगों ने आग के हवाले कर दिया।

एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना एक बिल्कुल ही अलग बस्ती में हुई जहां मेइती समुदाय के कुछ लोगों के घर हैं और जिले में हिंसा भड़कने के बाद से इनमें से अधिकतर घर खाली पड़े हैं। उपद्रवियों ने इलाके में सुरक्षाकर्मियों की गैर मौजूदगी का फायदा उठाकर आगजनी की। उपद्रवियों की पहचान नहीं हो सकी है। अधिकारी ने बताया कि हथियारबंद लोगों ने बस्ती को निशाना बनाकर गोलियां भी चलाईं।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया। गुरुवार को असम के कछार में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक प्रतिष्ठान में हुई बैठक में मेइती और हमार समुदायों के प्रतिनिधियों के बीच समझौता हुआ था। बैठक का संचालन जिरीबाम जिला प्रशासन, असम राइफल्स और सीआरपीएफ ने किया, जिसमें जिरीबाम जिले के थाडौ, पैते और मिजो समुदायों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

केरल के घने जंगलों में वन कर्मियो ने किया चमत्कार !

वायनाड त्रासदी के 5 दिन बाद बचाए 4 आदिवासी बच्चे

वायनाड़ (एजेंसी)। केरल वन विभाग के अधिकारियों को ऊंची पहाड़ियों पर अपने साहसी प्रयास में बड़ी कामयाबी मिली है। उन्होंने आदिवासी समुदाय के 4 बच्चों और उनके माता-पिता को बचा लिया, जो वायनाड भूस्खलन के बाद से गुफा में फंसे हुए थे। कलपेट्टा रेंज के वन अधिकारी के. हशीस के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम ने यह रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। इस बचाव अभियान में एक तरफ से ही साढ़े चार घंटे लग गए। जिन लोगों को बचाया गया, उनमें 1-4 साल की उम्र के चार बच्चे भी शामिल हैं। राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 8 घंटे तक चले इस सफल ऑपरेशन के लिए वन विभाग की पीठ थपथपाई है।

तत्काल प्रभाव से हटाए गए बीएसएफ के डीजी और एसडीजी

सीमा पर बढ़ती घुसपैठ के बीच मोदी सरकार का बड़ा ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक (डीजी) नितिन अग्रवाल और उनके डिप्टी विशेष डीजी (पश्चिम) वाई बी खुरानिया को तत्काल प्रभाव से उनके मूल राज्य कैडर में वापस भेज दिया है। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गयी है। अग्रवाल 1989 बैच के केरल कैडर के अधिकारी हैं, जबकि खुरानिया 1990 बैच के ओडिशा कैडर के अधिकारी हैं।

अग्रवाल ने पिछले साल जून में सीमा सुरक्षा बल के प्रमुख का कार्यभार संभाला था। विशेष डीजी (पश्चिम) के रूप में खुरानिया पाकिस्तान सीमा पर बल का नेतृत्व कर रहे थे। नियुक्ति संबंधी कैबिनेट समिति (एसीसी) ने अलग-अलग जारी आदेशों में कहा कि उन्हें तत्काल प्रभाव से और समय से पहले वापस भेजा जा रहा है। खुरानिया को अब ओडिशा पुलिस का डीजी बनाया गया है। ओडिशा कैडर के 1990 बैच के अधिकारी खुरानिया, अरुण सारंगी की जगह लेंगे। उन्हें वापस ओडिशा भेजने का फैसला जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकी घटनाओं के मद्देनजर बीएसएफ के सामने चुनौतियों के मद्देनजर लिया गया है। हालांकि सरकार ने दोनों बड़े अफसरों की होम कैडर में वापसी के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन माना जा रहा है कि जम्मू सेक्टर में घुसपैठ बढ़ने के कारण नितिन अग्रवाल को बीएसएफ प्रभार से मुक्त किया गया है।

जाति बताए बिना सर्वे का फॉर्मूला राहुल गांधी के पास

हमें भी बताएं, जातिगणना विवाद में असम सीएम भी कूदे

गुवाहाटी (एजेंसी)। दो दिन पहले संसद में राहुल गांधी की जाति को लेकर शुरू हुआ विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब इस विवाद को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने भी तूल देने की कोशिश की है। उन्होंने शुक्रवार को सवाल उठाया कि अपनी जाति का खुलासा किए बिना जाति आधारित गणना कैसे संभव है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि यदि आपके पास इस संबंध में कोई 'फॉर्मूला' है, तो वह लोगों को बताएं। झारखंड में भाजपा के चुनाव सह प्रभारी सरमा ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत में दावा किया कि राहुल गांधी देश में जाति आधारित गणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपनी जाति का खुलासा नहीं किया।

किसानों को नहीं मिलेगी दिल्ली जाने की इजाजत !

केंद्र सरकार का विरोध, सुप्रीम कोर्ट ने फिर सुझाया रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा शंभू सीमा को खोलने के निर्देश के खिलाफ हरियाणा की याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने हरियाणा और पंजाब राज्यों को उन तटस्थ व्यक्तियों के नाम सुझाने के लिए समय दिया है, जिन्हें प्रदर्शनकारी किसानों के साथ बातचीत करने के लिए एक समिति में शामिल किया जा सकता है। बता दें कि न्यायालय ने शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों की एमएसपी को कानूनी रूप देने सहित विभिन्न मांगों का समाधान तलाशने के लिए उनसे बातचीत करने के वास्ते प्रतिष्ठित व्यक्तियों की एक स्वतंत्र समिति गठित करने का प्रस्ताव दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि प्रदर्शनकारी किसानों को अपनी शिकायतें कहने का अधिकार है और केंद्र तथा पंजाब सरकार सहित प्राधिकारियों को उनकी मांगों के समाधान के लिए तटस्थ व्यक्तियों को शामिल करना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति आर महादेवन की खंडपीठ हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें पंजाब और हरियाणा को जोड़ने वाली शंभू सीमा को खोलने के पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के हालिया निर्देश को चुनौती दी गई थी। सरकार ने दिल्ली की ओर जाने से रोकने के लिए सीमा को बंद कर दिया था।

मणिपुर से जम्मू-कश्मीर जाएंगी असम राइफल्स की 2 बटालियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में तैनात असम राइफल्स की दो बटालियन को जम्मू-कश्मीर में तैनात किया जाएगा। इन बटालियन में 1500 जवान हैं, जिन्हें जम्मू-कश्मीर में बढ़ती टेरर एक्टिविटी के चलते वहां भेजा जा रहा है। मणिपुर में असम राइफल्स के इन जवानों की जगह सीआरपीएफ की तैनाती की जाएगी। इससे पहले जम्मू कश्मीर की सुरक्षा बढ़ाने के लिए दो हजार जवानों वाली बीएसएफ की दो बटालियन को ओडिशा से वापस जम्मू-कश्मीर बुलाया गया था। इन जवानों को ओडिशा में नक्सल विरोधी अभियान में तैनात किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकी घटनाओं के बीच एक सुरक्षा बैठक की थी। इस बैठक में गृहमंत्री अमित शाह और एनएसए अजीत डोभाल भी मौजूद थे।

अयोध्या रेप केस में योगी सरकार का बड़ा ऐक्शन

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में नाबालिग से गैंगरेप के मामले में योगी सरकार ने सख्ती दिखाई है। थानेदार और चौकी प्रभारी के निलंबन के बाद अब रेप केस का आरोपी सपा नेता की बेकरी पर बुलडोजर चला है। अधिकारियों की मौजूदगी में सपा नेता की बेकरी को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। अयोध्या में हुई इस कार्रवाई के बाद से अपराधियों में दहशत फैल गई है। शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित बच्ची की मां ने मुख्यमंत्री से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। शनिवार सुबह से ही पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से डटा रहा। एडीएम प्रशासन, एसडीएम सोहावल तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भादरसा अंजू यादव शहीद पुलिस टीम की मौजूदगी में मोईद खान की बेकरी को तीन बुलडोजर लगाकर ध्वस्त करवा दिया गया।

चीन ने 'धमकाया' तो भारत की शरण में आया नेपाल

केपी शर्मा ओली ने भुलाई दुश्मनी, ड्रैगन को दिया झटका

ड्रैगन की चाल से निपटने के लिए चाहिए भारत की मदद

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के नए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी भारत विरोधी नीतियों के लिए जाने जाते रहे हैं। केपी ओली के आने से उत्साहित चीन ने नेपाल पर दबाव बढ़ा दिया है कि वह अपने कर्ज के जाल में फंसाने वाले बीआरआई प्रॉजेक्ट में शामिल हो। नेपाल में चीन के राजदूत लगातार धमकाने वाले बयान देते रहते हैं। इस बीच पीएम ओली चीनी ड्रैगन की चाल से निपटने के लिए अब भारत की शरण में पहुंच गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक केपी ओली की पार्टी ने कहा है कि नेपाल बीआरआई पर पीछे नहीं हटेगा लेकिन भारत की संवेदनशीलताओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

वायनाड हादसे के बाद मोदी सरकार का बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायनाड भूस्खलन में 300 से ज्यादा लोगों के मारे जाने के बाद सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने पश्चिमी घाट को इकॉलॉजिकली सेंसिटिव एरिया घोषित करने के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें वायनाड के वे गांव भी शामिल होंगे जहां भूस्खलन की वजह से आई त्रासदी में सैकड़ों लोगों की जान चली गई। बता दें कि वायनाड में राहत बचाव और तलाशी का काम अब भी जारी है। अभी 100 से ज्यादा लोग लापता हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

हनियेह की मौत के बाद अलर्ट पर इजरायल का दूतावास

हमले की आशंका, दिल्ली पुलिस ने बिछाया सुरक्षा जाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेहरान में हमास नेता की हत्या के बाद दुनियाभर में इजरायली दूतावास अलर्ट पर हैं। खुफिया एजेंसियों से मिले अलर्ट के बाद दिल्ली पुलिस ने भी इजरायली दूतावास और चबाड हाउस की सुरक्षा की समीक्षा की है। 31 जुलाई को हमास नेता इस्माइल हनियेह और उसके बॉडीगार्ड की तेहरान में उसके आवास पर हवाई हमले में मौत हो गई थी। सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी में दो इजरायली इमारतों के चारों ओर व्यापक सुरक्षा जाल की योजना बनाने के लिए एक बैठक की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों इमारतों के आसपास कई सीसीटीवी कैमरे लगाकर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था पहले ही कर दी गई है। सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जा सकता है।

पाक आतंकियों के लिए कर रहे थे काम, अब गिरी गाज

- जम्मू-कश्मीर के 6 पुलिसकर्मियों पर ऐक्शन, किया बर्खास्त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में आतंकी फंडिंग से जुड़े एक रैकेट का भंडाफोड़ किया गया है। ड्रग्स बेचकर आतंकियों की मदद करने के मामले में 6 सरकारी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल बर्खास्त कर दिया गया है। इसमें पांच पुलिसकर्मी और एक शिक्षक शामिल है। जांच में पता चला कि ये सभी सरकारी कर्मचारी पाकिस्तान के आईएसआई के एक नार्को टेरर नेटवर्क का हिस्सा थे। जानकारी के मुताबिक ये लोग जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स के अवैध कारोबार में मदद करते थे और इससे प्राप्त फंडिंगा का इस्तेमाल पाकिस्तान के आतंकी संगठन दहशत फैलाने के लिए करते हैं। एजेंसी के मुताबिक ड्रग्स की बिक्री के माध्यम से आतंकी फंडिंग से जुड़े छह सरकारी कर्मचारियों पर ऐक्शन लिया गया है।

चंदा मामा दूर के...

खतरे की घंटी ! पृथ्वी से दूर जा रहे अपने 'चंदा' मामा

वैज्ञानिकों की डराने वाली चेतावनी-धरती पर बढ़ सकता है खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रमा सदियों से पृथ्वी के ऊपर अंतरिक्ष में मौजूद है। वर्षों से हम कहानियों में या फिल्मों में चंदा मामा के कई किस्से सुनते आ रहे हैं। चांद न सिर्फ हमारी धरती का उपग्रह है, बल्कि इसका हमारे साथ भावनात्मक रिश्ता भी है। वैज्ञानिकों ने अब चांद को लेकर डराने वाली चेतावनी जारी की है। एक रिसर्च के मुताबिक, चांद हमारी धरती से लगातार दूर जा रहा है। भविष्य में इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। यह आने वाले समय को बदल कर रख देगा। वैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि चांद हर साल धरती से 3.8 सेमी दूर जा रहा है। विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय की एक टीम ने 90 मिलियन वर्ष पुराने चांद को लेकर बड़ी चेतावनी जारी की है। रिसर्च में बताया गया है कि चंद्रमा पृथ्वी से लगभग 3.8

सेंटीमीटर प्रति वर्ष की दर से दूर जा रहा है और इसका हमारे ग्रह पृथ्वी पर बहुत प्रभाव पड़ रहा है। इसका परिणाम यह होगा कि 200 मिलियन वर्षों में पृथ्वी पर दिन 25 घंटे तक चलेगा। अध्ययन से पता चलता है कि 1.4 बिलियन वर्ष पहले पृथ्वी पर एक दिन 18 घंटे चलता था लेकिन, चंद्रमा के लगातार पृथ्वी से दूर जाने की वजह से दिन का समय लगातार बढ़ रहा है। इस घटना का मुख्य कारण पृथ्वी और चंद्रमा के बीच गुरुत्वाकर्षण और दोनों पिंडों के ज्वारीय बल से संबंधित है। विश्व विद्यालय में भूविज्ञान के प्रोफेसर स्टीफन मेयर्स ने कहा, जैसे-जैसे चंद्रमा दूर होता जा रहा है, पृथ्वी की गति धीमी हो रही है। गौरतलब है कि चंद्रमा के पृथ्वी से दूर जाने की रिसर्च कोई नई खोज नहीं है। वैज्ञानिक दशकों से इस तरह के दावे करते रहे हैं। लेकिन, विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय ने बाकायदा उल्कापिंडों और चंद्रमा के अध्ययन के बाद सबूतों के आधार पर यह पुष्टि की है कि चंद्रमा हर वर्ष पृथ्वी से दूर जा रहा है। बता दें कि चंद्रमा और पृथ्वी पर समय की अपनी गति है। चांद पर एक दिन पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर होता है।

एससी और एसटी आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' का भारी विरोध

- एनडीए के सहयोगी ही कर रहे मना, अठावले-चिराग की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले और चिराग पासवान ने शुक्रवार को अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए आरक्षण में क्रीमी लेयर मानदंड लागू करने के किसी भी कदम का विरोध किया। क्रीमी लेयर का तात्पर्य आरक्षित श्रेणियों के व्यक्तियों के एक वर्ग से है जो सामाजिक और आर्थिक रूप से बेहतर हैं। वर्तमान में क्रीमी लेयर की अवधारणा केवल ओबीसी के आरक्षण पर लागू है। अठावले और चिराग की पार्टी भाजपा नीत केंद्र के सत्ताधारी एनडीए गठबंधन का हिस्सा है। उन्होंने कहा, एससी/एसटी के लिए आरक्षण जाति पर आधारित है। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) एससी और एसटी के लिए आरक्षण में क्रीमी लेयर के मानदंड लागू करने के किसी भी कदम का कड़ा विरोध करेगी। बता दें कि प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एक के मुकाबले छह मतों के बहुमत से फैसला दिया है।

संक्षिप्त समाचार

सब इंस्पेक्टर की हत्या पर रिम्स पहुंचे बाबूलाल मरांडी, परिजनों से मिले

रांची। स्पेशल ब्रांच में तैनात सब इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की हत्या पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शनिवार को रिम्स पहुंचे। उनके साथ कांके के विधायक समरी लाल भी थे। बाबूलाल मरांडी ने डीआईजी अनूप बिरथरे और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा से घटना की जानकारी ली। इसके बाद मरांडी ने मृतक की पत्नी से मिलकर जानकारी ली और भरोसा दिया कि अपराधी जल्द से जल्द पकड़े जाएंगे। मौके पर संवाददाताओं से बातचीत में मरांडी ने कहा कि घटना दुखद है। बेखौफ अपराधियों ने स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर की हत्या की है। तत्परता के साथ बिना विलंब किए अपराधी को पकड़ना चाहिए। दूसरी ओर, मरांडी ने स्पेशल ब्रांच में तैनात सब इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की हत्या पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि एक युवा आदिवासी पुलिस अफसर का असमय इस दुनिया से चला जाना अत्यंत दुखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूं एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि निजी स्वार्थ के लिए राजधानी रांची तक को अयोग्य अफसरों के हवाले कर बारूद के ढेर पर बैठा दिया गया है।अपराधी बेखौफ ढंग से सरेआम वकीलों, पुलिस, बड़े-बड़े प्रतिष्ठान के संचालकों तक की हत्या कर रहे हैं। अपराधियों के सामने घुटने टेक देने वाली हेमंत सरकार से आम जनता के सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है? हेमंत सरकार ने अपने घटिया कानून व्यवस्था के कारण साढ़े तीन करोड़ झारखंड वासियों का जीवन संकट में डाल दिया है।

रांची में पुलिस की स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर की गोली मारकर हत्या

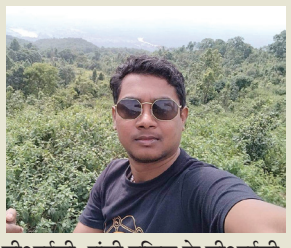

रांची। रांची में पुलिस की स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनका शव आज तड़के कांके थाना क्षेत्र में रांची रिंग रोड से बरामद हुआ है। तेजतर्रार सब इंस्पेक्टर अनुपम की हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। स्पेशल ब्रांच के आईजी, डीआईजी, रांची पुलिस के डीआईजी, एसएसपी समेत कई अधिकारी रिम्स पहुंचे। रांची के डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि कांके रिंग रोड स्थित इंडियन ढाबा से लौटते वक्त अनुपम की हत्या की गई। अपराधियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मूल रूप से खूंटी जिला निवासी अनुपम अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने के लिए कांके रिंग रोड स्थित एक ढाबे पर गए थे। रात करीब एक बजे तक पार्टी चली। रात करीब दो बजे अनुपम अपनी बाइक से अकेले निकले। इस दौरान अपराधियों ने अनुपम की गोली मारकर हत्या कर दी।

पलामू में पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से जख्मी बदमाश ने किया सरेंडर

पलामू। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खुराकला में पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से जख्मी बदमाश ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। जख्मी हालत में मिलने के कारण उसे पुलिस सुरक्षा में एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया है। उसकी पहचान खुराकला के विशाल चौधरी के रूप हुई है। उसके खिलाफ चैनपुर, रामगढ सहित अन्य थानों में मामले दर्ज हैं। विशाल को कंधे में गोली लगी है। कंधा फैक्चर कर गया है। गुमला में हुई ज्वेलरी शॉप लूट कांड में विशाल चौधरी की संलिप्त है या नहीं इसके लिए उससे पूछताछ की जा रही है। विशाल 24 जुलाई को मेदिनीनगर सेंट्रल जेल से बाहर आया था। पंडरा और गुमला ज्वेलरी शॉप लूट कांड में शामिल मोनू सोनी उर्फ बुकिंग की सूचना पर शुक्रवार को खुराकला कला गई पुलिस के साथ लुटेरों की मुठभेड़ हो गई थी। एमआरएमसीएच में इलाज के दौरान विशाल चौधरी ने शनिवार कहा कि शुक्रवार को एक अपाचे मोटरसाइकिल पर मोनू और उसका भाई सोनू और वह स्वयं चैनपुर में घूम रहे थे। मोनू से कहा कि उसे घर छोड़ दे। सोनू चैनपुर में ही उतर गया जबकि मोनू उसे छोड़ने के लिए खुराकला पहुंचा। उसे बाल कटवाना था। जैसे ही गांव में पहुंचे कि पुलिस वहां पहुंच गई। इसी बीच गोली चली और एक गोली उसके कंधे में लगी। विशाल के अनुसार पुलिस पर गोली मोनू ने चलायी। भागने के क्रम में मोनू हथियार भी ले गया। मोनू उसे मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। गोली लगने के बाद जख्मी हालत में जंगल में जाकर छिप गया। गोली चलने की घटना 11.30 बजे हुई। वह शाम करीब चार बजे तक जंगल में छिपा रहा। इस बीच अपने रिश्तेदारों को फोन करके घटना की जानकारी दी और उनके माध्यम से पुलिस को सूचना देकर सरेंडर कर दिया। फिर उसे एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया।

2017 में बना था नक्सली- विशाल चौधरी ने कहा कि वर्ष 2015 में मैट्रिक की परीक्षा दी थी। शाहपुर के एसएलए पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की थी। मैट्रिक परीक्षा में परसेंटेज कम आया। 2017 में उसके गांव में जेजेएमपी दस्त के छोटू जी का आना-जाना होता था। उसके कहने पर संगठन में शामिल हो गया और करीब 5 वर्ष तक इसमें रहा। 2022 में उसे जेल भेजा गया। 2023 में सेंट्रल जेल मेदिनीनगर में उसकी मुलाकात मोनू सोनी से हुई। दोस्ती और जान पहचान वहीं से हुआ। 24 जुलाई को जेल से निकलने के बाद दो-तीन दिन पहले मोनू सोनी से मिला था। इसी बीच घटना हुई। विशाल ने कहा कि जेल से निकलने के बाद ना तो वह नक्सली संगठन से संपर्क में था और ना ही किसी लूट कांड में शामिल रहा है।

डीजीपी अनुराग गुप्ता पहुंचे रिम्स, अधिकारियों से ली घटना की जानकारी

रांची। डीजीपी अनुराग गुप्ता स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की हत्या की जानकारी मिलते ही शनिवार को रिम्स पहुंचे। डीजीपी ने अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली।आईजी अखिलेश झा, डीआईजी अनूप बिरथरे, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के अलावा कई अधिकारी पहले से रिम्स में मौजूद थे। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने स्पष्ट तौर पर रांची जिला में पदस्थापित पुलिसकर्मियों को हिदायत और चेतवानी देते हुए कड़े लहजे में कहा कि रांची की स्थिति पर उनकी पैनी नजर है और कोई भी चूक बर्दाश्त नहीं होगी। रांची में रहनेवाले पुलिसकर्मी अपनी कार्यशैली सुधारे या रांची से हटने को तैयार रहे। स्पेशल ब्रांच के दारोगा अनुपम की हत्या पर उन्होंने कहा कि जांच में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी और जो भी दोषी होंगे उन्हें पकड़ा जाएगा। इसके बाद डीजीपी अनुराग गुप्ता रांची समाहरणालय स्थित एसएसपी ऑफिस पहुंचे वहां पुलिस पदाधिकारी और जिले के सभी थानेदारों के साथ विधि व्यवस्था को लेकर बैठक कर रहे हैं। इससे पूर्व दो मिनट का मौन रखा गया। वहीं दूसरी ओर एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि हत्या को लेकर ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है, जिसमें कई डीएसपी और थानेदार को एसआईटी में शामिल किया गया है। रांची एसएसपी ने बताया कि 10 लोग लाइन होटल में खाना खाने गए थे। इसके बाद ही घटना को अंजाम दिया गया है। गोली मार कर हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है। प्रथम दृष्टया हत्या लूटपाट के इरादे से नहीं हुई है। आपसी रंजिश और पुराना विवाद में की गई हत्या की आशंका है। उल्लेखनीय है कि कांके थाना क्षेत्र में स्पेशल ब्रांच के दरोगा अनुपम कच्छप की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनका शव शनिवार सुबह रिंग रोड के किनारे मिला था। फ़िलहाल मेडिकल बोर्ड गठन कर रिम्स में अनुपम कच्छप के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

रामगढ़ में दामोदर नदी उफान पर, सैकड़ों घरों में घुसा पानी

रामगढ़। जिले में दामोदर नदी उफान पर है। नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया है कि शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में बाढ़ का पानी घुस गया है। रामगढ़ शहर के गोलपार, पुरनी मंडप में बसे आजाद बस्ती के लगभग सारे घर जलमग्न हो गए हैं। लोगों को भारी नुकसान हुआ है। अनाज और जरूरत की चीजें पानी की वजह से नष्ट हो गई हैं। जिला प्रशासन के अधिकारी और जनप्रतिनिधि लोगों की मदद कर रहे हैं। हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। लोगों के घरों तक जाने के लिए रास्ते नहीं बचे हैं। अपने घरों को छोड़कर लोग सड़कों पर रहने को विवश हैं। इन लोगों को सामाजिक कार्यकर्ताओं के द्वारा भोजन और पानी मुहैया कराया जा रहा है।

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में न्यायिक कार्य से दूर रहेंगे वकील

रांची। सिविल कोर्ट के अधिवक्ता अपने सहकर्मी गोपी कृष्णा की हत्या के विरोध में न्यायिक कार्य से अपने आप को शनिवार को दूर रखेंगे। इससे रांची सिविल कोर्ट में शनिवार को भी न्यायिक कार्य ठप्प रहेगा। रांची जिला बार एसोसिएशन के नए बार भवन के प्रथम तल पर शनिवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान दिवंगत अधिवक्ता गोपी कृष्णा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रखा। आयोजित शोक सभा में काफी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित हुए और घटना की घोर निंदा की। साथ ही आरोपित को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। आयोजित शोक सभा के बाद अधिवक्ताओं ने तीन अगस्त को न्यायिक कार्य से पूरे दिन भर के लिए दूर रखने का निर्णय लिया है। शोकसभा में जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एसपी अग्रवाल, महासचिव संजय कुमार विद्रोही, अभिषेक भारती समेत काफी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित हुए। मौके पर बार काउंसिल के महासचिव संजय कुमार विद्रोही ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि आज भी न्यायिक कार्य से अधिवक्ता दूर रहेंगे। इसके बाद शोक सभा का आयोजन किया गया। दूसरी ओर, स्टेट बार काउंसिल के चेयरमैन राजेंद्र कृष्णा ने इस हत्याकांड में शामिल अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग करते हुए मृतक अधिवक्ता के आश्रितों को एक करोड़ मुआवजा दिये जाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यदि जरुरत पड़ी तो पूरे राज्य भर में एक वृहद आंदोलन चलाकर अधिवक्ताओं की सुरक्षा की मांग की जायेगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री और हाई कोर्ट एक्टिंग चीफ जस्टिस से भी मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। राजेंद्र कृष्ण ने झारखंड में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट अब तक लागू नही करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे लागू करने की मांग एक बार फिर दोहराई है।

इलाजरत पूर्व पार्षद वेद प्रकाश सिंह की मौत

रांची। अपराधियों की गोली से घायल इलाजरत रांची के धुर्वा के पूर्व पार्षद वेद प्रकाश सिंह की मौत दिल्ली के एम्स में शुक्रवार दिन रात हो गई। धुर्वा में बीते सात जुलाई को को अपराधियों ने उन्हें गोली मारी थी। इस हत्याकांड का मुख्य आरोपित सत्यम पाठक और धीरज मिश्रा अभी भी फरार है। हालांकि रांची पुलिस ने हत्याकांड में शामिल उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के रहने वाले राहुल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वेद प्रकाश सिंह पर अपराधियों ने उस वक्त हमला किया था, जब वे सात जुलाई की शाम धुर्वा बस स्टैंड के पास स्थित एक चाय दुकान में बैठे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन अपराधी वहां आये। एक अपराधी पैदल ही हाथ में देशी कट्टा लिए वेद सिंह के पीछे पहुंचा और उस पर गोली चलाना शुरू कर दी। फायरिंग में वेद सिंह को तीन गोली लगी। जबकि दो अपराधी बाइक पर ही बैठे थे। फायरिंग के समय चाय दुकान में भगदड़ मच गयी थी। आनन फानन में उन्हें पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना के विरोध में आक्रोशित लोगों ने 8 जुलाई को अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर इलाके के सभी दुकानों को बंद रखी थी। पुलिस जांच में पता चला था कि धीरज मिश्रा ने राहुल को बताया था कि साल 2018 में वो अपनी स्कॉर्पियो से दशहरा के समय रांची गया था, तो धुर्वा बस स्टैंड में दशहरा के जुलुस में स्कॉर्पियो घुसाने के कारण धुर्वा रांची के वार्ड पार्षद वेद प्रकाश सिंह से उसका झगड़ा हो गया था। धीरज मिश्रा ने बताया था कि वेद प्रकाश सिंह और उसके समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की थी और स्कॉर्पियो को भी तोड़ दिया था। धीरज ने राहुल को कहा था कि बहन की शादी के बाद वेद प्रकाश सिंह को गोली मारकर बदला लेंगे। इस पर राहुल ने कहा था कि तुम मुझे कुछ खर्चा दे देना, हम साथ में रहेंगे। इसके बाद दोनों के बीच इस घटना के लिए 70 हजार रुपये देने की बात हुई थी।

झारखंड में बारिश से तबाही, बोकारो में नदी पर बना पुल बहा, एक व्यक्ति लापता, रांची बाढ़ से बेहाल, मोर्चे पर एनडीआरएफ

रांची। झारखंड में दो दिन से हो रही घनघोर बारिश की वजह से कई पुल-पुलिया ध्वस्त हो गए। शुक्रवार देररात रांची के रातू रोड में गरगा नदी पर बना डायवर्सन बह गया, तो शनिवार सुबह बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड में करोड़ों की लागत से बना बोकारो नदी पर बना पुल बह गया। इस दौरान एक ग्रामीण के भी बह जाने की सूचना है। मुखिया ने बताया कि गोमिया प्रखंड में लगातार 24 घंटे से मूसलाधार बारिश हो रही है। बोकारो नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी की तेज धार में पुल का एक हिस्सा टूटकर बह गया। बोकारो जिले के गोमिया और पेटरवार पथ को जोड़ने वाले इस पुल के बह जाने की वजह से आवागमन पूरी तरह से ठप है। नदी उफनाई हुई है। इस वजह से पेटरवार और हजारीबाग के बीच आवागमन ठप हो गया है। राजधानी रांची जाने वाली एक भी बस आज बोकारो से नहीं चली। झारखंड में शुक्रवार को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई है। राजधानी रांची, धनबाद, जमशेदपुर, गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा, कोडरमा और खूंटी में सुबह से देरशाम तक बारिश हुई। शहरों में सड़कों पर जलभराव से लोगों का चलना दुश्वार हो गया। बारिश ने शहरों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। निचले स्थानों पर घरों में पानी घुस गया है। रांची के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि उत्तरी झारखंड और उसके आसपास के इलाकों में बना दबाव पिछले छह घंटों के दौरान पांच किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम की ओर बढ़ा। आज सुबह 3 बजे से साढ़े पांच बजे तक यह 24.2 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 84.6 डिग्री पूर्वी देशांतर के पास उसी क्षेत्र में केंद्रित रहा, जो गया (बिहार) से लगभग 70 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और डाल्टनगंज (झारखंड) से 60 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व में है। अगले 48 घंटों के दौरान यह उत्तर-पश्चिम झारखंड, दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ में पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ सकता है। रांची के निचले हिस्से में बाढ़ जैसे हालात हैं। सैकड़ों घरों में पानी घुस गया है। पानी में फंसे लोगों को रेस्क्यू करने के लिए एनडीआरएफ की टीम को लगाया गया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा है कि आज (तीन अगस्त) सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। बारिश से तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है।

कहां बरसा कितना पानी

- रांची : 89.8 मिलीमीटर
- खूंटी : 60.5 मिलीमीटर
- बोकारो : 58.5 मिलीमीटर
- लातेहार : 49.5 मिलीमीटर

योजना का भरपूर लाभ उठाएं, दूसरों को भी बताएं : दिलीप प्रताप सिंह

लोहरदगा। राज्य सरकार के महत्वकांक्षी योजना झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शिविर शनिवार को प्रारंभ हो गया जो 10 अगस्त 2024 तक सभी पंचायत भवनों और नगर परिषद क्षेत्र के चिन्हित स्थलों में सुबह 10 बजे से 05 बजे तक संचालित होगा। शिविर का शुभारंभ उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं में एक है। इस योजना के अंतर्गत राज्य की 21 से 50 वर्ष तक की उम्र की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी। आज से प्रखण्ड के सभी पंचायतों और वार्ड क्षेत्र में शिविर प्रारंभ हो गया है जो प्रतिदिन संचालित होगा। इस राशि का उपयोग अपनी जरूरतों को पूरी करने के लिए करें और साथ ही ऐसी योग्य माताओं-बहनों को भी बताएं, ताकि उन्हें भी आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके।

मोदी सरकार का यह बजट संतुलित एवं युवा रोजगार उन्मुखी : सांसद मनीष

हजारीबाग। झंडा चौक स्थित सांसद सेवा कार्यालय में बजट पर चर्चा को लेकर सांसद मनीष जायसवाल ने शनिवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार का यह बजट पूर्ण रूपेण संतुलित एवं युवा रोजगार उन्मुखी बजट है। इस बजट में युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले 5 वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है, जिसमें 80 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ होगा। जायसवाल ने कहा कि युवाओं के खासकर रोजगार के उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पैकेज की घोषणा की गई है, जिसमें 5 वर्ष की अवधि में 4 करोड़ युवाओं को लाभ मिलेगा। शिक्षा रोजगार और कौशल प्रशिक्षण के लिए 1. 48 लाख करोड रुपये का प्रावधान रखा गया है। किसानों की खेती बाड़ी के लिए 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च पैदावार वाली जलवायु अनुकूल किस्में जारी की जाएगी। ईपीएफओ में पंजीकृत कर्मचारियों को प्रतिमाह अधिकतम 15000 वेतन होगा, जिससे 210000 युवाओं को परोक्ष रूप से लाभ मिलेगा। सांसद ने कहा कि बजट में स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के लिए जैविक खेती करवाने की व्यवस्था पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि कीटनाशक दवाइयां एवं आधुनिक फ़र्टिलाइज़र के उपयोग करने का दुष्परिणाम है कि सिर्फ पंजाब में 7 प्रतिशत स्वस्थ लोग कैंसर से पीड़ित पाए गए। उच्चतर शिक्षा के लिए बजट में युवा तथा युवतियों को 10 लाख तक के ऋण प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश को शामिल करते हुए पूर्वी क्षेत्र के चौहुमुखी विकास के लिए पूर्वोदय नामक योजना तैयार की है। सांसद ने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत अब तक 4 करोड़ आवास बनाया जा चुका है और अवास विहीन लोगों को 3 करोड़ आवास मुहैया कराने की योजना है। उन्होंने कहा कि ग्राम अभियान के तहत लगभग 63 000 गांवों में निवास करने वाले 5 करोड़ जनजातीय वर्ग के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। सांसद ने यह भी कहा कि युवाओं को शीर्ष कंपनियों में इंटर्नशिप योजना के तहत 5000 प्रति माह इंटर्नशिप भत्ताऔर 6000 की एक मुश्त सहायता दी जाएगी। जायसवाल ने कहा कि बजट में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक करोड़ घरों को प्रतिवर्ष मुफ्त बिजली प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने की योजना को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम मुद्रा योजना के तहत दी जाने वाली राशि 10 लाख से बढाकर 20 लाख कर दी गई है। भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद ने भी मोदी के बजट को जन उपयोगी व संतुलित बजट बताया।

रांची में जबरदस्त बारिश से जलमग्न मोहल्लों के लोगों का दुःख बांटने पहुंचे केंद्रीय मंत्री संजय सेठ

रांची। महज एक दिन की बारिश में पूरी रांची जलमग्न हो गई। रांची शहर में हर तरफ पानी ही पानी है। इस बारिश और पानी के बीच शनिवार को सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री ने मोहल्लों के लोगों से बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि दुःखद आश्चर्य इस बात का है कि राहत देने के लिए सरकार-प्रशासन के पास कोई तैयारी नहीं है। रांची के सैंकड़ों परिवार अपने-अपने घरों में कैद हैं। इस दौरान बांधगाड़ी की स्थिति बहुत भयावह दिखी। अपार्टमेंट और सोसाइटीज में रहने वाले सैकड़ो परिवार घरों में बंधक बने हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दो दिन से कई मोहल्लों में बिजली-पानी नहीं है। सब त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। मौके पर से ही मंत्री ने रांची के उपायुक्त और नगर निगम के आयुक्त से बात कर अविलंब राहत पहुंचाने का निर्देश दिया। अधिकारियों से मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्राथमिकता के आधार पर शहर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करें। इससे पहले बच्चों और महिलाओं के खाने की व्यवस्था करें। इनके लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें। रांची की ऐसी भयावह स्थिति आज से पहले देखने को नहीं मिली थी। प्रशासन सजगता से कार्य करे। केंद्रीय मंत्री ने भीषण बारिश के कारण रातू क्षेत्र में एनएच-75 के मुरगू पुल के बहे हुए डायवर्सन का भी निरीक्षण किया। इसके बहने से पलामू, यूपी सहित बड़े क्षेत्र का संपर्क रांची से टूट गया है। सांसद ने उक्त स्थल का निरीक्षण किया। ग्रामीणों से बात की। मंत्री ने एनएचएआई के अधिकारियों को तलब किया। उन्होंने कहा कि 24 ह्यूम के पाइप की बनावट इतनी कमजोर रही कि यह पूरा बह गया। 25 फीट से अधिक गड्ढे हो गए हैं। पानी का बहाव बहुत तेज है। मंत्री ने अधिकारियों को 24 घंटे के अंदर इसे ठीक करते हुए, चालू करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

लायंस क्लब ऑफ़ चाईबासा के हेल्थ कैंप शिविर में कुल 80 लोगो ने लाभ उठाया

चाईबासा। लायंस क्लब ऑफ़ चाईबासा के हेल्थ कैंप शिविर में कुल 80 लोगो ने लाभ उठाया. स्थानीय सदर अस्पताल के डॉक्टर्स द्वारा लायंस क्लब ऑफ़ चाईबासा ने एक दिवसीय हेल्थ कैंप का शिविर चाईबासा स्तिथ जंक्शन पॉइंट कार सर्विस सेंटर, टेकासाई चाईबासा मे आयोजन किया गया जिसमे की कुल 80 लोगो ने अपना शुगर, bp एवं अपनी निजी परेशानी डॉक्टर्स से सलाह कर निज़ात पाया. उक्त शिविर मे लोगो के बिच मुफ्त दवाइयां भी बाटी गयी.उक्त शिविर में मुख्य रूप से लायंस क्लब के अध्यक्ष साकेत चौबे,रवि भुत,मुकेश मोदी, निशांत चौबे, सौरभ मुंध्रा, ,गिरधारी लाल पारीख,एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

4अगस्त को मनाई जाएगी सिनेमा जगत के गायक किशोर कुमार की जयंती

जमशेदपुर । संस्कृति साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था परिमल के तत्वधान में भारतीय सिनेमा जगत के हरफ़नमौला गायक अभिनेता किशोर कुमार की जयंती 4अगस्त को मनाई जायेगी इस मौका पर किशोर कुमार के गये गये गीतों को स्थानीय कलाकारों सजाया जायेगा आज इस आसय की जानकारी परिमल के सदस्य संयुक्त रूप से दी इस मौक़े पर मुख्यरूप से अनिल वर्मा अशोक कुमार सुरेश धारी दिवाकर झा लक्मण प्रसाद दुर्गा बैठा समेत अन्य कई लोग उपस्थित थे स्थानीय कलाकार मुख्यरूप से गौतम गोराई संजय स्वर्णकार संजय गुप्ता प्रमोद कुमार नीतू शर्मा संजीब सिंह ,दुर्गावती मिश्रा ,आरती वर्मा

जन्मदिन पर तरुण डे की दिखी राजनीति में आने की झलक

जमशेदपुर । पूर्वी विधानसभा का चुनाव इस बार बड़ा ही दिलचस्प होने वाला है सभी राजनीतिक दल अपनी-अपने गोटी अभी से बिठाने लगे हैं कोई राजनीतिक दल जातीय समीकरण को साधने में लगा है तो कोई सामाजिक संगठनों और खेल प्रेमियों के बीच अपनी पकड़ बिठाने में लगा है | 90 के दशक में पत्रकारिता करने वाले चांडिल अनुमंडल के युवा नेता तरुण डे इसी ओर बढ़ चुके हैं 11 तारीख को खुदीराम बोस की जयंती पर आयोजित बाइक रैली में इसकी झलक देखने को मिलेगी बीते कल तरुण डे की जन्मदिन था और उसे दौरान पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के बागुनहातु में जो युवाओं खेल प्रेमियों के साथ-साथ महिलाओं की उपस्थिति दिखी उससे यह साफ हो गया कि पर वे पत्रकार समाजसेवी तरुण डे राजनीति के मैदान में उतरने के लिए कमर कस कर तैयार हो चुके है | पिछले दिनों बिरसानगर में खेल प्रेमियों के बीच खेल सामग्री का वितरण और जन्मदिन के अवसर पर गुरुद्वारा स्कूल में दो कंप्यूटर और एक उषा कंपनी का सिलाई मशीन का देना युवाओं का जन्मदिन पर हुजूम जुटना तरुण डे की राजनीति में आने की झलक है |

90 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

जमशेदपुर । जमशेदपुर पुलिस के हाथ एक बार फिर से ब्राउन शुगर के तस्कर लगे हैं जहाँ एक तस्कर को 90 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, इसकी जानकरी देते हुए डीएसपी भोला प्रसाद ने कहा की पुलिस को गुप्त सुचना मिली थी की मानगो दाईगुट्टू फारेस्ट ऑफिस के पीछे अपराधी व्यक्ति के द्वारा अवैध मादक पदार्थ की बिक्री की जा रही है, सुचना के आधार पर छापेमारी की गई जहाँ से सूरज बहादुर उर्फ़ थापा को 90 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया, गिरफ्त मे आये अभियुक्त पर पूर्व से भी कई मामले दर्ज है.

सेना भर्ती रैली में चतरा और धनबाद जिले के युवाओं ने लिया हिस्सा

रांची। सेना भर्ती रैली में आठवें दिन शनिवार को चतरा और धनबाद जिले के युवाओं ने अग्निवीर जीडी श्रेणी के लिए बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। अभ्यर्थियों ने खेलगांव स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स के मैदान में शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए। जांबाज युवाओं ने अपने पूरे जोश और जुनून के साथ अग्निवीर जीडी श्रेणी में भारी वर्षा के बावजूद बड़ी संख्या में उपस्थित हुए थे। सेना भर्ती प्रक्रिया सिर्फ और सिर्फ निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ की जाती हैं। एक उम्मीदवार सिर्फ अपने मेहनत और प्रयास के जरिये ही चयनित हो सकता हैं। दलालों के बहकावें में ना आये वो सिर्फ आपको गुमराह कर सकते हैं। हर आने वाला उम्मीदवार सिर्फ अपनी खुद की मेहनत की वहज से सफ़लता हासिल करता है । सैन्य और असैन्य खुफिया विभाग बड़ी मुस्तेदी के साथ सक्रिय हैं, इस प्रकार के लोगों पर कार्यवाही करने के लिए।

वित्त रहित संस्थानों के बच्चों को भी मिलेगा छात्रवृत्ति, साइकिल व पोशाक

मुख्यमंत्री ने अनुदान की राशि बढ़ाने का दिया आश्वासन

संवाददाता । मुसाबनी

विधायक अनूप कुमार सिंह, कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह एवं कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष व पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के नेतृत्व में वित रहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष मंडल के सदस्य रघुनाथ सिंह के नेतृत्व में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में उनसे मिलकर वितरहित स्कूल कॉलेज की समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।और अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन भी उन्हें सौंपते हुए वार्ता की। मोर्चा की मुख्य मांगों में वित रहित संस्थाओं के शिक्षक कर्मियों को राज्य कर्मी का दर्जा देने। महंगाई को देखते हुए अनुदान की राशि में 3 या 4 गुना अर्थात 75 प्रतिशत की वृद्धि के विभागीय प्रस्ताव को मंत्री परिषद में भेजवाने।अनुदान की राशि सीधे शिक्षक कर्मचारियों के खाते में भेजने,इंटरमीडिएट के नामांकन में पूर्व के निर्धारित सीट को यथावत रखने तथा अनुदानित स्कूल व इंटर कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों को पोशाक,साइकिल व छात्रवृत्ति की राशि देने, किताब उपलब्ध कराने की मुख्य मांग की गई। मुख्यमंत्री ने मोर्चा के मांगों को ध्यान से पढ़ा और कहा कि राज्य कर्मी का दर्जा देने का तथा समान काम के लिए समान वेतन देने के सदन में मेरे दिए गए आश्वासन पर जल्द कार्रवाई होगी ।अनुदान की राशि बढ़ाने के प्रस्ताव को कैबिनेट में मंगवाने का उन्होंने आश्वासन दिया। अनुदान की राशि सीधे शिक्षक कर्मचारियों के खाते में भेजने के मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मांग आपकी जायज है । इस पर भी कार्रवाई होगी । इसी बीच शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम मुख्यमंत्री के पास पहुंच गए और मोर्चा के प्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री से सरकारी स्कूल के बच्चों के समान पोशाक, छात्रवृत्ति, साइकिल एवं किताबें देने के मांग पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि अनुदानित स्कूल, इंटर कॉलेज के बच्चों को यह सुविधा देने के लिए कार्रवाई चल रही है ।और जल्द ही निर्णय ले लिया जाएगा । कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह एवं बंधु तिर्की ने मुख्यमंत्री से कहा कि वित्त रहित शिक्षकों का मामला बहुत दिनों से लटका हुआ है। इसका समाधान आप ही कर सकते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द निर्णय होगा। विधायक अनूप कुमार सिंह ने भी मुख्यमंत्री से जोरदार ढंग से समस्याओं के निदान के लिए आग्रह किया। बाद में मुख्यमंत्री ने मोर्चा के ज्ञापन पर आवशयक कार्रवाई करने के लिए अपने आप्त सचिव को आदेश दिया। और कहा कि यह राज्य स्तरीय वितरहित का मामला है। इस पर त्वरित कार्रवाई की जाए। मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल में रघुनाथ सिंह,अरविंद सिंह, संजय कुमार ,मनीष कुमार, हरिहर प्रसाद कुशवाहा, प्राचार्य संजय कुमार सिंह एवं पी के सिंह आदि शामिल थे।

जनसंघ काल से भाजपा के मजबूत नींव रखने वाले आपलोग पार्टी के मजबूत स्तंभ है - लखन मार्डी

संवाददाता । घाटशिला

भाजपा घाटशिला विधानसभा पूर्व प्रत्याशी लखन मार्डी ने मुसाबनी निवासी सह वरिष्ठ भाजपाई बाबूलाल सिंह,अजय पांडा,चौधरी उमेश सिंह और कैलाश मेहता जी के आवास में जाकर कुशल- क्षेम जाना एवं मार्गदर्शन तथा आशीर्वाद प्राप्त कर पार्टी के लिए समय एवं कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देने हेतु आग्रह किया। इस क्रम में वरिष्ठ भाजपाइयों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित करते हुए कहा कि जनसंघ काल से भाजपा के मजबूत नींव रखने वाले आप लोग पार्टी के मजबूत स्तंभ है एवं आप सबके मेहनत एवं पसीने से ही आज भाजपा विशाल वट वृक्ष स्वरूप विश्व के सबसे बड़ी पार्टी बनी है। कैलाश मेहता जी का निरंतर स्वास्थ्य खराब रहने की जानकारी प्राप्त होने पर उचित एवं उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवा हेतु रिम्स राँची में व्यवस्था करने हेतु पार्टी के वरीय पदाधिकारी एवं चिकित्सकों से संपर्क किया। मौके पर सत्या तिवारी,शिवा मुदलियार,मुकेश सिंह,सरोज दत्ता, स्वपन भद्रा,सुपाई मांडी,रितेश टुडू आदि उपस्थित थे।

बीडीओ प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में झारखंड मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना में शामिल पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

संवाददाता । गम्हरिया

प्रखंड सभागार में बीडीओ प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में झारखंड मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना में शामिल पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने तीन से दस अगस्त तक पंचायत सचिवालयों में आयोजित होने वाले विशेष शिविर पर चर्चा करते हुए इसे सफल बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह योजना सरकार की अति महत्वकांक्षी योजनाओं में से एक है। इसमें कोताही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी पंचायत सचिवों को अपने-अपने सचिवालय में बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। बीडीओ ने शिविर में लाभुकों के अलावा अतिरिक्त महिला या पुरूष शामिल होकर बेवजह भीड़ नहीं करने की अपील लोगों से की। साथ ही, जनप्रतिनिधियों से भी इस योजना को सफल बनाने में योगदान देने का आग्रह किया। बैठक में विभिन्न पंचायत के पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी सेविका, वीएलई आदि शामिल थे।

पोटका विस क्षेत्र में विधायक ने शुरू किया मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना

संवाददाता । पोटका

झारखंड मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना का शनिवार को जमशेदपुर प्रखंड के केरुआडुंगरी पंचायत भवन में पोटका के विधायक संजीव सरदार ने दीप जलाकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, बीडीओ सुधा वर्मा, सीओ मनोज कुमार, मुखिया कानू मुर्मू, उप मुखिया राज कुमार सरदार उपस्थित थे। मौके पर विधायक संजीव सरदार ने बतौर अतिथि कहा की झारखंड सरकार का यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण का एक मत्वाकांक्षी योजना है। 21 से 50 आयु वर्ग की वैसी महिलाए जिन्हे किसी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलता हो, उन्हे झारखंड मुख्यमंत्री मैया योजना के तहद प्रति माह 1000 रूपये सम्मान राशि दी जाएगी। तीन अगस्त से दस अगस्त तक पंचायत स्तरीय कैंप में आवेदन जमा होगा। श्री सरदार ने कहा की सरकार झारखंड वासियों के हर विकास के लिए कटिबद्ध है। सभी को राशन दुकान से चावल, दाल, गेहूं, धोती, साड़ी दिया जा रहा है। जल्द ही सोयाबीन भी मिलना शुरू होगा। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा की झारखंड बनने के 24 वर्ष के दौरान 19 वर्ष भाजपा का शासन रहा। इसके बावजूद झारखंड का विकास के बदले विनाश ही हुआ। आपके द्वारा झामुमो का हाथ मजबूत किया जिसके बल पर इंडिया गठबंधन का सरकार बना। उदघाटन के अवसर पर महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। योजना के प्रति महिलाओं का एक अलग उत्साह देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर वार्ड सदस्य सरोटी हेंब्रम, पान सोती मर्दी, चंपा हेंब्रम, देवी सरदार, रवि सोरेन, चंद्रमुखी वरदा, पंचायत सहायक अहला हंसदा, लखन हंसदा, अमृता सिंह, टी एस एफ फेलो लखन हेंब्रम, सेविका, सहायिका आदि उपस्थित थे।

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का मेड़िया पंचायत में लगा शिविर

संवाददाता । मुसाबनी

मुसाबनी प्रखण्ड के मेढ़िया पंचायत सभागार में शनिवार को झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना शिविर का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी पुष्कर सिंह मुंडा के निर्देश पर किया गया। इस शिविर का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसमें प्रखण्ड विकास पदाधिकरी पुष्कर सिंह मुंडा, प्रखण्ड प्रमुख रामदेव हेंब्रम, पंचायत की मुखिया बासो हांसदा, झामुमो केंद्रीय सदस्य कान्हु सामंत, प्रखंड अध्यक्ष प्रधान सोरेन, सचिव सोमाय सोरेन, वरिष्ठ नेता कान्हु टुडू ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।प्रखण्ड विकास पदाधिकारी पुष्कर सिंह मुंडा ने उपस्थित लाभुकों को झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। झामुमो केन्द्रीय सदस्य कान्हु सामंत ने अपने संबोधन में कहा कि हेमन्त सोरेन सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना आज से पूरे राज्य में शुरू हो गई है। झारखण्ड में 21वर्ष से 49 वर्ष के युवती व महिलाओं को झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का पंचायतवार शिविर लगाकर आंगनबाड़ी सेविका के माध्यम से आवेदन पत्र निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। सभी योग्य लाभुक इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का प्रयास करें। झामुमो प्रखंड अध्यक्ष प्रधान सोरेन ने जोर देते हुए कहा कि झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का आवेदन पत्र आंगनबाड़ी सेविका द्वारा निशुल्क दिया जा रहा है यदि कोई आंगनबाड़ी सेविका किसी भी लाभूक से रुपए की मांग करती है। तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि पैसा मांगने वाले सेविका का नाम तुरंत बीडीओ व प्रखंड प्रशासन को सूचित करें।शिविर को प्रखंड प्रमुख रामदेव हेंब्रम ने भी सम्बोधित किया, संचालन सोमाय सोरेन व धन्यवाद ज्ञाप कान्हु टुडू ने किया, मौके पर अधिवक्ता बिक्रम मुर्मू, पंचायत सचिव मातु मार्डी, प्रिय नाथ बस्के आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कियापता गांव में मिला 12 फीट का अजगर सांप

संवाददाता। चक्रधरपुर

खुंटपानी प्रखंड के कियापता गांव में करीब 12 फीट लंबा अजगर सांप को पकड़ कर मजदूर नेता सिकंदर जामुदा ने वन विभाग को सौंप दिया है। जनकारी के मुताबिक शनिवार की सुबह एक 12 फीट का अजगर सांप सड़क पार कर रहा था। उसी समय ग्रामीणों ने सांप को देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना सिंकदर जामुदा को दी। सूचना मिलते ही सिकंदर जामुदा मौके पर पहुंचे और सांप को पकड़ कर बोरा में भर कर चक्रधरपुर वन विभाग कार्यालय लाया। जहां सोंगरा वन क्षेत्र के पदाधिकारी को सौंप दिया है। सिंकदर जामुदा ने कहा कि जब भी सांप पकड़ाता है तो वन विभाग की टीम आस पास के ही जंगल में छोड़ देती है। उन्होंने सांप को बीहड़ जंगल में छोड़ने की मांग की है, ताकि सांप दूबारा ग्रामीण क्षेत्र में न आ सकें।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और संगठन महामंत्री कर्मवीर से मिली भाजपा नेत्री दमयंती नाग

संवाददाता। चाईबासा

स्वयंसेवक स्व श्यामसुंदर नाग की धर्म पत्नी भाजपा नेत्री श्रीमति दमयंती नाग ने चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को प्रदेश कार्यालय में आवेदन दी है जानकारी के अनुसार भाजपा नेताओं के संग रांची जाकर वे आवेदन वायोडाटा जमा की है इस संबंध में श्री मति नाग से पूछे जाने पर बताया वर्तमान वे कई समाजिक संस्थाओं से जुड़ी है और भाजपा के कार्यक्रम में भी लगातार सम्मिलित होते आ रही है टिकट की बात पर उन्होंने कहा कि फिलहाल वे प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष आवेदन दी है वह पार्टी का सिपाही है पार्टी का जो भी निर्णय होगा उसी अनुसार वे कार्य करेगी। वर्तमान श्री मति नाग वर्तमान कई सस्थाओं से जुड़कर समाजिक कार्य कर रही है साथ ही भाजपा की राजनीति में भी सक्रिय है

नकली नोट के साथ सरायकेला पुलिस ने दो जालसाजों को किया गिरफ्तार, भेजा सलाखों के पीछे

संवाददाता। सरायकेला

खरसावां पुलिस ने पांच सौ के 9 नकली करेंसी के साथ दो जालसाजों को गिरफ्तार किया है. पुलिस की गिरफ्त में आए जालसाजो में एक पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद का रहने वाला एनामुल शेख है जबकि दूसरा जमशेदपुर का कुख्यात स्क्रैप सरगना मोहम्मद चांद है. एनामुल सरायकेला में किराए के मकान में रहता है. इस संबंध में जानकारी देते हुए सरायकेला सर्किल इंस्पेक्टर शंभू प्रसाद गुप्ता ने बताया कि इनामुल मुर्गा खरीदने गया था. तभी दुकानदार को शक हुआ. उसके बाद स्थानीय लोगों ने उसे पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. पूछताछ के क्रम में स्क्रैप कारोबारी मोहम्मद चांद का नाम सामने आया. जिसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है. अहम सवाल यह है कि आखिर नकली नोट आए कहां से ? बता दें कि गिरफ्त में आए दोनों जालसाज मूल रूप से स्क्रैप कारोबारी है, और इनका कनेक्शन पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से है. सूत्रों की अगर मन तो बांग्लादेश से मुर्शिदाबाद के रास्ते नकली करेंसी सरायकेला पहुंच रहा है. समय रहते यदि इसका खुलासा नहीं हुआ तो एक बार फिर से नकली नोट की आमद बाजार में हो जाएगी जिसे रोक पाना सरकार और पुलिस-प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी.

संक्षिप्त समाचार

सीजीपीसी ने किया शिक्षा वीरों का सम्मान, चरणप्रीत ने अभाव में भी छोड़ा प्रभाव

जमशेदपुर। सिखों की सिरमौर संस्था सीजीपीसी ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जमशेदपुर के सिख शिक्षा वीरों को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया। शनिवार को साकची स्थित कार्यालय में आमंत्रित कर उनके उपलब्धि की खूब सराहना की गयी। चरणजीत की कहानी उनके संघर्ष की व्याख्या करती है जो सबके लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकती है। बहरहाल, सीजीपीसी के प्रमुख सरदार भगवान सिंह ने महासचिव अमरजीत सिंह, मानगो गुरुद्वारा के महासचिव जसवंत सिंह जस्सू, कुलविंदर सिंह पन्नू, सुखविंदर सिंह राजू, सुखदेव सिंह बिट्टू, सुरजीत सिंह और शिक्षा वीरों के परिजनों की उपस्थिति में हरप्रीत कौर, दिलप्रीत कौर और चरणप्रीत सिंह को उपहार देकर सम्मानित किया। हरप्रीत कौर ने 92 फीसदी अंक लाकर डीएलईडी परीक्षा में झारखण्ड राज्य में अव्वल स्थान पाया है जबकि केरला समजम मॉडल स्कूल की छात्रा दिलप्रीत कौर ने बायो साइंस के बारहवीं की परीक्षा 88 फीसदी अंक से साथ उत्तीर्ण की है, वहीँ मुश्किल हालातों के सामना कर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने वाले चरणप्रीत ने सिख कौम और जमशेदपुर का गौरव बढ़ाया

25 जुलाई से परसुडीह थाना में बंद विशाल मुंडा के परिजन एसएसपी से मिलने पहुंचे एसएसपी कार्यालय

जमशेदपुर। 25 जुलाई से परसुडीह थाना में बंद विशाल मुंडा के परिजन एसएसपी से मिलने एसएसपी कार्यालय पहुंचे और एसएसपी से परसुडीह थाना के पुलिस पदाधिकारी द्वारा झूठे मामले में फंसाए जाने की शिकायत दर्ज कराई विशाल मुंडा की पत्नी जब थाना अपने पति से मिलने गई तो थाना की महिला पदाधिकारी द्वारा पैसा देकर पति को छुडाने की बात कही गई,इतना ही नही उनके पति विशाल मुंडा ने बताया कि उनके ऊपर जबरन परसुडीह पुलिस पदाधिकारी द्वारा ब्राउन शुगर का झूठा मामला दर्ज कराया जा रहा है जबकि वे इस मामले में संलिप्ष्ट है ही नही, जानकारी मिलते ही आदिवासी संगठन के लोग विशाल मुंडा की धर्मपत्नी के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचे और एसएसपी से परसुडीह थाना प्रभारी की शिकायत दर्ज करते हुए उन्हें परसुडीह थाने से हटाने की मांग की

बाबा बासुकीनाथ को जलार्पण के बाद जमशेदपुर रवाना हुआ 1100 लोगों का निःशुल्क कांवर यात्रा

जमशेदपुर। 28 जुलाई को जमशेदपुर से सुल्तानगंज रवाना हुई 1100 लोगों का निःशुल्क कांवर यात्रा का जत्था जरमुंडी स्थित फौजेदारी बाबा बासुकीनाथ को जलार्पण कर सकुशल वापस जमशेदपुर के लिए प्रस्थान किया। बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ की ओर से आयोजित 1100 लोगों की आठ दिन चलने वाली कांवर यात्रा के संदर्भ में संघ के संस्थापक सदस्य विकास सिंह ने बताया की शुक्रवार को देवघर पहुंच कर बाबा बैद्यनाथ में सभी लोगों ने जल अर्पण किया उसके बाद मारवाड़ी कावड़ संघ के धर्मशाला में आराम कर सभी लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई । इसके बाद रात्रि के समय सभी लोग बाबा बासुकीनाथ धाम प्रस्थान किया शनिवार के दिन सभी कांवरिया बाबा बासुकीनाथ धाम में जलार्पण कर सभी लोगों ने सामूहिक रूप से बाबा बासुकीनाथ की आरती कर अपनी अरजी लगाकर जमशेदपुर के लिए प्रस्थान किया । विकास सिंह ने बताया आठ दिन तक चलने वाले से यात्रा में शामिल सभी कांवरियों का भरपूर सहयोग इस यात्रा को मिला । भागलपुर, और बांका के डी.एम ने अपने जिले में यात्रा को भरपुर सहयोग किया , सारे ठहराव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर कांवरियों के थकान दूर करने के साथ साथ कांवरिया पथ में चल रहे लाखों कांवरियों को शिव भजन में झुमवाने का कार्य किया ।

मंत्रीबन्ना गुप्ता, विधायकगण एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों ने कैम्प का किया शुभारंभ

- पहले दिन के विशेष कैम्प में अबतक 446 आवेदनों की हुई ऑनलाईन इंट्री
- योजना के तहत 21 से 50 वर्ष तक की उम्र की बहनों/ माताओं को हर महीने मिलेगी 1000 रू. की सम्मान राशि
- सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारी भ्रमणशील रहते हुए कैम्प के व्यवस्थित संचालन में रहे सक्रिय

संवाददाता । जमशेदपुर

झारखण्ड सरकार द्वारा 21 से 50 आयु वर्ग की बहनों/माताओं जिन्हें अन्य किसी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलता हो उन्हें झारखण्ड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना से आच्छादित करते हुए पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर खर्च करने के लिए प्रति माह 1000 रुपये सम्मान राशि दिया जाएगा । उक्त योजना के सुयोग्य लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने हेतु जिला अंतर्गत 231 पंचायत एवं चार नगर निकायों के 24 स्थानों पर विशेष कैम्प का आयोजन किया गया। उक्त सभी स्थानों में विशेष कैम्प 10 अगस्त तक प्रतिदिन लगाये जाएंगे। शाम 06 बजे तक सभी प्रखंडो में कुल 446 आवेदनों की इंट्री की गई । पंचायत स्तरीय एवं शहरी क्षेत्र के विशेष कैम्प का उद्घाटन संबंधित विधानसभा क्षेत्र के विधायकगण द्वारा किया गया। श्री बन्ना गुप्ता, मंत्री, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण तथा खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, माननीय विधायक घाटशिला श्री रामदास सोरेन, माननीय विधायक बहरागोड़ा श्री समीर मोहंती तथा माननीय विधायक पोटका श्री संजीव सरदार समेत पंचायत जनप्रतिनिधियों द्वारा कैम्प का विधिवत शुभारंभ अपने-अपने क्षेत्रों में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल के निर्देशानुसार सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारी भी अपने प्रखंड क्षेत्र में मौजूद रहकर व्यवस्थित तरीके से कैम्प के संचालन को लेकर सक्रिय रहे। उप विकास आयुक्त को गोलमुरी सह जुगसलाई प्रखंड, परियोजना निदेशक आईटीडीए को घाटशिला, पटमदा में अपर उपायुक्त, पोटका में निदेशक एनईपी, धालभूमगढ़ एवं मुसाबनी में एडीएम (एसओआर), डुमरिया में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, बोड़ाम में एसडीओ धालभूम, चाकुलिया में एसडीओ घाटशिला, एलआरडीसी घाटशिला को बहरागोड़ा तथा सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी को गुड़बांदा का वरीय पदाधिकारी प्रतिनियुक्त किया गया है। इस 08 दिवसीय विशेष कैम्प के तहत जिला प्रशासन का प्रयास है कि शत प्रतिशत लाभुकों को योजना के संबंध में जागरूक करते हुए विशेष कैम्प के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जाएं। 10 तारीख के बाद भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर सुयोग्य लाभुक आवेदन कर सकते हैं ।

झारखंड सरकार के द्वारा मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना आते ही पूर्वी सिंहभूम जिला में मचा बावल

संवाददाता । जमशेदपुर

मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना में हो रहा है भ्रष्टाचार का महिलाओं ने किया विरोध पूर्वी जिला प्रशासन एवं सरकार के द्वारा पूरे जिले में कुछ गिने-चुने स्थानो पर मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना का फॉर्म भरा जा रहा था झारखंड सरकार के आदेश के बाद जैसे ही आज इस योजना का शुभारंभ हुआ,, यह योजना भ्रष्टाचार का शिकार चढ़ गया,, इस योजना का फॉर्म भरने के लिए कई महिलाओं से कई केंद्रो मे फॉर्म भरने के नाम पर महिलाओं से हजार रुपए की मांग की गई.. कई स्थानों पर महिलाओं को यह बोलकर वापस लौटा दिया गया।।जिनका पीएफ पैसा कटता है वह इस योजना का लाभ नहीं ले सकते..इस बात पर महिलाओं के विरोध करने पर केंद्रों में बैठे अधिकारियों ने यह बोलकर पल्ला झाड़ लिया अगर हजार रुपया देना है तो दीजिए वरना आपको जहां जाना है चले जाइए आपका फॉर्म नहीं भरा जाएगा..इस बात की शिकायत महिलाओं ने भाजपा नेता विमल बैठा से की विमल बैठा ने इस भ्रष्टाचार का विरोध करते हुए महिलाओं को लेकर जमशेदपुर उपयुक्त कार्यालय पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज करते हुए वर्तमान सरकार को निशाना साधते हुए इस भ्रष्टाचार का कड़ा विरोध दर्ज किया इस मौके पर शिकायत दर्ज करने में राधा रानी दास, देविका कुमारी, देविका कुमारी, रेखा दास, मीरा देवी, विमला देवी, पूर्णिमा दास, आरती दास, विजय सोय, आकाश श्रीवास्तव, ओम प्रकाश रजक, जीतू कुमार, लोबिन माझी, प्रिंस कुमार,एवम काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही

रंभा कॉलेज के बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के द्वारा " विजन ऑफ इंटरप्रेनयोर डेवलपमेंट" विषय पर कार्यशाला आयोजित

संवाददाता । जमशेदपुर

रंभा कॉलेज, गीतिलता के बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के द्वारा आज " विजन ऑफ इंटरप्रेनयोर डेवलपमेंट" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के आरम्भ में सचिव गौरव बचन ने भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था में इंटरप्रेनयोरशिप के महत्व को बताया। कार्यशाला का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर शीतल कुमारी ने किया । पीपीटी के माध्यम से छात्र राजदीप ने इंटरप्रेनयोरशिप और अनुपम कुमार पांडे ने मार्केटिंग विषय पर विस्तार से बताया। राजदीप ने कहा कि इंटरप्रेनयोरशिप की सफलता सोच की दूरदर्शिता और जोखिम लेने के हौसले पर निर्भर करता है।अनुपम कुमार पांडे ने मार्केटिंग विषय और इसकी रणनीति और कारगर फार्मूले के बारे में उदाहरण के साथ बहुत ही रोचक तरीके से बताया। धन्यवाद ज्ञापन और फीडबैक देते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर सुमनलता ने कहा कि तकनीकी रूप से विद्यार्थियों का सक्षम होना व्यक्तित्व विकास के लिए जरूरी है।प्रिंसिपल डॉक्टर कल्याणी कबीर ने बी बी ए विभाग के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि अपने कम्फर्ट जोन से निकलना जरूरी है तभी हम जीवन में सफलता हासिल कर सकते हैं। इस कार्यशाला में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर सतीश चंद्र, डॉक्टर दिनेश यादव , असिस्टेंट प्रोफेसर प्रीति गौरा, विवेक कुमार, आशीष , लेक्चरर रश्मि लुगून,जय श्री पांडा , अमृता सुरेन, मंजू गगराई उपस्थित थे।

अधिकारी के बिगड़े बोल, डॉ अजय ने मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से कार्रवाई की मांग की

संवाददाता । जमशेदपुर

पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम को पत्र लिख आईएएस अधिकारी आदित्य रंजन के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने की मांग की है. उक्त जानकारी डॉ.अजय कुमार में शनिवार को परिसदन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को दी. उन्होंने कहा कि झारखंड शिक्षा परियोजना के निदेशक आदित्य रंजन द्वारा शिक्षकों के प्रति जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया गया है. वो अशोभनीय व शर्मनाक है. सभ्य समाज में इस प्रकार की भाषा का कोई स्थान नहीं है. इससे पहले उन्होंने वायनाड में प्राकृति आपदा में मारे लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त किया. वहीं पिछले दिनों झारखंड के लातेहार में वैन के हाईटेंशन बिजली पोल से टकराने के कारण जिन कावड़ियों की मृत्यु हो गई उन परिवारों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की. डॉ. अजय ने चुटकी लेते हुए कहा कि हाल के दिनों में जिस प्रकार बीजेपी नेताओं के भाषा में परिवर्तन हुआ है लगता है उसका ही असर अधिकारियों पर भी पड़ने लगा है. आज कुछ युवा जो आईएएस आईपीएस बन रहे हैं, उनकी मानसिकता बदल रही है क्योंकि उनके सामने हमारी केंद्र सरकार का उदाहरण है जो खुलेआम हमारे लोगों की जाति पूछ रही है, लोगों का धर्म पूछ रही है, लोगों को गोली मारने की धमकी दे रही है, लोगों से विशिष्ट अल्पसंख्यक समूहों का बहिष्कार करने के लिए कह रही है. लेकिन इंडिया गठबंधन की सरकार में इसको स्वीकार नहीं किया जाएगा.

बागबेड़ा पुलिस के द्वारा दो किन्नरों की बेरहमी से पिटाई,न्याय की लगाई गुहार

संवाददाता । जमशेदपु

जमशेदपुर पुलिस की हैवानियत का चेहरा देखने को मिल रहा है जहां बागबेड़ा पुलिस के द्वारा दो किन्नरों की बेरहमी से पिटाई की गई है वहीं अब किन्नर न्याय की गुहार लेकर जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के चक्कर लगाते नजर आ रहे हैं | 1 अगस्त की रात टाटानगर रेलवे स्टेशन में किसी बात को लेकर बागबेड़ा पेट्रोलिंग जीप मे मौजूद पुलिसकर्मी एवं किन्नरों के बीच विवाद हो गया था जहां मामला थाना पहुंचा वही एक दिन बाद थानेदार के द्वारा किन्नर को थाना बुलाकर वार्ता की जा रही थी जहां किन्नर समाज के लोग दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे इसी बीच थाना प्रभारी की मौजूदगी में थाना में मौजूद पुलिस के अधिकारी एवं जवानों के द्वारा दो किन्नरों की बेरहमी से पिटाई की गई जहां किन्नरों के शरीर मे मौजूद पुलिसिया पिटाई के दाग इसकी गवाही दे रहे हैं वही न्याय की गुहार लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे | हम किन्नर समाज के लोग ऐसे दोषी थाना प्रभारी एवं पुलिस पदाधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं अगर त्वरित रूप से दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती है तो पूरा शहर का किन्नर समाज जिला मुख्यालय के बाहर उग्र प्रदर्शन करेंगे

दलमा के लिए एक्सएलआरआई और वन विभाग के बीच करार

संवाददाता । जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर और झारखंड वन विभाग ने दलमा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र के लिए एक क्षेत्रीय मास्टर प्लान विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह वन विभाग कार्यालय में हुआ। इस कार्यक्रम में दोनों संगठनों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। एक्सएलआरआई का फादर अरुप सेंटर फॉर इकोलॉजी एंड सस्टेनेबिलिटी इस दो वर्षीय परियोजना का नेतृत्व करेगा।पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र 522.98 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जिसमें कई जिलों के 136 गांव शामिल हैं। परियोजना के प्रधान अन्वेषक प्रोफेसर रघु राम टाटा ने कहा, "हमारा लक्ष्य एक ऐसी भविष्योन्मुखी योजना बनाना है जो स्थानीय हितधारकों की सामाजिक-आर्थिक आकांक्षाओं के साथ पारिस्थितिक सुरक्षा को संतुलित कर सके।"टीम व्यापक सर्वेक्षण करेगी और भौगोलिक सूचना प्रणाली प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगी।पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र के भीतर गतिविधियों को निषिद्ध, अनुमत या विनियमित के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। एक्सएलआरआई पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित सभी दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह परियोजना संरक्षित क्षेत्रों में सतत विकास के महत्व को रेखांकित करती है।

जलाभिषेक यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए सूर्य मंदिर समिति कर रही व्यापक तैयारी, ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास होंगे मुख्य रूप से शामिल

संवाददाता । जमशेदपुर

सुल्तानगंज के पवित्र गंगाजल से शिवभक्त करेंगे बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक, 6 अगस्त को बनारस के गंगा आरती की तर्ज पर होगी महाशिवालय की महाआरती, बनारस से लौहनगरी आएगी आचार्य समेत 15 सदस्यीय टीम

सूर्य मंदिर समिती द्वारा पवित्र श्रावण माह के तृतीय सोमवारी को होने वाले सामुहिक जलाभिषेक यात्रा की सफलता को लेकर मंदिर समिति ने तैयारियों की समीक्षा बैठक की। एक ओर जहां मंदिर समिति के सदस्यगण जलाभिषेक यात्रा के आयोजन को आकर्षक और ऐतिहासिक बनाने में जुटे है। तो वहीं, शनिवार को सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर के प्रांगण में सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न तैयारी की समीक्षा बैठक में जलाभिषेक यात्रा के संयोजक रामबाबू तिवारी समेत पदाधिकारी एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यगण शामिल हुए। बैठक में जलाभिषेक यात्रा के संबंध में गठित उप-समिति में विभिन्न कार्यों के लिए नियुक्त किये गए दायित्वधारी सदस्यों से उनके प्रभार वाले कार्यों के अबतक की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस दौरान जलाभिषेक यात्रा, झांकी, ट्रैफिक, पेयजल, मेडिकल टीम, बेरिकेडिंग, भगवान भोलेनाथ को जलार्पण, जलपात्र वितरण, महाप्रसाद, विद्युत एवं पुष्प सज्जा इत्यादि से संबंधित कार्य सहित जलाभिषेक यात्रा के दृष्टिकोण से किए जाने वाले व्यवस्थाओं की तैयारी पर चर्चा की गई एवं सुझाव लिये गये। इस दौरान प्राप्त सुझावों को संबंधित प्रभार वाले लोगों से चर्चा कर जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये गए। जलाभिषेक यात्रा के गंतव्य स्थान बारीडीह हरि मंदिर मैदान से सूर्यधाम शिवालय तक की तैयारी, अगले दिन मंगलवार को संध्याकाल 6 बजे से महाशिवालाय की महाआरती की तैयारी को अंतिम रुप दिया गया। श्रावण माह के तीसरी सोमवारी को आकर्षक लाइटों से सूर्यधाम परिसर एवं आसपास के क्षेत्र पूरी तरह चकाचौंध रहेगी। इसके साथ ही, मंदिर मार्ग के अलग-अलग रूटों पर भी आकर्षक साज-सज्जा की जा रही है। सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि आगामी 5 अगस्त को जलाभिषेक यात्रा में कमेटी ने 25 हजार से अधिक महिला एवं पुरूष श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई है। तृतीय सोमवारी के अवसर पर जलाभिषेक यात्रा में हजारों शिवभक्त हाथों में जल लेकर सूर्य मंदिर शिवालय में जलार्पण करते हैं। सोमवार को जलाभिषेक यात्रा में सूर्य मंदिर के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री एवं ओडिशा राज्य के महामहिम राज्यपाल रघुवर दास एवं संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह के संग हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। बैठक में सूर्य मंदिर समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, जलाभिषेक यात्रा के संयोजक रामबाबू तिवारी, सह संयोजक राकेश सिंह, महासचिव अखिलेश चौधरी, अमरजीत सिंह राजा, शैलेश गुप्ता, रूबी झा, शशिकांत सिंह, बंटी अग्रवाल, कंचन दत्ता, कृष्णमोहन सिंह, प्रेम झा, प्रमोद मिश्रा, दिनेश कुमार, गुंजन यादव, कमलेश सिंह, कुलवंत सिंह बंटी, खेमलाल चौधरी, सुशांत पांडा, संतोष ठाकुर, सुरेश शर्मा, बबलू गोप, अजय सिंह, दीपक झा, हेमंत सिंह, ध्रुव मिश्रा, अमित अग्रवाल, रॉकी सिंह, बोलटू सरकार, तजिंदर सिंह जॉनी, ओम पोद्दार, संतोष कुमार, कुमार अभिषेक व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एससी-एसटी आरक्षण में कोटा बांटने पर भाजपा-जदयू साथ, चिराग पासवान फैसले के खिलाफ

पटना, एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने शुक्रवार को आरक्षण को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को घेरते हुए कहा कि लालू परिवार जब तक सत्ता में रहा इन्हें आरक्षण की याद नहीं आई।

एक भी आरक्षण यह परिवार सत्ता में रहते नहीं दिलवाया है। यह सिर्फ दूसरे के बांसुरी पर ताल दे रहे हैं। राजद आरक्षण के नाम पर जातियों को बांटने का काम करता रहा है।

उन्होंने कहा कि लालू यादव के परिवार को आरक्षण के मुद्दे पर बोलने का हक नहीं है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में आरक्षण का मुद्दा बिहार में आया है और उसे अमलीजामा पहनाने की चिंता भी नीतीश कुमार कर रहे हैं। अब आरक्षण के मामले पर सर्वोच्च न्यायालय सितंबर में सुनवाई करेगा, लेकिन इस पर भी अफवाह उड़ा दिया गया कि कोर्ट रिजेक्ट कर दिया है।

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद नेताओं द्वारा आरक्षण को लेकर दिए जा रहे बयान को लेकर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें आरक्षण पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। भाजपा कल भी आरक्षण के समर्थन में थी और आज भी आरक्षण के समर्थन में खड़ी है। उन्होंने कहा कि राजद प्रमुख लालू यादव और कांग्रेस यह बताए कि आज तक ये दोनों पार्टियां सत्ता में रहते किसे आरक्षण दी है। लालू यादव और उनका परिवार बिहार में 15 सालों तक सत्ता में रहा, लेकिन एक व्यक्ति को भी आरक्षण का लाभ नहीं दिया।

अब आरक्षण को लेकर उनके परिवार और उनकी पार्टी के सदस्य गाल बजा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को सब पता है। लोकसभा चुनाव का परिणाम इसका प्रमाण है। उन्होंने कहा काठ का बर्तन एक ही बार चूल्हे पर चढ़ता है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आरक्षण पर कुर्तक रहे हैं। बिहार में जब विधानसभा का सत्र चल रहा था। तब तेजस्वी विदेश में सैर कर रहे थे। सदन का सत्र समाप्त हो गया तो पटना में आकर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। बिहार की जनता के साथ युवराज की भांति व्यवहार कर रहे हैं। यह सब लोकतंत्र में नहीं चलता है जनता की आवाज बनना होगा, भागने से काम नहीं चलेगा। बिहार की जनता जब बात रखनी होती है तब तो यह विदेश चले जाते हैं। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने सर्वोच्च न्यायालय के अनुसूचित जाति एवं जनजाति (एससी-एसटी) आरक्षण में कोटे में कोटा और इसमें क्रीमी लेयर संबंधी निर्णय का समर्थन नहीं किया है।

चिराग ने कहा कि एससी-एसटी आरक्षण के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पक्षधर नहीं है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया है कि इस फैसले पर पुनर्विचार किया जाए, ताकि एससी-एसटी वर्ग में भेदभाव पैदा नहीं हो और समाज को कमजोर न किया जा सके।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आरक्षण के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाकर राजनीतिक पाखंड कर रहे। अपनी पार्टी में परिवार फर्स्ट नीति अपनाने वाले कभी आरक्षण के हितैषी नहीं हो सकते। राजद में सभी महत्वपूर्ण पदों पर केवल लालू परिवार का कब्जा है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सामाजिक न्याय की आड़ में राजद ने अब तक परिवारवाद को बढ़ावा दिया।

लोजपा एससी-एसटी में सब कैटेगरी की पक्षधर नहीं : चिराग

पटना, एजेंसी। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि एससी-एसटी श्रेणियों को सब-कैटेगरी में रिजर्वेशन वाले मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का लोजपा पक्षधर नहीं है. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये फैसले के बाद अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी के संस्थापक रामविलास पासवान भी इस बात की मांग करते आये कि जब तक समाज में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के खिलाफ छुआछूत जैसी प्रथा है, तब तक एससी-एसटी श्रेणियों को सब-कैटेगरी में आरक्षण और क्रीमीलेयर जैसे प्रावधान न हों. लोजपा सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह करती है कि फैसले का पुनर्विचार किया जाये.

8.76 लाख सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का टारगेट 31 मार्च 2025 तक निर्धारित किया संवाददाता,पटना मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने शुक्रवार को पंचायती राज विभाग की दो महत्वपूर्ण योजना की समीक्षा सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की. उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को 4127 पंचायत सरकार भवनों का समय पर निर्माण करा लेने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 4165 पंचायत सरकार भवनों का निर्माण किया जाना है. इसमें अब तक 4056 पंचायतों में चयनित भूमि का सीमांकन किया जा चुका है. स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन द्वारा 1971 और भवन निर्माण विभाग द्वारा 2156 अर्थात कुल 4127 पंचायत सरकार भवनों का टेंडर प्रकाशित किया जा चुका है.मुख्य सचिव ने कहा कि पंचायत स्तर पर राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी विभागों की योजनाओं को एक छत के नीचे लाने की कल्पना के तहत सभी ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से पंचायत सरकार भवन बनाने का निर्णय लिया गया. सभी भवनों में एक बहुउद्देशीय हॉल के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रें में इसके प्रथम तल पर बाढ़ राहत केंद्र का निर्माण भी किया जा रहा है. समीक्षा में पाया गया कि राज्य की कुल 8053 पंचायतों में से 1465 पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण किया जा चुका है. इसके अलावा मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री सात निश्चय कार्यक्रमङ्क2 के तहत सार्वजनिक उपयोग के लिए सभी ग्राम पंचायतों के प्रत्येक वार्ड में चरणबद्ध रूप से 10ङ्क10 एवं प्रत्येक ग्राम पंचायत में 10 अतिरिक्त सोलर स्ट्रीट लाइट लगाया जाना है. सोलर स्ट्रीट लाइट योजना की समीक्षा में पाया गया कि अब तक 2,16,000 सोलर लाइट राज्य की सभी पंचायतों में लगायी गयी है. पिछले महीने 38,000 सोलर लाइट लगायी गयी. उन्होंने सभी डीएम को सोलर लाइट लगाने में प्रगति लाते हुए निर्धारित वार्षिक लक्ष्य के अनुरूप 8,76,210 लाइट की स्थापना 31 मार्च, 2025 तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया.

संक्षिप्त समाचार

सांसद आदर्श ग्रामों का होगा बेसलाइन सर्वे

पटना, एजेंसी। पटना सांसद आदर्श ग्राम में वर्ष 2014 से लेकर 2024 तक में चयनित 67 फीसदी योजनाओं का कार्य अभी अपूर्ण है. लगभग 50 फीसदी योजनाएं अभी शुरू ही नहीं हो सकी हैं. इस मामले को प्रभात खबर ने 29 जुलाई के अंक में सांसद आदर्श ग्राम~ 10 साल बीत गये, बाकी है 67 फीसदी काम शीर्षक से प्रमुखता से उठाया था. ग्रामीण विकास विभाग ने इस पर संज्ञान लिया है. विभाग ने सांसद आदर्श ग्राम के तहत चयनित पंचायतों के चार्ज अफसरों का ब्योरा तलब किया है. चार्ज अफसरों के ब्योरे को वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश दिया है. चयनित ग्राम पंचायतों में बेसलाइन सर्वे करने का आदेश दिया है. बेसइलाइन सर्वे और परियोजनाओं की प्रगति को वेबसाइट पर अपलोड करने का आदेश दिया गया है. चयनित ग्राम पंचायतों के विकास के लिए 50 हजार की राशि जिलों को भेजी गयी थी. खर्च की गयी राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र विभाग ने मांगा है. सभी जिलों को इसकी सूची भेजी गयी है. वहीं,क्रियान्वयन में बाधा बन रहीं योजनाओं में बदलाव, योजनाओं को डिलिट करने का भी कार्य किया जा सकेगा. सांसदों की ओर से चयनित पंचायतों में बदलाव भी किया जा सकेगा.

रेल सुविधाओं व इंजीनियरिंग कलस्टर के बारे में उठे सवाल

पटना, एजेंसी। केंद्रीय उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि बिहार में अब तक कोई इंजीनियरिंग क्लस्टर परियोजना नहीं है. जबकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश के नागरिकों को बेहतर यात्री और माल यातायात सेवाओं का लाभ मिले, इसके लिए राष्ट्रीय रेल योजना 2030 तैयार की गयी है. यात्रियों को रेलयात्रा के दौरान अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी. दोनों मंत्री राज्यसभा सदस्य डॉ भीम सिंह के अलग-अलग सवालों का जवाब दे रहे थे. रेल मंत्री श्री वैष्णव ने बताया कि मार्च 2024 तक पूर्व मध्य रेलवे में 73,555 करोड़ रुपये की लागत से कुल 4230 किलोमीटर लंबाई की कुल 53 रेल परियोजनाएं अनुमोदन और निर्माण की प्रक्रिया में हैं. इसमें 24 नयी लाइन, एक आमान परिवर्तन और 28 दोहरीकरण शामिल हैं. इनमें 934 किलोमीटर लंबाई का काम पूरा हो गया है. जितिन प्रसाद ने कहा कि महाराष्ट्र, पंजाब समेत कुछ राज्यों में इंजीनियरिंग क्लस्टर परियोजनाएं चल रही हैं, लेकिन बिहार में ऐसी कोई परियोजना स्थापित नहीं की गयी है.

बिजली के खंभे में कार ने मारी टक्कर, गुल रही बिजली

दुल्हिनबाजार, एजेंसी। शुक्रवार को लाला भदसारा गांव के पास पाली पटना मुख्य सड़क किनारे खड़े बिजली के खंभे में एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिससे खंभा क्षतिग्रस्त हो गया और दिन भर करीब आठ घंटे तक इलाके में बिजली गुल रही, वहीं कार सवार बाल-बाल बच गया. जानकारी के अनुसार, पाली-पटना मुख्य सड़क से होकर एक कार शुक्रवार को गुजर रही थी. जैसे ही कार लाला भदसारा गांव के पास पहुंची कि असंतुलित हो सड़क किनारे खड़ी बिजली की डीपी में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे डीपी के दोनों खंभे टूट गये. हादसे के बाद सड़क पर भीड़ जुट गयी व जाम की स्थिति बन गयी. हादसे के बाद इलाके में पूरे दिन बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी, जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई. तार व डीपी की मरम्मत के बाद शाम तक बिजली आपूर्ति सुचारू हो पायी.

ट्रैक्टर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, हुई मौत

खुसरूपुर, एजेंसी। शुक्रवार को फतुहा बख्तियारपुर पुरानी एनएच सड़क मार्ग पर खिरोधरपुर के पास एक अनियंत्रित ट्रेक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी. इससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गयी. मृतक की पहचान पटना गौरीचक दरियापुर के उस्मा गांव निवासी देवेंद्र प्रसाद यादव के सुपुत्र सत्यप्रकाश उर्फ़ छोटू (27 वर्ष) के रूप में की गयी है. घटना से आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए सड़क जाम कर दिया जिससे यातायात बाधित हो गयी. पुलिस ने गुस्साये लोगों को किसी तरह समझा-बुझा कर सड़क जाम हटाया.

मृतक के भाई ने बताया कि सत्यप्रकाश खुसरूपुर पोस्टऑफिस में एक निजी कर्मी के रूप में कार्य करता था. उसकी शादी आठ माह पूर्व हुई थी. वह फतुहा के कल्याण बिगहा में किराये के मकान में रहता था और बाइक से रोज सड़क मार्ग से खुसरूपुर पोस्ट ऑफिस अपने दैनिक कार्य पर जाता था.

हर वार्ड में 25-25 लाख रुपये से होगा तीन-तीन काम, जल्द जारी होगा वर्क ऑर्डर

पटना, एजेंसी। वार्ड पार्षदों की शिकायतों को दूर करने के लिए निगम प्रशासन 25-25 लाख रुपये तक का तीन-तीन काम हर वार्ड करायेगा. पार्षदों से लिए गए एजेंडे पर निगम ने टेंडर फाइनल कर लिया है. एजेंसी भी चयनित कर ली गयी है.वर्क ऑर्डर जारी करना बाकी है. अगले माह वर्क ऑर्डर जारी होने के साथ ही हर वार्ड में काम शुरू हो जायेगा.

कुछ दिन पहले नगर आयुक्त नितिन कुमार सिंह ने पार्षदों से वार्ड की सुविधाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण तीन-तीन योजनाओं की सूची मांगी थी. पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड की सफाई, नाला उड़ाही, जलापूर्ति समेत अन्य समस्या नगर आयुक्त को बताया था. वार्ड 29 की सिंपी देवी, वार्ड 32 की पार्षद मीरा राय, वार्ड 34 से बीबी बलिमा, वार्ड 35 से उमेश मंडल, 36 से अमित कुमार ट्विंकल आदि ने भी अपनी समस्या नगर आयुक्त के समक्ष रखी थी. इसके मद्देनजर योजना शाखा की ओर से वार्ड पार्षदों से तीन-तीन महत्वपूर्ण कार्यों की सूची 25 मई तक मांगी गयी थी. इसके बाद एस्टिमेट तैयार किया गया और टेंडर की प्रक्रिया अपनायी गयी, जो फाइनल हो गया है.

निगम के पुराने भवन को तोड़कर नया भवन बनाया जायेगा. इसकी तैयारी फिर से निगम ने शुरू कर दी है. नये भवन की डीपीआर तैयार कराने के लिए टेंडर किया है. डीपीआर कंसल्टेंट एजेंसी के लिए जारी निविदा का टेक्निकल बिड 24 जुलाई तक खोला जायेगा. इसमें जितने कंसल्टेंट एजेंसी टेंडर भरेंगे, उन सभी के कागजातों की जांच होगी. यानी, टेक्निकल बिड में सफल कंसल्टेंट एजेंसियों का फाइनेंसियल बिड खोला जायेगा और चयनित की जायेगी.भवन निर्माण पर 30 करोड़ से 50 करोड़ तक खर्च होने का अनुमान है.

बिहार में सप्ताह भर होगी जोरदार बारिश, इन जिलों के लिए विशेष अलर्ट जारी

पटना, एजेंसी। बिहार में बारिश का दौर शुरू हो चुका है. पश्चिमी बंगाल के गंगा क्षेत्र एवं उससे सटे झारखंड के ऊपर कम दबाव का केंद्र बना हुआ है. इसकी वजह से बिहार में भी मानसून की सक्रियता को और ताकत मिलेगी. ऐसे में पूरे बिहार में एक सप्ताह तक मानसून के सक्रिय रहने की प्रबल संभावना है. पूरे राज्य में लगातार बारिश होने के प्रबल आसार हैं.

विशेषकर अगले दो दिनों तक राज्य के दक्षिणी भाग तथा इससे सटे जिलों में एक दो स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की आशंका है. इस दौरान राज्य में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से झौंकेदार हवा के भी चलने के आसार हैं. कुछ जिलों में वज्रपात होने की भी संभावना है. आइएमडी ने इन सभी मौसमी दशाओं से सतर्क रहने की सलाह दी है.

आइएमडी ने यूं तो पूरे राज्य में औरेंज और यलो श्रेणी की चेतावनी है,लेकिन खासतौर पर बेगूसराय, मुंगेर और बांका जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. यहां अत्यंत भारी बारिश की चेतावनी दी गयी है. अति भारी बारिश की चेतावनी समस्तीपुर, खगड़िया,भागलपुर, जमुई और लखीसराय के लिए भी दी गयी है. शेष जिलों में सामान्य से भारी बारिश के आसार हैं.

आइएमडी के अनुसार कोसी,महानंदा ,पुनपुन और सोन सहित दक्षिण बिहार की नदियों में जल स्तर बढ़ने के आसार हैं. इससे जल जमाव ,यातायात सेवा और बिजली सेवा बाधित होने की

आशंका है. इधर शुक्रवार को राज्य भर में झोंके के साथ हवा बहने से गर्मी से लोगों को राहत मिली है.

राज्य में अब तक सामान्य से 34 प्रतिशत कम 346.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गयी है. पिछले 24 घंटे में राज्य में शेखपुरा,नवादा, नालंदा, औरंगाबाद, भभुआ, पटना, भोजपुर, बांका, गया, सारण , मुंगेर और जमुई आदि जिलों के कुछ भागों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गयी है.

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन ने भारी बारिश की संभावना को देखते हुए सभी डीएम को निर्देश दिया है कि अपने-अपने जिलों में अलर्ट मोड में रहे.लोगों को अलर्ट करते हुए मौसम खराब होने पर घरों में रहने की अपील करें. विभाग ने ठनका गिरने से हो रही मौत को देखते हुए टॉल फ्री नंबर, आपातकालीन नंबर जारी किया है. विभाग ने लोगों से अपील किया है कि वह किसी भी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 0612-2294204, 205 और टॉल फ्री नंबर 1070 पर डायल कर सकते है. खेतों में काम करन वाले लोग खुद को सुरक्षित रखें और अलर्ट को देखते हुए खेतों में मौसम खराब होने पर नहीं जाये.

मधेपुरा के स्कूल में मध्याह्न भोजन में मिला कीड़ा, परिजनों ने जमकर किया हंगामा : हेडमास्टर पर लगाए आरोप

नयानगर (मधेपुरा), एजेंसी। उदाकिशनगंज प्रखंड के नयानगर पंचायत स्थित सिंगारपुर बैरागी टोला उत्क्रमित मध्य विद्यालय में एमडीएम में कीड़ा मिलने का मामला सामने आया है। मामला शुक्रवार की है, जहां मेन्यू के अनुसार, विद्यालय में बच्चों को खाना खाने के लिए दिया गया था। इसमें खाने के दौरान छात्र-छात्राओं की थाली में खाना खाने की बीच चावल में कीड़ा मिला।

इसके बाद स्कूली बच्चों ने अपने अपने अभिभावक को भी जब इस बात की जानकारी दी। इस पर विद्यालय परिसर में ही अभिभावकों ने हंगामा किया। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय में प्रधानाध्यापक मनमानी करते हैं। विद्यालय में अराजकता की स्थिति है।

विद्यालय के शिक्षा सचिव के अध्यक्ष सीता देवी सचिव संगीता कुमारी ने बताया कि विद्यालय में शिक्षा समिति की बैठक नियमित रूप से नहीं होती है। हमलोगों को कोई पता ही नहीं चलता है कि स्कूल में क्या-क्या होता है।विद्यालय के प्रधानाध्यापक हस्ताक्षर कराने के लिए रजिस्टर घर पर भेज देते हैं।

मालूम हो कि गत कुछ दिन पहले भी प्रधानाध्यापक बिना किसी सूचना के विद्यालय से अनुपस्थित थे। वहीं विद्यालय परिसर में कचरा फैला हुआ था। वहीं, ग्रामीण विनोद मंडल, कैलाश मंडल,लटूरन मंडल व अन्य ग्रामीण ने इस इस कीड़ा मिलने की जांच वरीय से मांग की है, क्योंकि इस विद्यालय में बारबार एमडीएम में कीड़ा मिलने की सूचना मिल रही है।

वहीं विद्यालय के एचएम सुनील कुमार सुमन ने कहा कि एमडीएम में कीड़ा नहीं मिली है। ग्रामीण वैसे ही आरोप लगा रहे हैं। वहीं कुछ अभिभावकों का कहना था कि रसोइया द्वारा चावल को सही ढंग से साफ सफाई नहीं किए जाने से ऐसी विकट स्थिति पैदा होती है।

बाबाधाम के रास्ते पर चलते-चलते गिर रहे कांवड़िए, प्रशासन की बढ़ी चुनौती

पटना, एजेंसी। श्रावणी मेला में प्रशासन द्वारा किए गए दावे की पोल शुक्रवार को हुई झमाझम बारिश में खुल गई. कांवरिया पथ में बारिश से बालू का बहाव हो गया और जगह-जगह फिसलन की स्थिति उत्पन्न हो गई. जिससे कई कांवरिया गिरकर चोटिल भी हो गये. जबकि कांवरिया मार्ग में दो सेंटीमीटर मोटाई के साथ बालू का बिछाव करना था. लेकिन अभिकर्ता द्वारा सही ढंग से बालू का बिछाव नहीं किया गया.

बारिश होने के बाद पूरे मार्ग में बालू कहीं नजर नहीं आ रहा है और सिर्फ मिट्टी ही नजर आ रही है. जिससे कांवरिया पथ कीचड़ में तब्दील हो गया. खासकर गोगाचक धर्मशाला एवं छत्रहार मोड़ के पास गोगाचक मुहल्ले के पास कीचड़ के कारण इतनी फिसलन हो गई है कि पैदल चलने वाले कांवरिया गिरकर चोटिल हो रहे हैं. इसके अलावा धोबई मोड़ के पास भी कीचड़ इतनी अधिक है कि दर्जनों कांवरिया गिरकर चोटिल हो गये.

हद तो यह है कि कांवरिया का पूरा पैर कीचड़ में सन जा रहा था. कांवरिया के गिरने की खबर जब प्रशासन को लगी तो प्रशासन हरकत में आयी और जहां फिसलन थी वहां पुलिस जवानों को लगाया गया. लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी रही. स्थानीय दुकानदार एवं कांवरिया ने फिसलन वाली जगह पर पेड़ की टहनी को रख दिया. जिससे कांवरियों को राहत मिली. धनबाद के संजय राय जो सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर देवघर जा रहे थे, उसने गोगाचक के पास इस स्थिति को देखकर घंटों बैठे रहे और कांवरियों की मदद करते रहे. उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा और जो व्यवस्था की गई है वह किसी ढंग से ठीक-ठाक है. लेकिन मार्ग में बालू का विछाव सही तरीके से नहीं किया गया है. जिसके कारण यह दुर्दशा बनी है. दर्जनों तीर्थ यात्री महिला, पुरुष, बच्चे, बूढ़े इस कीचड़ में गिरकर चोटिल हो रहे हैं. उन्हें एक दूसरे कांवरिया सहयोग कर उठाते हैं. लेकिन शुक्रवार को अनवरत कांवरियों की भीड़ के कारण लोगों को अंदाजा नहीं रहता है कि किस जगह फिसलन है. यही कारण है कि कांवरिया गिरकर चोटिल हो रहे हैं. किसी के कमर में ज्यादा चोट है तो किसी के पैर में चोट लगी है.

बेऊर जेल में बंद अपराधी ने पूर्णिया तनिष्क शोरूम लूटने वालों का बनवाया था फर्जी आधार कार्ड, हुए कई खुलासे

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के तनिष्क शोरूम से 3.70 करोड़ के ज्वेलरी लूटकांड को अंजाम देने से पहले फर्जी आधार कार्ड बनवाने का ठेका बेऊर जेल में बंद शिवम ने नवनीत सिंह को दिया था. इसके बाद लूट की घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों का पटना में फर्जी आधार कार्ड बनवाया गया था. इसी आधार कार्ड पर इन लोगों ने पश्चिम बंगाल से मोबाइल फोन व सिम कार्ड लिया था.

इस घटना को कुख्यात प्रशांत गौरव, चुनमुन झा सहित चार अपराधियों ने अंजाम दिया था. इन चारों के लिए फर्जी आधार कार्ड गोपालगंज निवासी आदित्य सिंह, गया निवासी साहिल सिंह, लखनऊ निवासी अंकित मिश्रा और डेहरी ओन सेन निवासी रौशन दुबे के नाम से बनाया गया था. इस आधार कार्ड को शिवपुरी स्थित लगन स्टूडियो के संचालक व दीघा के मिथिला कॉलोनी निवासी आयुष कुमार वर्मा ने बनाया था और अपराधियों से मोटी रकम ली थी.

बताया जाता है कि श्रीकृष्णापुरी थाने में दर्ज एक मामले में छह माह पहले बिट्टु सिंह और प्रशांत गौरव को भागलपुर जेल से रिमांड पर बेऊर जेल में लाया गया था. यहां उसकी मुलाकात सोना लूटेरा सुबोध सिंह से हुई थी. सुबोध सिंह ने इस काम को कराने की जिम्मेदारी शिवम सिंह को दी. इसी बीच सुबोध सिंह को

पश्चिम बंगाल अपने साथ ले गयी और बैरकपुर जेल में बंद कर दिया. शिवम सिंह ने आगे की योजना तैयार की और हाथीदह निवासी नवनीत सिंह और सुजीत उर्फ नत्था को अपराधियों के फर्जी आधार कार्ड तैयार करने को कहा. इस पर नवनीत ने आयुष से संपर्क किया और उसने चारों का फर्जी आधार कार्ड बना कर दे दिया.

शिवम कुख्यात अपराधी है और सात साल से बेऊर जेल में बंद है. पुलिस को जब फर्जी आधार कार्ड मिला तो जांच शुरू की और आयुष और नवनीत को गिरफ्तार किया गया. इसके बाद आयुष के लगन स्टूडियो से एक दर्जन से अधिक हार्ड डिस्क, मोबाइल और सिमकार्ड आदि बरामद किया गया. बेऊर जेल में सुबोध सिंह, चंदन प्रिंस, प्रशांत गौरव, बिट्टु सिंह ने मिलकर तनिष्क शोरूम में लूट की साजिश रची.

चंदन प्रिंस बीटेक पासआउट है. इधर, नवनीत और आयुष से पूछताछ करने के बाद शुक्रवार को जेल भेज दिया गया है. फर्जी आधार कार्ड और अपराधियों से संबंध होने को लेकर शास्त्रीनगर थाना में मामले में आयुष कुमार, नवनीत कुमार, शिवम कुमार और सुजीत उर्फ नत्था पर केस दर्ज किया गया है.

विचार-मंथन

संपादकीय

यकीनन गर्व के क्षण

एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों के लिए ये यकीनन गर्व के क्षण हैं, जो मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने मुहैया कराए हैं। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्द्धा का कांस्य पदक कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड को समेटे हुए है। 28 जुलाई को 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग श्रेणी में कांस्य जीतकर मनु पहले ही निशानेबाजी में देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन चुकी हैं और अब इस नई कामयाबी के साथ एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने का राष्ट्रीय गौरव भी उनके हिस्से आ गया है। निशानेबाजी के मिश्रित वर्ग में भी ओलंपिक पदक जीतने वाली यह पहली भारतीय जोड़ी है। निस्संदेह, इन तमगों के पीछे मनु और सरबजोत जैसे खिलाड़ियों के जुनून, समर्पण और अनथक परिश्रम का सर्वाधिक योगदान है, मगर एक बड़ी भूमिका खेलों को लेकर बदले सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य की भी है। देश की आर्थिक समृद्धि ने सरकारों को जहां इस क्षेत्र में अधिक निवेश की सहूलियत दी, वहीं समाज ने भी खेल-कूद से जुड़े अपने पुराने जुमलों को बदला है। परिणाम सामने है। आज हम दहाई अंक में ओलंपिक पदकों की उम्मीद बांध रहे हैं, तो मनु भाकर का शानदार आगाज इस अपेक्षा को मजबूत आधार दे रहा है। देश में किसी भी क्षेत्र में प्रतिभाओं की कभी कोई कमी नहीं रही, सीमाएं संसाधन और समाज के स्तर पर थीं। मगर 1983 में क्रिकेट विश्व-कप की जीत ने देश की मनोदशा पर जादुई असर डाला। उस जीत ने देशवासियों के बीच विजेता खिलाड़ियों की निजी पहचान ही स्थापित नहीं की थी, बल्कि उन्हें मिले अभूतपूर्व सम्मान ने देश के कोने-कोने से हजारों प्रतिभाओं को प्रेरित किया कि खेलों के जरिये वे भी प्रतिष्ठा कमा सकते हैं। फिर जब बाजार खिलाड़ियों को आर्थिक संबल देने आगे बढ़ा, तो पेशेवर करियर के रूप में क्रिकेट को अपनाने की सोच मजबूत हुई और आज यह खेल सैकड़ों नौजवानों का भविष्य संवार रहा है, बल्कि अब तो बड़ी तादाद में बेटियां भी इसमें भविष्य देखने लगी हैं। हम क्रिकेट में आज पहली कतार में इसलिए हैं कि इसने अपने लिए एक पेशेवर तंत्र खड़ा कर लिया है, जो खिलाड़ियों की कमी नहीं पड़ने देता। उनके हितों की निगहबानी करता है। यही दृष्टिकोण एथलेटिक्स में चाहिए।यह सुखद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत दिलचस्पी ने खेल-कूद के प्रति सार्वजनिक प्रयासों को एक नई ऊर्जा दी है।

बेहतर आपसी तालमेल

जापान की राजधानी तोक्यो में हुई क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक को इस मायने में अहम कहा जा सकता है कि सदस्य देशों के बीच अलग-अलग वजहों से कुछ दूरी आने की आशंकाएं निराधार साबित हुईं। बैठक में हुई चर्चा, इस दौरान हुई द्विपक्षीय बैठकें और आखिर में जारी साझा बयान- सबसे यह स्पष्ट संदेश गया कि सदस्य देशों के बीच न केवल आपसी तालमेल कायम है, बल्कि साझा लक्ष्यों और उनकी ओर बढ़ने के तरीकों को लेकर भी किसी तरह का संशय या उलझन नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले दिनों हुई रूस यात्रा के बाद यह इन देशों के विदेश मंत्रियों की पहली बैठक थी। उनकी रूस यात्रा को लेकर पश्चिमी हलकों में कुछ बेचैनी देखी गई थी। न केवल यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस पर अपनी नाखुशी जाहिर की थी, बल्कि अमेरिका की ओर से भी सार्वजनिक बयानों के जरिए यह संकेत दिया गया था कि इस यात्रा को लेकर वह सहज नहीं है। यही नहीं खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश से जुड़े मसले को अंतरराष्ट्रीय मीडिया में जिस तरह उछाला गया, उससे भी इन अटकलों को बल मिला कि अमेरिका और भारत के रिश्तों में पहले जैसी समझ शायद नहीं है। ऐसे में स्वाभाविक ही कुछ हलकों में ऐसी धारणा बनाई जाने लगी थी कि क्वाड देशों की बैठक में किसी न किसी रूप में दरार झलकेगी। लेकिन विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने पहले ही संबोधन में स्पष्ट कर दिया कि क्वाड की जरूरत और उसकी अहमियत को कोई दो राय हो ही नहीं सकती। अन्य देशों के भी स्वर ऐसी ही स्पष्टता लिए हुए थे। पूर्व और दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामकता के कारण उत्पन्न हो रही स्थितियों से निपटने की जरूरत और उसके तरीकों को लेकर किसी भी तरह का असमंजस या दुविधा नहीं दिखाई दी। यही नहीं, यूक्रेन युद्ध के मसले पर सभी देशों के सुर में सुर मिलाते हुए भारत ने एक कदम आगे बढ़ने में भी कोई हिचक नहीं दिखाई। गौर करने की बात है कि साझा बयान में यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में दिया गया संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान का हवाला इस मायने में भी अहम है कि यूक्रेन युद्ध पर जारी भारत के राष्ट्रीय बयान में इसका जिक्र नहीं है।

दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसा- सवाल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के मौलिक अधिकार का है!

यह इस बात का भी परिचायक है कि हम भारतीयों के लिए पुस्तकालय का कितना महत्व है? किताबें हमारे घरों अथवा इमारतों में कहां जगह पाती हैं? इस हादसे के बाद सोया प्रशासन और बेपरवाह सरकार भी जागी है। देरी से जागने वालों में वो अफसर भी हैं।

(अजय बोकिल)

भारत में शिक्षा कोचिंग के दुष्चक्र में फंसे छात्र छात्राओं द्वारा हर साल आत्महत्याओं की बात नई नहीं है, लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में एक नामी कोचिंग सेंटर की इमारत के बेसमेंट में पानी भरने से तीन भावी आईएएस बनने के इच्छुकों का बेमौत मारा जाना दरअसल तीनों की समूचे असंवेदनशील तंत्र द्वारा की गई हत्या है। इस घटना ने पहली बार यह मुद्दा शिद्दत से उठाया है कि आखिर छात्रों के भी मौलिक अधिकार हैं और उनकी हर हाल में रक्षा की जानी चाहिए। दरअसल, मानवीय गरिमा से रहित माहौल में रहकर किसी परीक्षा को पास कर लेना भी अपने आप में नैतिक अपराध है। ऐसी ही एक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र अविनाश दुबे ने देश के सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर गुहार की है कि वो छात्रों के मौलिक अधिकारों को संरक्षित करें। यह अधिकार स्वस्थ वातावरण में जीते हुए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का है। हालांकि, देश में छात्रों के कुछ मौलिक अधिकार तो पहले से हैं। ये है शिक्षा का अधिकार, समान व भेदभाव रहित अवसरों का अधिकार, सूचना व निर्भीक अभिव्यक्ति का अधिकार। लेकिन शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इन अधिकारों में स्वस्थ और तनाव रहित वातावरण में अध्ययन का अधिकार भी शामिल हो गया है। यह मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि गिने- चुने कोचिंग संस्थानों को छोड़ दें तो अधिकांश में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लाखों छात्र किन हालात में जी रहे हैं, किस तरह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें बुनियादी सुविधाएं भी ठीक से मुहैया हैं या नहीं, इन पर शायद ही किसी का ध्यान जाता हो। खुद छात्रों और उनके अभिभावकों का ध्यान भी ज्यादातर इसी बात पर रहता है कि बच्चे का किसी तरह अच्छी नौकरी अथवा शिक्षा संस्थान में सिलेक्शन हो जाए बाकी बातें गौण हैं। कुछ दिनों की तकलीफ है। अंत भला तो सब भला। वो इस बात को भी दरकिनार कर देतें हैं कि कोचिंग संस्थान मोटी फीस लेने के बदले कैसी सेवाएं दे रहे हैं। ये कोचिंग संस्थान केन्द्र सरकार की उस गाइड लाइन का पालन कर भी रहे हैं या नहीं, जो ऐसे कोचिंग संस्थानों में आधारभूत सुविधाएं तथा सेवाएं देने के लिए बनाई गई हैं। हालांकि इसमें वो मानसिक दबाव शामिल नहीं है, जिसके कारण हर साल कई बच्चे बीच कोचिंग में ही आत्महत्या कर न केवल खुद की जीवन लीला समाप्त कर लेते हैं बल्कि उन मां बाप को भी जीवन भर का जख्म दे जाते हैं, जो किसी तरह पेट काटकर अपने लाडले या लाडली को कुछ बनाने के लिए मुंह मांगा पैसा खर्च करते हैं। शिक्षा और कोचिंग सेंटर्स का कारोबार प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग का कारोबार और इसके पीछे का मनोविज्ञान भारत में अब एक विशाल उद्योग और कारोबार का रूप ले चुका है। कोचिंग भी मुख्यत- दो तरह की होती है। पहली नौकरियों की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तो दूसरी श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए। ये सिलसिला शिक्षण संस्थान में प्रवेश से लेकर अच्छी नौकरी पाने तक जारी रह सकता है। देश में आज 68 हजार 118 रजिस्टर्ड कोचिंग संस्थान चल रहे हैं और इनमें हर साल करीब 3 लाख छात्र कोचिंग लेते हैं। अनरजिस्टर्ड कितने हैं, इसकी जानकारी नहीं है। राजस्थान का कोटा शहर सबसे बड़ा कोचिंग हब है, जहां 146 कोचिंग सेंटर हैं। कोचिंग संस्थान छात्रों को परीक्षा पास कराने के लिए अपने यहां अच्छे ट्यूटर, पेपर सॉल्व करने की तकनीक, विषयवार अध्यापन, मॉक इंटरव्यू आदि आयोजित करने का दावा करते हैं। ये तस्वीर पेंट की जाती है कि उनके यहां एडमिशन लेने पर जन्नत का द्वार खुल जाएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं के नतीजे आने के तत्काल बाद अखबारों में कोचिंग संस्थानों के बड़े-बड़े विज्ञापन छपते हैं, जिसमें सफल छात्रों की तस्वीरें और रैंक छापकर नए क्लायंट्स को आकर्षिक किया जाता है। ये कोचिंग में ऑन लाइन और ऑफलाइन दोनों होती हैं। ऑफ लाइन विद्यार्थियों के रहने के लिए होस्टल, मेस तथा लायब्रेरी सुविधा होने का भी दावा किया जाता है। लेकिन हकीकत में ये सुविधाएं कहां और कितनी गुणवत्तापूर्ण होती हैं, यह बड़ा सवाल है। कई जानकारों का मानना है कि अगर स्कूल कॉलेजों में अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाए तो कोचिंग संस्थानों की अमरबेल पनप ही नहीं सकती। लेकिन वो एक अलग कहानी है। एक अनुमान के अनुसार आज भारत में कोचिंग उद्योग आज 58 हजार करोड़ रू. का है, जो 15 फीसदी सालाना की दर से बढ़ रहा है। अगले चार सालों में इसके 1.33 लाख करोड़ रु. का हो जाने की संभावना है। कारण वही कि ज्यादा से ज्यादा लोग सरकारी नौकरी और बेहतर शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेना चाहते हैं, क्योंकि यही सुरक्षित भविष्य की गारंटी है। हालांकि इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि कोचिंग उद्योग करीब 10 लाख लोगों को रोजगार भी दे रहा है। इन सबके बावजूद दिल्ली की घटना शायद अपने आप में पहली ऐसी हिला देने वाली घटना है, जिसमें जिसमें एक किताबघर ही मौत के घर में तब्दील हो गया हो। इस भयंकर हादसे में जान गंवाने वाले तीनो विद्यार्थी श्रेया यादव, तान्या सोनी और नेविन डेल्विन अपने- अपने राज्यों से दिल्ली इस उम्मीद में आए थे कि वो कोचिंग लेकर यूपीएससी की कठिन परीक्षा पास कर आईएएस बनेंगे। लेकिन सिस्टम की लापरवाही ने उनके सपनो पर पहले ही गंदा पानी फेर दिया। आश्चर्य की बात तो यह है कि दिल्ली के राजेन्द्र नगर में जिस प्रतिष्ठित राउज आईएएस कोचिंग सेंटर में यह सब हुआ, उसे देश का पहला कोचिंग सेंटर माना जाता है। इसकी स्थापना 1953 डॉ. एस राव ने राजनीति विज्ञान की कोचिंग के रूप में कनाट प्लेस में की थी। बाद में यहां यूपीएससी परीक्षा की तैयारियों की कोचिंग भी शुरू हुई। अब इस कोचिंग संस्थान के मालिक अभिषेक गुप्ता हैं। संस्थान का ध्येय वाक्य है 'शिक्षा कभी बेकार नहीं जाती। 'इस संस्थान का दावा है कि 2024 में यूपीएससी में सफल छात्रों में से 281 छात्र राउज स्टडी सर्कल के हैं। शायद यही कारण है कि बच्चे इस संस्थान की बेसमेंट में बनी असुरक्षित लायब्रेरी में भी बैठकर पढ़ने में मशगूल थे और जब अचानक नाले का पानी वहां भरने लगा तो बच कर बाहर भी नहीं निकल सके। क्योंकि बिजली नहीं होने से बाहर निकलने का गेट भी जाम हो गया था। यहां सवाल यह भी है कि बेसमेंट जहां अमूमन पार्किंग, स्टोर आदि होता है।

नगरों का प्रबंधन न हो जाए जानलेवा

(के के पाण्डेय, प्रोफेसर, शहरी प्रबंधन, आईआईपीए)

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक के बाद एक हो रहे हादसे शहरी नियोजन की गंभीर कमियों की ओर इशारा कर रहे हैं। राजेंद्र नगर की घटना में, जिस पुस्तकालय में अचानक पानी भर जाने से तीन छात्र-छात्राओं की डूबकर मौत हो गई, उसे बेसमेंट में चलाने की अनुमति ही नहीं थी। इसी तरह, बीती 22 जुलाई को मध्य दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी कर रहे एक नौजवान की इसलिए मौत हो गई, क्योंकि उसने जल भरे रास्ते से बचने के लिए एक लोहे के गेट को पकड़ लिया था, जिसमें खुले तारों की वजह से करंट दौड़ रहा था। पिछले साल मुखर्जी नगर में एक कोचिंग संस्थान में लगी आग में 60 से अधिक बच्चे घायल हो गए थे, जबकि जहां उनको पढ़ाया जा रहा था, वह स्थान छात्रों की संख्या के हिसाब से काफी छोटा था। साफ है, प्रशासनिक चूक बच्चों के जीवन पर भारी पड़ती दिखी है। इस चूक का खामियाजा महज पीड़ित परिवार नहीं भुगतते, बल्कि राष्ट्र को भी इसकी कीमत चुकानी पड़ती है, क्योंकि किसी भी देश के लिए मानव संसाधन बेशकीमती होता है। बहरहाल, ऐसे मसलों पर किसी सियासी आरोप-प्रत्यारोप में उलझे बिना हमें यही सुनिश्चित करना है कि इसका उचित समाधान हो। यह तय करना ही होगा कि कोई भी अव्यवस्था किसी की जान पर भारी न पड़े। इसके लिए हमें 'अर्बन रिन्यूअल पॉलिसी', यानी शहरों के नवीनीकरण की नीति बनानी होगी। वास्तव में, आज भीड़भाड़ वाले अनेक क्षेत्र शहरों के मध्य में आ गए हैं, जबकि वहां का बुनियादी ढांचा आज की जरूरत के हिसाब से नहीं है। वहां नियम-कायदों के पालन में भी काफी दिक्कतें पेश आती हैं। लिहाजा, वहां या तो पूरी तरह रद्दोबदल करते हुए नया ढांचा विकसित किया जाए, अन्यथा जरूरत के हिसाब से मौजूदा ढांचे में ही अपेक्षित सुधार किए जाने चाहिए। ऐसे क्षेत्रों को तकनीकी शब्दावली में 'कोर सिटी एरिया' कहते हैं। इनकी आर्थिक क्षमता काफी अधिक होती है, लेकिन अनियोजित विकास और पुराने बुनियादी ढांचे की वजह से इनकी आबादी की सघनता, क्षमता और जरूरी बुनियादी सुविधाओं में कोई मेल नहीं बैठ पाता। दिल्ली सरकार ने ही पिछले दिनों एक अध्ययन के हवाले से बताया था कि राजधानी में ड्रेनेज सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए काफी निवेश की जरूरत है। देखा जाए, तो बारापुला, नजफगढ़ और यमुना पार के इलाके को तीन अलग-अलग भागों में बांटकर जल-निकासी की व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। अभी इन तीनों इलाकों की जल-निकासी व्यवस्थाओं में कोई सामंजस्य नहीं है। यहां प्राकृतिक जल-निकासी से आंखें मूंद ली गई हैं। सवाल उठाए जाते हैं कि इस तरह के व्यवस्थागत बदलाव के लिए पैसे कहां से आएंगे? वास्तव में, हमारे पास पैसों की उस तरह कमी नहीं है, जितनी बताई जाती है। जिस तरह से सरकारें मुफ्त की रेवड़ियां बांटती हैं, उसका अगर एक हिस्सा ही ऐसे ढांचागत कार्यों में नियमित रूप से खर्च किया जाए, तो लोगों को काफी राहत मिल सकती है। मुफ्त की रेवड़ियों का ही असर है कि जनहित सेवाओं के संचालन अथवा प्रबंधन में जिस तरह पैसे खर्च करने की जरूरत होती है, उतना सरकारों के पास नहीं बच पाता और उनको केवल आपात स्थिति के लिए अपनी तैयारी रखनी पड़ती है। राजेंद्र नगर हादसे में ही घटना के बाद तमाम तरह की कमियों की बात सामने आई है। आलम यह है कि जल व्यवस्था को ही दुरुस्त करने के लिए आवश्यक पाइपों की मरम्मत और प्रतिस्थापना का काम नियमित तौर पर नहीं हो रहा, जबकि यह आवश्यक माना जाता है। शहरी ढांचे की बेहतरी या नवीनीकरण का काम मूलत- नगर निकायों का है, लेकिन संबंधित विभागों में जरूरी समन्वय बन ही नहीं पाता। दिल्ली में ही जल-आपूर्ति का मामला दिल्ली जल बोर्ड के पास है, तो जल-निकासी की व्यवस्था नगर निकाय के हवाले। ऐसे में, जब तक स्थानीय निकायों पर पूरी तरह से समन्वय की जिम्मेदारी नहीं डाली जाएगी, तब तक इस तरह की समस्या बनी रहेगी।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5451

5		3						
2			3					
	4		7	1		2		3
		5	4				7	1
		4	2		1	8		
6	8				7	5		
1		7		6	9		3	
					4			6
						9		5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5450

2	9	3	1	7	4	8	6	5
5	1	8	6	2	3	4	7	9
6	7	4	9	8	5	2	3	1
3	8	5	2	9	6	1	4	7
1	6	9	8	4	7	5	2	3
7	4	2	5	3	1	9	8	6
4	5	1	7	6	8	3	9	2
8	2	6	3	5	9	7	1	4
9	3	7	4	1	2	6	5	8

आज का राशिफल

मेष
आज दिन सफलता से भरा होगा। आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा। जो लोग रिसर्च और विज्ञान से जुड़े हैं उनका दिन नई योजनाएं बनाने में बीतेगा। रुका हुआ धन कठिनाई से मिलेगा, रोजमर्रा के कामों में कोताही न बरतें। व्यवसायिक उन्नति से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आप जो भी कार्य करेंगे उसमें आपके लिए सफलता के संयोग बन रहे हैं।

वृष
आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपको हर कार्य में सफलता मिलेगी। आपका आर्थिक संकट दूर होगा और किस्मत आपका साथ देगी। काफी संघर्ष के बाद आज आपको परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। किसी कार्य के लिए आपको शहर से बाहर यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आपको छोटे मोटे काम के लिए समय निकालना पड़ सकता है।

मिथुन
आज दिन लाभ से भरा होगा और आपका मन शुभ कार्य में लगेगा। आपके घर में किसी शुभ कार्य का आयोजन हो सकता है। आपके धन में वृद्धि होगी और कार्य सफल होंगे। जीवन स्तर को सुधारने के लिए कुछ खास प्रयास कर सकते हैं।

कर्क
आज दिन लाभ प्रदान करने वाला माना जा रहा है। उच्चाधिकारियों की घनिष्टता से आपके कार्य सफल होंगे और आप अपने करियर मे आगे बढ़ पाएंगे। आयात निर्यात के व्यवसाय आरंभ का निर्णय भी आज हो सकता है। समय के सदुपयोग से आपका सितारा बुलंद होगा और आपकी किस्मत चमकेगी।

सिंह
आज करियर में सफलता मिलने के योग हैं और आपके लिए उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे। अध्ययन और आध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। विवादास्पद प्रकरण समाप्त होंगे। गुप्त शत्रु व ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहें। किसी को आज रुपया उधार न दें वापस नहीं मिलेगा। आपको आज बिजनस के मामले में कोई फैसला लेने से पहले विशेष रूप से सावधान रहने की जरूरत है।

कन्या
आज दिन सम्मान से भरा होगा और आपका दिन लाभ से भरा होगा। अगर आप किसी प्रकार की ट्रेडिंग करते हैं या फिर शेयर बाजार से जुड़े हैं तो आपको लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिन भर प्राप्त होते रहेंगे। मित्रों में भी हास्य विनोद बढ़ेगा।

तुला
आज दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा और आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ेगी। आपकी मेहनत सफल होगी और आपको करियर में विशेष लाभ होगा। किसी प्रकार की उलझन और चिंता आपको परेशान कर सकती है। यदि सबकी सहमति हो जाए तो कहीं स्थान परिवर्तन का विचार बनाएं। आपको लाभ होगा और कार्य पूर्ण होंगे।

वृश्चिक
आज दिन काफी बिजी रहेगा और आपको रोजाना से अधिक काम करना पड़ सकता है। आपको किसी प्रकार की अधिक भागदौड़ करनी पड़ेगी। तब जाकर आपको सफलता मिलेगी। आप अपने कार्य को उत्साहपूर्वक पूरा करें। कुछ समय बाद इससे भी बेहतरीन अनुबंध आपको प्राप्त होगा। आपके लिए लाभ के योग बने हैं और धन सम्मान में वृद्धि होगी।

मकर
आज दिन लाभ से भरा होगा और आप बिना वजह काफी परेशान रहेंगे। कुछ परेशान आपकी अपनी वजह से हो सकती हैं। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में विरोधियों के कारण आपको परेशानी हो सकती है। आप अपने साहस और बुद्धिमानी से ही इन लोगों को पराजित कर सकते हैं। अपने काम पर ध्यान दें और किसी से फालतू की बात न करें।

कुंभ
आज भाग्य साथ देगा और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें। आपको कोई नवीन योजना सफल होगी और कारोबार में आपको लाभ होगा। पुराने झगड़े झंझटों से छुटकारा मिलेगा। अधिकारी वर्ग में सामंजस्य बढ़ेगा। निराशाजनक विचारों को मन में न आने दें। आपके लिए समय बहुत अनुकूल है। मन काफी प्रसन्न रहेगा। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु
आज आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे और आपकी खुद की नजर भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को स्थायी रखने से आपको लाभ होगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपकी प्रतिष्ठा को धक्का लग सकता है। व्यर्थ की मान बढ़ाई से दूर रहें और अपने काम पर फोकस करें।

मीन
आज दिन चिंता फिक्र और परेशानी वाला रहेगा। आपको कारोबार में बिक्री न होने से चिंता परेशान करेगी। पिछले काफी दिनों से व्यवसाय नियमित नहीं है। अस्थिरता आपका पीछा नहीं छोड़ रही है। नौकरी व्यवसाय में यदि आप सुधार करना चाहते हैं तो आपको आलस्य और आराम का त्याग करना पड़ेगा। ऐसा करने से आपको लाभ होगा और भाग्य आपका साथ देगा।

वर्ग पहेली 5451

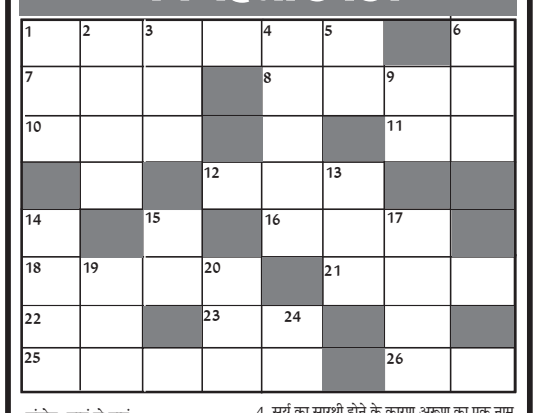

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस प्रसिद्ध हास्य कवि की जन्म तारीख व निधन होने की तारीख एक ही है जन्म 18 सितंबर व निधन 18 सितंबर (6)
7. राजीव, पुरानी फिल्मों के गीतकार (3)
8. भगवान श्रीगणेश के नामों में से एक (4)
10. गीत, तराना (3)
11. हृदय, मन, अंतःकरण (2)
12. परस्पर निर्वाह करना, बुहारना (3)
16. शोधलेख, शोधपत्र, शोधरचना (3)
18. यह सुप्रसिद्ध कवि कालिदास की एक प्रसिद्ध दूत काव्य है (4)
21. शब्द, वाणी, बोली (3)
22. पुराणानुसार पांचवां लोक जहां मनुष्य रहते है, सर्वसाधारण (2)
23. यह कृष्ण-भक्ति शाखा की प्रमुख कवयित्री है (2)
25. दीवार में छेद करके या सेंध लगाके चोरी करने वाला (5)
26. श्रीराम के भाई भरत के ज्येष्ठ पुत्र का नाम जिन्होंने गांधार में तक्षशिला नगरी स्थापित की थी (2)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. विवाह के पूर्व कुमारी अवस्था में उत्पन्न हुआ पुत्र (3)
2. असर पैदा करने वाला, प्रभाव करने वाला (4)
3. पाचन क्रिया, पाचन शक्ति (3)
4. सूर्य का सारथी होने के कारण अरूण का एक नाम (5)
5. टांका मारना, सिलाई करना, वक्षस्थल (2)
6. समस्त, कुल, सब (3)
9. अगर, जो (2)
13. महाराष्ट्र का यह शहर गोदावरी नदी के समीप स्थित है, पंचवटी वन इसके समीप है (3)
14. दक्षिण अमेरिका में बहने वाली विश्व की सबसे बड़ी नदी (4)
15. पिता के पिता को यह कहा जाता है (2)
17. हिफाजत से रखा हुआ, सुरक्षित(4)
19. गड़गड़ाहट, गर्जन, मेघनाद (3)
20. शिष्टता, विवेक, सभ्यीकरण (3)
24. जंघा, जांघ (2)

वर्ग पहेली 5450 का हल

म	ले	शि	या		शा	य	द
हे		का	ता		द	ब	
श	ह	र	या	र			वा
भू	ल		त	ह	की	का	त
प	क	ना		म	ल	य	ज
ति		म		दि		र	
		व	की	ल			मू
पु	का	र	ना		ने	पा	ल

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, थाना-रातू, जिला-रांची (झारखंड) में मुद्रित एवं 204, निर्मला इन्कलेव अपार्टमेंट, रानी बागान, बरियातु, रांची (झारखंड) से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग बेटी से दुष्कर्म के दोषी पिता को 20 साल की कारावास, 20 हजार का लगा जुर्माना

आजमगढ़ , एजेंसी। नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म के मुकदमे की सुनवाई पूरी करने के बाद अदालत ने आरोपी पिता को 20 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 20 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया। शुक्रवार को यह फैसला पॉक्सो कोर्ट नंबर एक शैलजा राठी ने सुनाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार बिलरियागंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी अब्दुल कयूम ने दो शादियां की थी। पहली पत्नी से छह बच्चे और दूसरी पत्नी से सात बच्चे हैं। अब्दुल कयूम अपनी दूसरी पत्नी की 12 वर्षीय पुत्री को एक दिन बाजार घुमाने ले गया। इसके बाद घर पर ले आकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने जब अपनी मां को पूरी बात बताई तब पीड़िता की मां ने 30 अप्रैल 2016 को बिलरियागंज थाना में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद 20 मई 2016 को मुकदमे में चार्जशीट न्यायालय में दाखिल कर दिया। अभियोजन पक्ष की तरफ से सहायक शासकीय अधिवक्ता दौलत यादव व रामनाथ प्रजापति ने छह गवाहों को न्यायालय में परीक्षित कराया। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने आरोपी पिता अब्दुल कयूम को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। जुर्माना न जमा करने पर दोषी पिता को दो महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

मनोज व उसके भाई पर हत्या का प्रयास व बलवा की रिपोर्ट

कानपुर , एजेंसी। सिविल लाइंस स्थित नजूल की जमीन कब्जाने के प्रयास मामले के आरोपी प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित के करीबी व प्रेस क्लब के कनिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज यादव उर्फ वसूली बंदर, उसके भाई व कई अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। इस मामले में अवनीश को नामजद आरोपी तो नहीं बनाया गया है लेकिन आरोप लगाया गया है कि वह पुलिस पर दबाव बनाकर केस दर्ज नहीं होने देते थे।

कुलीबाजार निवासी शशी सैनी ने बताया कि उनके बेटे मोहित सैनी ने साल 2007 में पड़ोस में रहने वाले मनोज यादव व उसके साथियों के खिलाफ डकैती, खतरनाक हथियारों से हमला, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की धारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में कोर्ट में गवाही होनी है लेकिन मनोज व उसका भाई विनोद यादव गवाही न देने का दबाव बना रहे थे। इसी क्रम में मनोज, विनोद यादव और चार अन्य लोगों ने 2 जनवरी 2024 की दोपहर 12 बजे घर में घुसकर शशी से मारपीट की। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी।

बादशाहीनाका थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ बलवा, घर में जबरन घुसना, मारपीट, सार्वजनिक बेइज्जती करना, जान से मारने की धमकी देना और जान से मारने का प्रयास करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। उधर, किदवईनगर थानाक्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने अवनीश के खिलाफ मारपीट और वसूली की शिकायत की है। डीसीपी साउथ रवींद्र कुमार ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

तालसपुर में प्रधान पति के भाई पर फायिरंग, भीड़ ने घेरा थाना, दोनों पक्ष हिरासत में

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में रोरावर क्षेत्र के गांव तालसपुर में 2 अगस्त रात प्रधान पति के भाई व उसके साथी पर फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली किसी के लगी नहीं। इस फायरिंग का आरोप पूर्व प्रधान पर लगा है। घटना के बाद कार्रवाई की मांग को लेकर काफी संख्या में लोगों की भीड़ थाने पहुंच गई। थाने का घेराव कर लिया। इस दौरान भीड़ को देख थाने का गेट तक बंद करना पड़ गया। मगर बाद में पब्लिक खुद ही वहां से पुलिस द्वारा कार्रवाई के आश्वासन पर चली गई। बताया गया है कि पूर्व प्रधान मुजाहिद व मौजूदा ग्राम प्रधान पति गुफरान में आपसे झगड़ा पूर्व से चला रहा है। 2 अगस्त शाम को प्रधान पति गुफरान का भाई रेहान अपने एक साथी के साथ बाइक पर सवार होकर शहर से गांव जा रहा था। आरोप है कि तभी रास्ते में पूर्व प्रधान मुजाहिद से कहासुनी हुई। जिसने फायरिंग कर दी। मामले में पुलिस ने दोनों पक्ष हिरासत में ले लिए।

लोहिया संस्थान: छह डॉक्टर सात दिनों के लिए निलंबित

डिप्टी सीएम की सख्ती के बाद कार्रवाई

सख्ती के बाद भी सुधार नहीं, फिर लौटाया मरीज

कार्रवाई के बावजूद लोहिया संस्थान की इमरजेंसी से शुक्रवार को भी मरीज को लौटाने का मामला सामने आया। मामले के अनुसार सीवान (बिहार) के परशुराम प्रसाद का बेटा अमरेंद्र कुमार (35) कुशीनगर तमकुहीराज में बिजली विभाग में कार्यरत है। अमरेंद्र को फालिज का अटैक पड़ गया। बृहस्पतिवार रात मरीज को लोहिया संस्थान भेजा गया। भाई सुमन कुमार ने बताया कि रात 12:20 बजे स्ट्रेचर पर मरीज का इलाज शुरू हुआ।

सुबह अमरेंद्र को ओपीडी भेज दिया गया। वहां डॉक्टर ने भर्ती करने की सलाह दी। फिर उन्हें इमरजेंसी में भेज दिया गया। इमरजेंसी के डॉक्टरों ने मरीज को भर्ती नहीं किया। 15 घंटे से अधिक बीत जाने के बाद भी मरीज को भर्ती नहीं किए जाने से नाराज परिजन उसको लेकर निजी अस्पताल चले गए। मामले में संस्थान के प्रवक्ता डॉ. एपी जैन का कहना है कि मरीज को इमरजेंसी में इलाज मिला था। वहां से ओपीडी भेजा गया था। जहां तक भर्ती नहीं किए जाने का सवाल है, तो इसकी जांच हो रही है।

लखनऊ, एजेंसी। आधे-अधूरे इलाज के बाद बेड खाली नहीं होने की बात कहकर मरीज को रेफर करने के मामले में लोहिया संस्थान के छह डॉक्टरों को सात दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के सख्त रुख के बाद यह कार्रवाई की गई है। वहीं, सात अन्य को दो दिनों के लिए निलंबित किया गया है। संस्थान प्रशासन ने कार्रवाई करके रिपोर्ट शासन को भेजी है। सीतापुर के अल्लीपुर निवासी दिनेश चंद्र को सांस लेने में तकलीफ पर बुधवार को इमरजेंसी में लाया गया था। दिनेश का ऑक्सीजन लेवल 86 पाया गया था। ब्लड प्रेशर भी असामान्य था। रातभर स्ट्रेचर पर इलाज करने के बाद बृहस्पतिवार दोपहर डॉक्टरों ने बेड खाली नहीं होने की बात कहकर दिनेश को रेफर कर दिया।

मामला सामने आने पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। संस्थान प्रशासन को एक सप्ताह में जांच करके दोषियों पर कार्रवाई के लिए कहा था। बहरहाल शुरुआती जांच में इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर से लेकर कर्मचारियों तक की लापरवाही सामने आई है। संस्थान प्रशासन ने कार्रवाई करके रिपोर्ट शासन को भेजी है।

किनपर क्या कार्रवाई

इमरजेंसी में तैनात इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के दो डॉक्टर, दो मेडिकल ऑफिसर, दो जूनियर रेजिडेंट (नॉन पीजी) को सात दिनों के लिए निलंबित किया गया है।

- दो सोशल वर्कर, दो गार्ड व तीन अन्य को दो दिनों के लिए निलंबित किया गया है। मामले की गहनता से जांच कराई जा रही है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विक्रम सिंह ने बताया 13 लोगों पर कार्रवाई हुई है। मामले की जांच के लिए कमेटी गठित है। कमेटी एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपेगी।

इलाज में न बरतें कोताही

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि डॉक्टर मरीजों के इलाज में किसी भी तरह की कोताही न बरतें। अधिकारी इमरजेंसी व वार्ड का नियमित राउंड लें। कमियों को दूर करें। मरीजों के हित में कदम उठाएं।

हैंडपंप पर पानी पीने गया बालक बेहोश होकर गिरा, हुई मौत

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़-पलवल राजमार्ग स्थित गांव अंडला में 2 अगस्त सुबह 10:15 बजे आंगनबाड़ी केंद्र पर लगे हैंडपंप से पानी पीने गया एक बच्चा अचानक गश खाकर गिर गया, बच्चे की वहीं मौत हो गई। परिजनों ने सब मर्सिबल पंप में उतरे करंट से मौत होने का आरोप लगाया है। विद्युत विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो सबमर्सिबल पंप में करंट आने की पुष्टि नहीं हुई है।

बताया जा रहा है कि बच्चे के दिल में छेद था और उसका जेएन

मेडिकल कॉलेज में उपचार भी चल रहा था। ऐसे में हृदयघात से बालक की मौत होने का अंदेशा जताया जा रहा है। प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालय अंडला परिसर में आंगनबाड़ी केंद्र भी चल रहा है। बालक की मौत से स्कूल में आए बच्चों में दहशत फैल गई। गांव के कांति प्रसाद दिवाकर ने बताया कि उनका बेटा ध्रुव (3) घर से आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने गया था। उन्हें सवा दस बजे सूचना मिली कि सरकारी स्कूल में लगे हैंडपंप में बिजली का करंट आने से उसकी मौत हो गई। वह दौड़कर पहुंचे तो बच्चा हैंडपंप के पास मृत अवस्था में पड़ा था। बच्चे की मौत की सूचना पर एसडीएम खैर महिमा राजपूत और थाना खैर पुलिस मौके पर पहुंच गई। परिजनों के करंट से मौत होने के आरोप के बाद विद्युत विभाग से टीम बुलाई गई। विद्युत उपकेंद्र अंडला के अवर अभियंता रोहित यादव ने टीम के साथ जांच की। जिस सबमर्सिबल में करंट होने से मौत की बात कही जा रही थी। उसका कनेक्शन ही चालू नहीं था। कनेक्शन चालू कराकर जांच की गई तो हैंडपंप में करंट नहीं आ रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कोशिश की तो परिजनों ने विरोध किया और पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। इसके बाद अधिकारियों ने पंचनामा भरकर शव उन्हें सौंप दिया।

इस मामले में एसडीएम खैर ने जांच कराने की बात कही है। बीएसए ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय के पास ही है। इसका विद्यालय से सीधा कोई संबंध नहीं है। वहीं सीडीपीओ अनिल कुमार दत्ता ने कहा है कि वह भी जांच करा रहे हैं कि पूरा मामला क्या था। इसके बाद ही कोई कार्रवाई होगी।

बीएचयू का अनोखा मंदिर: रसेश्वर महादेव को लगता है आयुर्वेद की दवाओं का भोग, सुबह-शाम छात्र यहां करते हैं पढ़ाई

वाराणसी, एजेंसी। सावन में बाबा के अलग-अलग रूपों के दर्शन और पूजन का विशेष महत्व होता है। हर कोई बाबा को फूल मालाओं के साथ ही अलग-अलग तरीके का भोग भी लगाता है। इसी तरह बीएचयू कैंपस में एक ऐसा मंदिर है जहां बाबा को दवाओं का भोग लगाया जाता है। और तो और बीएचयू के छात्र यहां पढ़ाई करने के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी करते हैं।

आईएमएस बीएचयू के आयुर्वेद संकाय के रस शास्त्र विभाग में शोध और दवाएं बनती हैं। विभाग के परिसर में ही रसेश्वर महादेव का मंदिर है। शोध के बाद जो भी दवाएं तैयार होती हैं वह पहले बाबा को चढ़ाई जाती है। उसके बाद इसका उपचार में इस्तेमाल होता है। बीएचयू दृश्य कला संकाय के सामने स्थित रस शास्त्र विभाग में इस मंदिर की स्थापना की पहल 2012 में की गई थी। 2015 में मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई।

मंदिर की स्थापना में मुख्य भूमिका निभाने वाले और सुबह-शाम मंदिर में पूजा करने वाले रसशास्त्र विभाग के प्रो. आनंद चौधरी का कहना है कि यह मंदिर किसी तरह के कर्मकांड के लिए नहीं है। फार्मेसी में शोध के लिए जो भी दवाएं बनती हैं, उसका पहला बैच बाबा को चढ़ाया जाता है। इस कामना से कि दवाओं का मरीज पर बेहतर और सकारात्मक प्रभाव हो।

सुबह-शाम विद्यार्थी करते हैं पढ़ाई: प्रो. आनंद चौधरी के मुताबिक इस मंदिर परिसर में बीएचयू के छात्र-छात्रा सुबह-शाम अपने समय के अनुसार यहां पढ़ाई भी करते हैं। दृश्य कला संकाय के छात्र यहां आकर शांत माहौल में पेंटिंग बनाते आपको नजर आ जाएंगे। वहीं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्र भी यहां रोजाना पढ़ाई करते हैं। रस शास्त्र विभाग में शोध करने वाली छात्रा अर्पणा सिंह का कहना है कि रसेश्वर महादेव के प्रति गहरी आस्था है। उनका कहना है कि बाबा के नियमित दर्शन के बाद अपनी पढ़ाई और शोध कार्य की शुरुआत करती हूं। प्रतिभा गोस्वामी कहती हैं कि विभाग में जो भी औषधियां बनती हैं, उसका अपना एक अलग महत्व है। बाबा को दवाओं को चढ़ाकर जनकल्याण की कामना की जाती है।

मेरे पिता विलेन नहीं काफी मजाकिया हैं... श्रद्धा कपूर ने बताया कैसे हैं पिता शक्ति कपूर

लखनऊ , एजेंसी। मैं कितनी व्यस्त रहूंगी, इससे किसी को कोई मतलब नहीं, घर के लोगों ने लखनऊ से आते वक्त कबाब और बिरयानी लेकर आने को कहा है। हंसते-खिलखिलाते श्रद्धा कपूर ने लखनऊ के खाने को लेकर कुछ यूं अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। राजकुमार राव बोले, लखनऊ से अपनापन लगता है, ऐसा लगता है कि कोई पुराना रिश्ता है।

यहां वे भारतेंदु नाट्य अकादमी के छात्र-छात्राओं से मिले। विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए। दोनों ने सरकार के प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार ऐसा काम कर रही है कि लोग यहां आते रहें। उत्तर प्रदेश में फिल्मों की शूटिंग से लेकर घूमना-खाना सब कुछ बढ़ रहा है।

असफलता मिलेगी, पार पाना सीखिए: रिजेक्शन के बारे में राजकुमार राव ने बताया कि उन्होंने भी इसका खूब सामना किया है। उन्होंने कहा कि ये एक सच्चाई है, जरूरी है इसे खुद पर हावी न होने दिया जाए। राजकुमार ने कहा कि ऐसे वक्त में दोस्त काम आते हैं, लेकिन दोस्त

गलत चुन लिए तो वो हौसला देने की जगह हिम्मत तोड़ भी सकते हैं। ऑडिशन में सफलता के लिए जरूरी है कि कुछ अलग करके दिखाएं। फिल्मों और थियेटर के बारे में उन्होंने कहा कि दोनों में जरूरी है किरदार को निभाना, बाकि जो अंतर हैं वो मामूली हैं।

शक्ति कपूर हैं काफी मजाकिया: श्रद्धा कपूर ने बताया कि उन्हें अपने पिता के कारण लगता था कि कोई उनसे पंगा नहीं ले सकता। हालांकि, घर पर शक्ति कपूर काफी मजाकिया हैं। वो सबका हंसाने का काम करते हैं। फिल्म चुनने के बारे में श्रद्धा ने कहा कि जब लगता है कि फिल्म में लगाने वाले समय को मैं देकर उसमें पूरी शिद्दत से काम कर पाऊंगी तभी मैं उसे चुनती हूं। उन्होंने बताया कि वह फिलहाल ओटीटी पर नहीं आ रही हैं। कोई दिलचस्प प्रोजेक्ट मिला तब इस बारे में सोचेंगी। वहीं, स्त्री-2 के बारे में राजकुमार ने कहा कि फिल्म देखकर लोगों को मजा आएगा।

बलिया वसूली कांड: लापरवाही पर एसपी ने स्वाट टीम को किया भंग, सभी सात पुलिसकर्मियों को किया लाइन हाजिर

बलिया , एजेंसी। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने स्वाट टीम को भंग कर दिया है। एसपी ने प्रभारी व उनकी टीम के छह आरक्षियों को लाइन हाजिर कर दिया है। इसकी जानकारी होते ही महकमे में हड़कंप मच गया।

स्वाट टीम क्यों भंग की गई और टीम के सभी सात पुलिस कर्मियों को क्यों लाइन हाजिर किया गया है। इसको लेकर विभागीय अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं, लेकिन सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई का कनेक्शन नरही वसूली कांड से है। इसी के मद्देनजर एसपी ने बड़ी कार्रवाई की है।

सूत्रों का दावा है कि नरही वसूली कांड में प्रथम दृष्टया स्वाट टीम की लापरवाही खुलकर सामने आई है। टीम ने डीआईजी की कार्रवाई से पूर्व न तो इस तरह की सूचना विभाग के उच्च अधिकारियों को दी और न ही अपने स्तर से कोई कार्रवाई की। जिसे गंभीरता से लेते हुए एसपी ने टीम को भंग करने का आदेश जारी किया है।

जिन लोगों को लाइन हाजिर किया गया है उनमें कौशल कुमार पाठक उप निरीक्षक व प्रभारी स्वाट टीम, मुख्य आरक्षी जसवीर, मुख्य आरक्षी लवकेश पाठक, आरक्षी महेश कुमार, श्याम कुमार शशि भूषण और मंजीत कुमार शामिल हैं। उधर, पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि टीम को लेकर कुछ शिकायतें मिली थीं, जिसके क्रम में कार्रवाई की गई है।

खराब ट्रैफिक से सेंट्रल जोन के लोग सबसे ज्यादा परेशान, टोल फ्री नंबर, एक्स, फेसबुक पर आ रही शिकायतें

कानपुर , एजेंसी। कमिश्नरेट पुलिस के 'ट्रैफिक दोस्त' अभियान के तहत छह दिन में 75 शहरियों ने अपने-अपने इलाके की शिकायतें की हैं। ज्यादातर शिकायतें सेंट्रल जोन की सामने आ रही है। सेंट्रल जोन में 31, पूर्वी जोन में 16, पश्चिम जोन में 11 और साउथ जोन में 16 शिकायतें पहुंची।

इनमें अनवरगंज निवासी दानिश ने बताया कि पेचबाग के सामने ट्रक खड़े होने की वजह से ट्रैफिक ज्यादा रहता है। श्याम नगर निवासी जेके ओझा ने बताया कि बाईपास पर जाम की समस्या है, ठेला व ठिलियों को हटवाया जाए। चकेरी निवासी राजेंद्र कुमार ने बताया कि शहर में अधिकांश ई रिक्शा चालक नाबालिग हैं। इसी तरह पश्चिम जोन में कल्याणपुर निवासी राजेंद्र कुमार ने गूबा गार्डन से कल्याणपुर मार्ग जाम की वजह अतिक्रमण हटवाने के लिए कहा। आईआईटी गेट निवासी आशुतोष ने आईआईटी गेट पर ई रिक्शा और ऑटो की वजह से जाम की शिकायत की। तिलकनगर निवासी नवीन अग्रवाल ने तिलक नगर यू टर्न पर जाम लगने और रात में ई रिक्शा वालों की लाइट बंद करके गाड़ी चलाने की शिकायत की। फजलगंज निवासी मुशीर अहमद की समस्या थी कि फजलगंज, विजय नगर चौराहा पर भीख मांगने वाले बच्चों की वजह से जाम लगता है। रतनलाल नगर निवासी प्रकाश मोटवानी ने नहर वाले मार्ग पर वन-वे करने का सुझाव दिया।

11 अगस्त से शुरू होगा शिकायतों पर काम

एडिशनल पुलिस कमिश्नर हरीश चंदर ने बताया कि 10 अगस्त तक शहर के लोगों की शिकायत सुनी जाएंगी। उसके बाद इस शिकायतों को फिल्टर कर निस्तारण किया जाएगा। अपील की कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग परेशानी बताएं, ताकि परेशानी की जानकारी होने के बाद कम समय में निस्तारण किया जा सके।

विश्वनाथ धाम में पकड़ा गया फर्जी दरोगा : खाकी वर्दी पहनकर श्रद्धालुओं को कराने जा रहा था दर्शन, पुलिस ने दबोचा

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ धाम में शनिवार को इंस्पेक्टर चौक ने एक फर्जी दरोगा को पकड़ा। पुलिस की वर्दी पहना हुआ फर्जी दरोगा श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन कराने ले जा रहा था। इंस्पेक्टर चौक फर्जी दरोगा को पकड़ कर चौक थाने ले गए। चौक थाने में फर्जी दरोगा से डीसीपी काशी जोन गौरव बंशवाल पूछताछ कर रहे हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि फर्जी दरोगा जालौन का रहने वाला अभय सिंह है। इंस्पेक्टर चौक ने बताया कि हुलिया और कद-काठी को देख कर उन्हें फर्जी दरोगा पर शक हुआ था।

यूपी में कमजोर पड़ा मानसून, अच्छी बारिश के लिए दो दिन करना होगा इंतजार

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में सक्रिय मानसून दोबारा कमजोर पड़ता दिख रहा है। शुक्रवार के लिए मौसम विभाग ने अच्छी बारिश का पूर्वानुमान लगाया था लेकिन यह पश्चिमी यूपी के कुछ इलाकों में सिमट कर रह गई। मुजफ्फरनगर में 14.8 मिमी और बुलंदशहर में 8 मिमी बारिश दर्ज की गई जबकि बृहस्पतिवार की रात पूर्वी यूपी व तराई इलाकों में अच्छी बारिश हुई थी।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक कम दबाव की पट्टी के दक्षिणी यूपी की ओर खिसकने से सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी आदि में हल्की बारिश की संभावना है। अच्छी बारिश के लिए अगले दो दिन इंतजार करना होगा। अगर अधिकतम तापमान की बात करें तो शुक्रवार को प्रदेश में यह बस्ती में 37 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। उरई में 36.2 और नजीबाबाद व बुलंदशहर में 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं, प्रदेश में सबसे न्यूनतम तापमान गाजीपुर में 21.5 डिग्री सेल्सियस तो गोरखपुर में 23.6 व बाराबंकी में 23.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

इन इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी: मौसम विभाग ने शनिवार को दक्षिणी यूपी के सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संतरविदासनगर व आसपास इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, महोबा, ललितपुर व आसपास के इलाकों में भी बारिश की चेतावनी जारी किया है।

इन इलाकों में वज्रपात की चेतावनी

शनिवार के लिए बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुर, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनोर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में गरज-चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी किया गया है।

वसूलीबाजों को संरक्षण देने वाले सफेदपोशों तक पहुंचने के लिए अवनीश की रिमांड लेगी पुलिस

कानपुर , एजेंसी। सिविल लाइंस स्थित नजूल की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करने के मामले में प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस पर्दे के पीछे से उसकी मदद करने वालों की तलाश में जुट गई है। पुलिस अवनीश की रिमांड लेने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि पूछताछ कर उन सफेदपोशों को चिह्नित किया जाएगा जो वसूलीबाजों को संरक्षण देते हैं। बता दें, सिविल लाइंस स्थित नजूल की करोड़ों की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास बीते रविवार को किया गया था। इस मामले के सामने आने के बाद अवनीश दीक्षित व उनके सहयोगियों पर गंभीर धाराओं में छह दिन में छह मामले दर्ज हो चुके हैं। पुलिस मामले में अवनीश को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। अब पुलिस की नजर जमीन कब्जा प्रकरण में पर्दे के पीछे के शामिल लोगों पर है। पुलिस का मानना है कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश के साथ ही नगर निगम में टैक्स के रूप में किसके इशारे पर पैसा जमा किया गया, इसका पता लगाया जा रहा है। माना जा रहा है कि जमीन के खेल में अवनीश के अलावा सफेदपोश और सत्ताधारी दल के कुछ नेता भी शामिल हो सकते हैं। इनका पता लगाने के लिए पुलिस जल्द ही अवनीश की कस्टडी रिमांड लेगी। इसके लिए एक-दो दिन कोर्ट में विवेचक कस्टडी रिमांड के लिए अर्जी दी जाएगी।

पंकज त्रिपाठी ने पेड पीआर ट्रेंड पर तोड़ी चुप्पी

पंकज त्रिपाठी ने अपने सधे हुए अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। अभिनेता को हर किरदार में बखूबी ढलते देखा जाता है। साथ ही वह सम-सामयिक मुद्दों पर भी बेबाकी से अपनी राय रखते नजर आते हैं। इसी कड़ी में पंकज त्रिपाठी ने सोशल मीडिया पर बॉलीवुड सेलेब्स द्वारा पेड पीआर के इस्तेमाल को लेकर चल रही चर्चा पर अपनी राय दी है। अभिनेता का कहना है कि पीआर एक्सरसाइज उन्हें सुर्खियों में तो रख सकती है, लेकिन यादगार नहीं बनाएगी।

बॉलीवुड इंडस्ट्री में पेड पीआर के चलन पर पंकज त्रिपाठी ने कहा, इमेज बनाने के चक्कर में पड़ोगे ना तो जीवन भर चक्कर में ही रहना पड़ेगा। इससे कुछ भी हासिल नहीं होगा। अभिनेता का कहना है कि उनके लिए यह महत्वपूर्ण है कि दर्शक उनके काम पर चर्चा करें और स्क्रीन पर उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के लिए उन्हें याद रखें।

पंकज त्रिपाठी ने अपनी बात में आगे जोड़ा, मैं पीआर करके चर्चित हो सकता हूं, यादगार नहीं हो सकता। वह मैं जीवन में केवल अपने किरदारों और अपने व्यवहार के साथ ही कर सकता हूं। वह आगे कहते हैं, काम महत्वपूर्ण है और मैं चाहता हूं कि केवल मेरे काम के बारे में ही बात हो। इन दिनों विनम्र होने का चलन है। विनम्र होने का दिखावा करो। पंकज त्रिपाठी ने चुटकी लेते हुए कहा, मैं यह जानने के लिए खुद का अन्वेषण कर रहा हूं कि मैं वास्तव में विनम्र हूं या दिखावा कर रहा हूं। हवाईअड्डे पर और जिम आउटिंग के दौरान सेलेब्स की तस्वीरें खींचे जाने के चलन पर जोर देते हुए, त्रिपाठी कहते हैं कि उन्हें अक्सर कैद किया जाना पसंद नहीं है और वह समय-समय पर गायब होना पसंद करते हैं। अभिनेता ने जोड़ा, मुझे ये पैपराजी कल्चर पसंद नहीं है, पर जो करता है मैं उनके खिलाफ भी नहीं हूं। यह उनके जीवन का तरीका है। उन्हें (पैप्स) अब फिल्म के प्रचार के हिस्से के रूप में कार्यक्रमों में भी आमंत्रित किया जाता है। यह पूछे जाने पर कि वह फिल्म इंडस्ट्री के बारे में क्या बदलना चाहेंगे, त्रिपाठी ने कहा, मैं इस फिल्म इंडस्ट्री में कुछ भी बदलने के बजाय खुद को बदलना चाहूंगा। लोग जो चाहें कर सकते हैं।

किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं...

विवादित बयान पर नोरा ने मांगी माफी

नारीवाद के बारे में नोरा फतेही का पिछला बयान तब सुर्खियों में आया जब नेटिजन्स ने उनकी राय की आलोचना की। अभिनेत्री-मॉडल ने पहले परिवार की अवधारणा की वकालत की थी लेकिन अपने शब्दों का चयन ठीक से नहीं किया था। अपने डांस मूव्स के लिए चर्चित अभिनेत्री नोरा फतेही ने कहा था कि नारीवाद ने समाज में युवाओं का दिमाग खराब कर दिया है और दोनों लिंगों की पारंपरिकता और कामों को बिगाड़ कर रख दिया है। हालांकि, नोरा को अब अपनी गलती का अहसास हो गया है और उन्होंने अपनी टिप्पणी से किसी को ठेस पहुंचने पर माफी मांगी है। नोरा फतेही ने अपने हालिया इंटरव्यू में उन लोगों से माफी मांगी जो उनकी टिप्पणियों से आहत हुए, और इस बात पर जोर दिया कि उनका इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। नोरा ने अपने पिछले बयान का विस्तार करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता का पश्चिमी सांस्कृतिक मानदंड वैध है, लेकिन वह एकल परिवारों के महत्व की वकालत करती हैं जहां दोनों साथी अच्छी तरह से विकसित बच्चों की परवरिश में योगदान करते हैं। प्रतिक्रिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, किसी भी अपराध के लिए मैं निश्चित रूप से माफी मांगती हूं, लेकिन मेरा इरादा बिल्कुल भी नहीं था। नोरा ने इस बात पर जोर दिया कि उनके विचार उनकी शिक्षा और जीवन के अनुभवों से प्रेरित हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं नहीं चाहती कि पश्चिम में जो हो रहा है वह दुनिया के इस हिस्से में हो क्योंकि परंपराओं और मूल्यों और नैतिकता को बनाए रखने से बेहतर कुछ नहीं है।

नोरा फतेही ने पिछले इंटरव्यू में लैंगिक समानता पर अपने विचार साझा किए, उन्होंने कहा कि वह नहीं मानती कि पुरुष और महिलाएं पूरी तरह से समान हैं। साथ ही पूर्ण स्वतंत्रता की धारणा की आलोचना की। अभिनेत्री ने कहा था, मैं इस बकवास में विश्वास नहीं करती। वास्तव में, मुझे लगता है कि नारीवाद हमारे समाज को खराब कर रहा है। उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि नारीवाद ने समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।

नोरा ने कहा था कि महिलाओं को करियर और स्वतंत्रता का पीछा करना चाहिए, उन्हें लगता है कि एक संतुलन होना चाहिए, क्योंकि पोषण करना महिलाओं के लिए एक स्वाभाविक भूमिका है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोग इसे पुराने जमाने की बात मान सकते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया था कि वह महिलाओं के अधिकारों का समर्थन करती हैं, लेकिन उनका मानना है कि कट्टरपंथी नारीवाद समाज के लिए हानिकारक हो सकता है। इस बीच, काम के मोर्चे पर नोरा फतेही को आखिरी बार कुणाल खेमू की फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में देखा गया था।

सनी देओल की बॉर्डर 2 में शामिल हुए दिलजीत

आयुष्मान के नाम पर भी चल रही चर्चा!

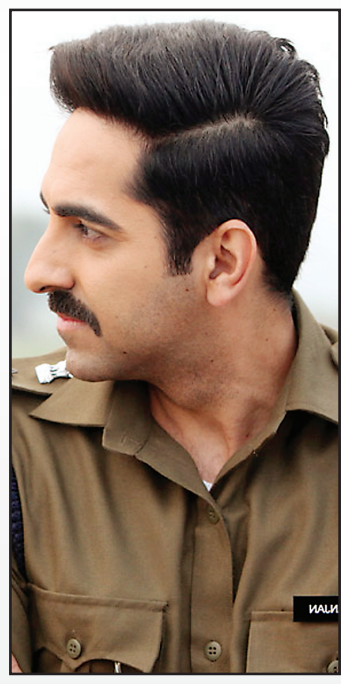

पिछले एक साल से दिलजीत दोसांझ अपनी गायकी और अभिनय की वजह से हर जगह तहलका मचा रहे हैं। पंजाबी गायक-अभिनेता अंबानी और फिल्म उद्योग सहित कई लोगों की पहली पसंद बन गए हैं। अभिनेता ने हाल ही में इम्तियाज अली की अमर सिंह चमकीला में एक हिट फिल्म भी दी, जिसके लिए उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई। अब खबर है कि दिलजीत ने बॉर्डर 2 के लिए सनी देओल के साथ हाथ मिलाया है। अपनी फिल्म गदर के ब्लॉकबस्टर सीक्वल के बाद सनी देओल ने गदर 2 के साथ बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की है। अभिनेता अब अपनी दूसरी हिट फिल्म बॉर्डर के सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में आई खबरों में दावा किया गया है कि दिलजीत दोसांझ देओल के साथ स्क्रीन साझा कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि दिलजीत फिल्म में एक असल जिंदगी के सैनिक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि, इस बारे में अभी और जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दिलजीत दोसांझ बॉर्डर 2 में सनी देओल के साथ शामिल हो गए हैं। उनके चरित्र का विवरण फिलहाल गुप्त रखा गया है, लेकिन दिलजीत दोसांझ एक असली सेना अधिकारी की भूमिका निभाने के अवसर को लेकर उत्साहित हैं और जल्द ही पूरी तरह से भूमिका निभाने के लिए अपनी तैयारी शुरू कर देंगे। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि आयुष्मान खुराना को भी फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है। हालांकि, अभिनेता से अभी भी बातचीत चल रही है और अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के अन्य कलाकारों में एमी विर्क और सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी भी शामिल हैं, जिन्होंने साल 2021 में तड़प से डेब्यू किया था। हालांकि, फिल्म के बारे में किसी कलाकार को लेकर निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

कई अटकलों के बाद सनी देओल ने आखिरकार इस साल जून में बॉर्डर 2 की घोषणा की। उन्होंने बॉर्डर की 27वीं सालगिरह पर इसकी घोषणा की। इसकी घोषणा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक फौजी अपने 27 साल पुराने वादे को पूरा करने के लिए आ रहा है फिर से। भारत की सबसे बड़ी वॉर फिल्म बॉर्डर 2।

भारतीय शर्लक होम्स बन उलझी गुत्थी सुलझाने में जुटे केके मेनन

अभिनेता केके मेनन इन दिनों अपनी स्पाई सीरीज शेखर होम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दर्शकों को भी बेसब्री से सीरीज का इंतजार है। वहीं अब निर्माताओं ने सीरीज का दमदार ट्रेलर जारी किया है, जिसमें उलझे हुए केस की और केके मेनन की जासूस के रूप में झलकियां दिखाई गई हैं। आज 1 अगस्त को सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया है। शेखर होम आर्थर कॉनन डॉयल की साहित्यिक कृतियों से पर आधारित है। ट्रेलर में शेखर की दुनिया की झलक मिलती है, जो रणवीर शौरी के साथ अपराध और रहस्य के जाल को सुलझाता है। सीरीज में रसिका दुगल और कीर्ति कुल्हारी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। छह एपिसोड वाले इस शो का निर्माण बीबीसी स्टूडियोज प्रोडक्शंस इंडिया द्वारा किया गया है और इसका निर्देशन रोहन सिप्पी और श्रीजीत मुखर्जी ने किया है। साथ मिलकर वे ब्लैकमेल और हत्या से लेकर अलौकिक घटनाओं तक कई रहस्यों को सुलझाते हैं। यह सीरीज रहस्य और हास्य को जोड़ती है, जो दोस्ती, प्यार, विश्वासघात और साजिश के साथ एक दमदार सीरीज का वादा करती है।

वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह में उलझी जांच को सुलझाएंगी कृतिका कामरा?

ग्यारह ग्यारह वेब सीरीज अपने एलान के बाद से ही दर्शकों के बीच चर्चा में बनी हुई है। दर्शकों को सीरीज का बेसब्री से इंतजार है। जी5 की ओरिजनल सीरीज का प्रीमियर जल्दी ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होने वाला है। हाल ही में करण जौहर ने सीरीज का ट्रेलर जारी किया था। करण जौहर और गुनीत मोंगा द्वारा निर्मित इस सीरीज में अभिनेत्री कृतिका कामरा भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के ट्रेलर का अनावरण करने के बाद निर्माताओं ने अब कृतिका को वामिका रावत के रूप में दिखाते हुए एक रोमांचक मोशन पोस्टर जारी किया है। सीरीज में कृतिका कामरा एक पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगी, जो राघव के साथ मिलकर एक 15 साल पुराने मामले को सुलझा रही हैं, जिसमें एक महिला एक दशक से भी अधिक समय से अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग कर रही है, जिससे पुराने मामले फिर से खुल जाते हैं। मोशन पोस्टर को शेयर करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, वामिका रावत-मामलों को सुलझाने की उलझन में फंसी हुई। क्या अतीत उसे पकड़ लेगा जब दो दुनियाएं जुड़ेंगी। इससे पहले सीरीज के बारे में बात करते हुए, कृतिका ने कहा था, ग्यारह ग्यारह की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए एक रोमांचक यात्रा रही है। यह भूमिका मेरे द्वारा पहले कभी की गई किसी भी भूमिका से अलग है। इसने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर धकेल दिया है। इस दिमाग को झकझोर देने वाली मिस्ट्री थ्रिलर में एक पुलिस वाले की भूमिका निभाना रोमांचकारी और चुनौतीपूर्ण दोनों रहा है। सीरीज का ट्रेलर 24 जुलाई, 2024 को जारी किया गया था। उमेश बिष्ट ने ग्यारह ग्यारह का निर्देशन किया। करण जौहर, धर्माटिक एंटरटेनमेंट के अपूर्व मेहता और ऑस्कर विजेता फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा कपूर और सिख्या एंटरटेनमेंट के अचिन जैन ने इसका सह-निर्माण किया। राघव जुयाल, कृतिका कामरा और धैर्य करवा की शानदार तिकड़ी वाली यह सम्मोहक पुलिस ड्रामा सीरीज अलग-अलग समय अवधि के दो पुलिस अधिकारियों की आकर्षक कहानियों को आपस में जोड़ती है।

विपुल शाह की फिल्म हिसाब में जयदीप अहलावत के साथ होंगी शेफाली शाह

हीस्ट फिल्में अपने रोमांचक नाटक और चतुर मोड़ के लिए जानी जाती हैं। जबकि जासूस, पुलिस और डरावनी यूनिवर्स की फिल्मों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। डकैती पर आधारित फिल्मों के लिए कोई समर्पित यूनिवर्स नहीं है। हालांकि, अब 2002 की हिट फिल्म आंखें का निर्देशन करने वाले विपुल अमृतलाल शाह से अपनी नई फिल्म हिसाब के साथ इसे बदलने की उम्मीद है। फिल्म में जयदीप अहलावत और शेफाली शाह मुख्य भूमिका में होंगे।

हीस्ट यूनिवर्स की होगी शुरुआत!

विपुल अमृतलाल शाह के पास डकैती की रोमांचक कहानियां गढ़ने की प्रतिभा है और उम्मीद है कि उनकी नई फिल्म हिसाब भी उतनी ही रोमांचकारी होगी। ऐसी अटकलें हैं कि हिसाब एक नए हीस्ट यूनिवर्स की शुरुआत कर सकता है। प्रशंसक उत्साहित हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि यह फिल्म भविष्य में और अधिक मनोरम डकैती की कहानियों को जन्म देगी।

विपुल अमृतलाल शाह का बड़ा प्लान

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आंखें की सफलता के बाद, विपुल अमृतलाल शाह ने एक और डकैती फिल्म के साथ आने में अपना समय लिया। अब हिसाब के साथ वह इस शैली में वापस उतरने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो वह भविष्य की फिल्मों के लिए कुछ और डकैती की स्क्रिप्ट भी तलाश रहे हैं। जानकारी के अनुसार, विपुल की बड़ी योजनाएं हैं और वह इस शैली का विस्तार करने के इच्छुक हैं।

डकैती पर बनी फिल्मों का धमाल

अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार सहित अपने स्टार कलाकारों के साथ आंखें डकैती शैली में एक क्लासिक बनी हुई है। इसकी सफलता ने धूम, क्रू, मनी हीस्ट और हैप्पी न्यू ईयर जैसी अन्य डकैती फिल्मों के लिए द्वार खोल दिया। अब, शाह हिसाब के साथ इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। शेफाली शाह इस आगामी सस्पेंस थ्रिलर में अभिनय करेंगी, जिसका निर्देशन उनके पति ने किया है। फिल्म में जयदीप अहलावत भी हैं। हालांकि, इन खबरों पर अभी आधिकारिक मुहर लगना बाकी है।

एक और धमाल के लिए तैयार शेफाली

रिपोर्ट की मानें तो हिसाब एक शीर्ष स्तर की थ्रिलर बन रही है, जिसमें शेफाली शाह के प्रदर्शन को प्रशंसकों और आलोचकों दोनों द्वारा अत्यधिक प्रत्याशित किया गया है। उम्मीद है कि यह फिल्म उनके प्रभावशाली करियर में एक मजबूत योगदान होगी, जिसमें दिल्ली क्राइम, जलसा और डार्लिंग्स में प्रशंसित भूमिकाएं शामिल हैं।

स्टॉक मार्केट मिथक जो युवाओं को नहीं बनाने देते करियर

यदि आप भी उन लोगों में से एक हैं जो स्टॉक मार्केट में करियर बनाना चाहते हैं, लेकिन इन बातों को सुनकर अपने कदम आगे नहीं बढ़ा पा रहे, तो हम आपको बता दें कि आपको आधा-अधूरा सत्य बताया गया है। आम तौर पर लोग अपनी गलतियों को नहीं गिनाते। यहां पर लोगों के पैसा डूबने का मुख्य कारण अत्यधिक लालच, जानकारी का अभाव, जल्दबाजी, रिसर्च का अभाव, रिस्क मैनेजमेंट न करना आदि होता है। शेयर बाजार में करियर उतना ही फायदेमंद है, जितना अन्य दूसरे फील्ड।

स्टॉक मार्केट बिजनेस नहीं, जुआ है

स्टॉक मार्केट की प्रतिष्ठा को जुए, सट्टे और अटकलों का बाजार कहा जाता है। इस तरह की गलत सूचनाओं को उन लोगों द्वारा फैलाया जाता है, जो रातो-रात अपने पैसे को चौगुना करने के प्रयास में अपने हाथ जला चुके हैं। यहां भी किसी अन्य व्यवसाय की तरह, आपके मन में उचित जोखिम-वापसी की अपेक्षा होनी चाहिए। धन सृजन एक धीमी और स्थिर प्रक्रिया है। इसलिए, लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि, वे अपनी बचत को अच्छी कंपनियों में बुद्धिमानी से लगाएं और गर्वित शेयरधारक बनें। स्टॉक मार्केट ऐसे लोगों के लिए केवल एक जुआ है जो रातों-रात पैसा कमाना चाहते हैं और जल्दी पैसा कमाने के लिए दांव लगाते हैं।

स्टॉक मार्केट में हाई रिस्क

इस मार्केट में कमाई का पूरा खेल इक्विटी होल्डिंग में शामिल जोखिम और रिटर्न पर निर्भर करता है। शेयरों की कीमतों में हर दिन और कभी-कभी हर घंटे उतार-चढ़ाव आता है। हालांकि, अगर हम कुछ वर्षों का रिटर्न देखें तो कुल मिलाकर रिटर्न एक महीने या एक साल की अवधि में प्रदर्शित आंकड़ों से कहीं अधिक होगा। यह आपके लिए धैर्य यहां सफलता की कुंजी है।

स्टॉक मार्केट करियर एक स्थिर पेशा नहीं

प्रतिमाह निश्चित सैलरी पाने वाले लोग स्टॉक मार्केट को एक्स्ट्रा आय स्रोत के रूप में देखते हैं। लोग अपने जीवन में नियमित और निश्चित सैलरी चाहते हैं, लेकिन स्टॉक मार्केट से जुड़े लोग ऐसा नहीं सोचते हैं। वे हर दिन अपने करियर को नई दिशा देते हैं।

स्टॉक मार्केट करियर केवल विशेषज्ञों के लिए

किसी भी स्किल में महारत हासिल करने में समय लगता है और ऐसा ही स्टॉक मार्केट के साथ भी है। वर्तमान समय में, पर्सनल इनवेस्टर्स स्टॉक मार्केट में सबसे बड़े भागीदार हैं। वित्त वर्ष 2023 में डीमैट खातों की कुल संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। खुदरा निवेशक 2022 में इक्विटी कैश मार्केट में कुल वॉल्यूम का 45 फीसदी योगदान करते हैं, जो 2016 में 33 फीसदी था। यह आंकड़े एक और मिथक को खारिज करते हैं।

पेपर बैग बनाओ और लाखों रुपये कमाओ

जब से भारत सरकार ने प्लास्टिक और पॉलिथीन की बनी थैलियों पर पाबन्दी की घोषणा की है तभी से कई सारे राज्यों में इसके इस्तेमाल पर काफी हद तक बैन लग चूका है। प्लास्टिक से बनी थैलियाँ इस कदर हमारे जीवन का हिस्सा बन चुकी है की उन्हें पूरी तरह बंद करना काफी मुश्किल काम है और ये तभी संभव हो पायेगा जब इन पॉलिथीन की थैलियों का कोई विकल्प हमारे सामने होगा। तो इसका सबसे अच्छा विकल्प है पेपर बैग।

पेपर बैग का चलन हमारे देश में बड़ी तेज़ी के साथ बढ़ रहा है। और वो दिन दूर नहीं जब दुकानों, शौपिंग मॉल व हर जगह आपको सिर्फ पेपर बैग ही दिखाई देंगे। इस समय मार्केट में पेपर बैग की मांग बहुत ज्यादा है तो ऐसे में अगर आप खुद का बिज़नस शुरू करने की सोच रहे है तो ये आईडिया आपके लिए बहुत ज्यादा फ़ायदे वाला साबित हो सकता है क्योंकि इस बिज़नस में कम्पीटीशन बहुत कम है और अगर आपने सही दिशा में जी तोड़ मेहनत कर ली तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

व्यापार का अवसर एवं क्षेत्र

प्लास्टिक थैलियों के मुकाबले पेपर बैग दिखने में काफी स्टाइलिश होते है। और बड़े शहरों में लोगो के बीच इसका क्रेज बढ़ता जा रहा है। निम्न जगहों पर पेपर बैग बहुत ज्यादा प्रचलित हैं - किराने की दुकानों पर, शोपिंग मॉल में, मेडिकल स्टोर्स पर, फ़ल व सब्जियों की दुकानों पर पेपर बैग की मांग इतनी तेजी से बढ़ रही है की आने वाले कुछ सालों में पेपर बैग मेकिंग बिज़नस अरबों रुपयों का हो जायेगा। इसकी सबसे बड़ी वजह ये है की ये इको-फ्रेंडली होने के साथ-साथ बहुत सस्ते भी है। पेपर बैग को आसानी से रीसाइकिल किया जा सकता है और वातावरण को इससे ज़रा भी नुकसान नहीं होता है। इसीलिए जितनी जल्दी आप यह बिज़नस स्टार्ट करोगे आपको उतना ही ज्यादा प्रॉफिट होगा।

व्यापार के लिए जगह का चुनाव

किसी भी व्यापार के लिए सही जगह का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। बिज़नस शुरू करने से पहले कुछ बातों की पूरी जानकारी लेना बहुत जरुरी है क्योंकि अगर एक बार मशीनें इनस्टॉल हो गई तो उन्हें वापस से दूसरी जगह इनस्टॉल करना बहुत भरी पड़ सकता है। इसके लिए आप निम्नलिखित बातों को अवश्य ध्यान में रखें

- पेपर बैग मेकिंग बिज़नस के लिए जगह ऐसी लोकेशन पर हो कि आसपास के लोगों को मशीनों की आवाज़ से कोई परेशानी न हो। इसके लिए आप शहर कुछ दूरी पर जगह का चुनाव करें ध्यान रहे उस जगह की शहर से ज्यादा दूरी न हो।
- उस जगह से शहर तक सड़क की अच्छी व्यवस्था हो।
- माल लाने व ले जाने के लिए गाडियों के पहुचने की व्यवस्था हो।
- पानी व बिजली की व्यवस्था हो।
- मजदूर आसानी से उपलब्ध हो।

व्यापार पंजीकरण

पेपर बैग व्यापार शुरू करने से पहले अपने बिज़नस को रजिस्टर करवाना बिलकुल भी न भूले। इसके लिए आपको अपने कस्बे या शहर की नगर-पालिका/नगर-निगम से ट्रेड लाइसेंस व साथ ही भारत सरकार की और से ज़ारी की जाने वाली उद्योग आधार संख्या के लिए आवेदन करना होगा।

मशीनों की जानकारी

पेपर बैग बनाने के लिए मार्केट में कई सारी अलग अलग कंपनियों की मशीने उपलब्ध है। जिनमे से कुछ स्वचालित है तो कुछ को आपको खुद को ही चलाना होगा। ऐसी भी बहुत सारी मशीने है जो पेपर बैग बनाने के साथ साथ उन पर प्रिंटिंग की सुविधा भी देती है। इन्ही सब खूबियों की वजह से इनकी कीमतों में अंतर है। पेपर बैग बनाने की मशीन की कीमत 3 लाख रूपए से लेकर 20 लाख रूपए तक हो सकती है। जितनी महँगी मशीन होगी पेपर बैग का उत्पादन व गुणवत्ता उतनी ही अच्छी होगी। मशीन को आप ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों तरीकों से खरीद सकते है।

आवश्यक कच्चा माल

पेपर बैग बनाने के लिए कई तरह के कागजों का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ कागज़ अच्छी क्वालिटी वाले तो कुछ बहुत ही हल्के होते है। अगर आप शोपिंग मॉल को ध्यान में रखते हुए पेपर बैग बना रहे है जहाँ ग्राहकों द्वारा एक साथ कई सारे सामान, कपड़े और ग्रोसरी खरीदी जाती है तो आपको अच्छी गुणवत्ता वाला कागज़ ही इस्तेमाल करना होगा। अगर आप सस्ता विकल्प ढूंड रहे है तो कागज़ के लिए अख़बार का इस्तेमाल भी कर सकते है लेकिन यह आपके ब्रांड की वैल्यू मार्केट में कम कर देगा। यह आपको निश्चय करना है की आप कौनसा कागज़ इस्तेमाल में लेते हो। पेपर बैग बनाने के लिए ये चार चीज़े अत्यधिक आवश्यक है- पेपर रोल, चिपकाने के लिए गौद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक, बैग स्ट्रिप।

पेपर बैग बनाने की प्रक्रिया

पेपर बैग बनाने का काम पूर्णतया मशीन द्वारा ही किया जाता है। सिर्फ एक व्यक्ति जो मशीन चलाना जानता हो आसानी से उस मशीन को ऑपरेट कर सकता है। आपको केवल एक बार जरुरी पेपर रोल, गौद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक मशीन में लगानी है उसके बाद मशीन स्वत- ही अपना काम करने लगती है।

कुल लागत का गणित

अगर आप छोटे स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते है तो आपको मशीन के लिए कम से कम 3 से 5 लाख खर्च करने पड़ेगें। मशीन के आलावा भी अन्य कच्चा मॉल, जगह का किराया, बिजली का बिल, मज़दूर की तनख्वाह, ट्रांसपोर्टेशन का खर्चा मिलाकर इसकी कुल लागत 6 से 7 लाख रूपए तक पड़ेगी।

मार्केटिंग एंड प्रमोशन

अपने बिज़नस की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीका अपना सकते है। ऑफलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप अपने शहर के साथ-साथ नजदीकी शहरों या कस्बों में शोपिंग मॉल, किराने की दुकानों, फ़ल व सब्ज़ियों की दुकानों, मेडिकल स्टोर्स आदि पर जा कर अपने प्रोडक्ट्स के बारे में बता सकते है। इसके लिए आपको विजिटिंग कार्ड और पम्पलेट जिसमें अपने प्रोडक्ट की सारी खूबियाँ व मूल्य व्यवस्थित रूप से निर्धारित किये गए हो की ज़रूरत पड़ेगी। ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले आपको खुद को इसके लिए तैयार करना होगा। उन सवालों के जवाब आपको पहले से ही तैयार रखने होंगे जो आपके कस्टमर्स आप से पूछ सकते है।
कहने का मतलब ये है कि ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले एक अच्छे इंस्टिट्यूट से मार्केटिंग की जरुरी स्किल जरुर सीख लें। और अगर आपके पास बजट ज्यादा है तो मार्केटिंग के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति को नौकरी पर भी रख सकते है। ऑनलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए कई सारे तरीके उपलब्ध है।
वर्तमान में लोगों के बीच इन्टरनेट की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है। ऑनलाइन मार्केटिंग का सबसे अच्छा फायदा यह है की इन्टरनेट की मदद से घर बैठे आप पूरी दुनिया में अपने प्रोडक्ट का प्रमोशन कर सकते हो और इसमें होने वाला खर्चा भी ना के बराबर है। तो बिलकुल भी देर मत कीजिये और पेपर बैग किंग बनने की दिशा में अपना पहला कदम जल्दी से जल्दी बढाइये।

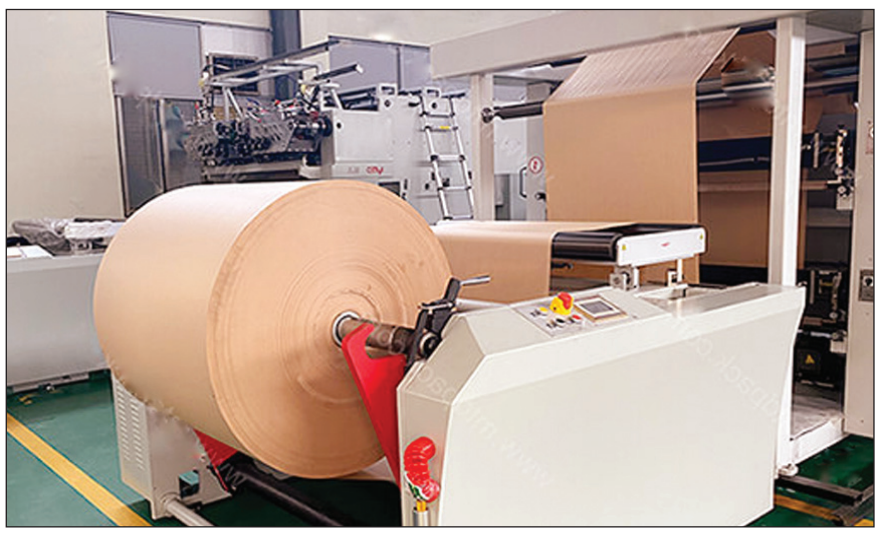

ये हैं कंप्यूटर साइंस वालों के लिए टॉप करियर ऑप्शन लाखों में मिलती है सैलरी

कंप्यूटर साइंस में बीटेक करना हर युवा का सपना होता है। वहीं, यदि आप अभी भी इस बात को लेकर कन्फ्यूजन में हैं कि कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग के बाद क्या करें, तो यहां कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद कुछ बेहतरीन करियर हैं। कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट्स के लिए कई करियर ऑप्शन हैं और इससे करियर ग्रोथ भी ज्यादा होती है। कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में नौकरियां पा सकते हैं।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

एक फुल-स्टैक सॉफ़्टवेयर डेवलपर सॉफ़्टवेयर प्रोग्राम बनाने के बेसिक काम में शामिल होता है। वे ऐसे एप्लिकेशन या प्रोग्राम बनाते हैं जो कंपैटिबल होते हैं ताकि सॉफ़्टवेयर को किसी भी डिवाइस पर देखा और आसानी से संभाला जा सके और देखने के लिए बहुत पोर्टेबल हो।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

C, C++, C#, Java, Python और कई अन्य प्रोग्रामिंग भाषाएं हैं जिनकी सही कमांड की आवश्यकता होती है। इसलिए यह करियर बी-टेक छात्र के लिए कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद सबसे अच्छे करियर में से एक माना जाता है। एआई जैसी नई टेक्नोलॉजी की प्रगति के बावजूद, सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की मांग और आवश्यकता वर्ष 2050 तक भी बरकरार रहेगी।

डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

एक डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर मौजूदा सॉफ़्टवेयर मॉडिफिकेशन की जाँच करता है। यह एक आवश्यक जिम्मेदारी है क्योंकि इसमें बहुत सतर्क रहना और कंपनी डेटाबेस और उसकी गुणवत्ता पर नियंत्रण बनाए रखना शामिल है। बैंकिंग, बीमा और सर्विस कंपनियों जैसे संगठन, एलिजिबल डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर को अच्छी जॉब देते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर विभिन्न कंप्यूटर हार्डवेयर कॉम्पोनेंट्स जैसे राउटर, सर्किट बोर्ड और मेमोरी डिवाइस का विकास, डिजाइन और परीक्षण करता है। इस काम के लिए टेक्निकल एक्सपर्टीज और क्रिएटिविटी के बीच अच्छे सहयोग की आवश्यकता होती है। यह सुनिश्चित करना उनका काम है कि हार्डवेयर ठीक से काम कर रहा है।

सिस्टम एनालिस्ट

कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट, इनफॉरमेशन सिस्टम के प्रत्येक संगठन का डीप एनालिसिस करने और उचित सुधार का सुझाव देने के लिए मौजूद होता है। बढ़ते आईटी बिज़नेस के साथ, कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट की मांग भी बढ़ रही है। फाइनेंस कंपनियों, सरकार, बीमा आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के कई अवसर हैं।

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट लोकल एरिया नेटवर्क, वाइड एरिया नेटवर्क, एक्स्ट्रानेट और इंट्रानेट के साथ नेटवर्किंग और कंप्यूटर प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी को डिजाइन, स्थापित और प्रबंधित करता है। काम डेटा प्रोसेसिंग और सहयोग के संदर्भ में संगठनों की इच्छाओं को पहचानना है।

वेब डेवलपर

वेब डेवलपर्स के पास पेज लेआउट, वेबसाइट स्टाइलिंग और पेज फीचर्स की मदद से किसी विशेष वेबसाइट पर विज़िटर के अनुभव को ढालने का एक आकर्षक काम है। एक वेब डेवलपर को HTML, CSS, JavaScript जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की उचित समझ होनी चाहिए और यह समझना चाहिए कि एक सर्वर विभिन्न डिवाइस के साथ कैसे काम करता है। पूरी दुनिया में वेब डेवलपर्स की भारी मांग है। अगले दस वर्षों में इसके 13त्न बढ़ने का अनुमान है।

प्रोजेक्ट मैनेजर

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद यह सबसे अच्छे करियर में से एक है। प्रोजेक्ट मैनेजर का काम प्रोग्रामिंग टीम के प्रयासों को एक साथ लाना है और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए उनके काम का समर्थन करना है। एजुकेशन से लेकर स्वास्थ्य तक, लगभग हर उद्योग को प्रोजेक्ट मैनेजर की आवश्यकता है। इसलिए इस सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

राजनीतिक विज्ञान में बनाएं कॅरियर

पारंपरिक करियर विकल्पों में राजनीति विज्ञान यानी पॉलिटिकल साइंस का महत्व सदाबहार कहा जा सकता है। यह विषय समाज शास्त्र का एक हिस्सा है। इसके अंतर्गत प्रशासन की विभिन्न प्रणालियों और दुनिया भर में मौजूद राजनैतिक तंत्रों व उनकी नीतियों को पढ़ाया जाता है। इसमें अध्यापन-कार्य से लेकर शोध, चुनाव व कानून से जुड़े कार्यक्षेत्रों में काम किया जा सकता है। इस समय राजनीति विज्ञान के जानकार युवाओं की पॉलिटिकल व इंटेलिजेंस एनालिस्ट या कंसल्टेंट्स के तौर पर सेवाएं ली जा रही हैं।

देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर पर इस विषय पर आधारित कोर्सेज उपलब्ध हैं। इसलिए यह कहना कुछ हद तक सही है कि अन्य कोर्सेज की तुलना में इसमें दाखिला पाने के लिए ज्यादा मारामारी की स्थिति नहीं है। हालांकि, बेहतर मुकाम पाने के लिए इस विषय में उच्च अध्ययन की ओर रुख करना काफी महत्व रखता है। दूसरे पारंपरिक कोर्सेज की तुलना में करियर को संवारने के कहीं ज्यादा अवसर इस विषय की पढ़ाई के जरिये हासिल किए जा सकते हैं। अकादमिक और शोध कार्यों में दिलचस्पी दिखाने वाले छात्रों को देशी-विदेशी संस्थानों की स्कॉलरशिप हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके जरिए उन्हें आगे चलकर अध्यापन के बेहतर अवसर मिलेंगे।

स्कूल और कॉलेज में अध्यापन और शोध कार्यसहित अन्य क्षेत्रों में मौके होने के साथ ही हाल के वर्षों में कुछ नए करियर विकल्प भी उभरे हैं। इनमें से कुछ हैं- पॉलिटिकल एनालिस्ट - राजनीति विज्ञान में पारंगत अनुभवी विशेषज्ञों के लिए यह काफी महत्वपूर्ण करियर कहा जा सकता है। इनका काम मुख्य रूप से राजनैतिक निर्णयों/सरकारी नीतियों आदि पर समीक्षात्मक टिप्पणी करना और उनकी कमियों को उजागर करना है। ये बतौर विशेषज्ञ, पॉलिटिकल पार्टियों की नीतियों और चुनावी घोषणाओं पर भी अपने विचार देते हैं।
सोशल मीडिया मैनेजर - आम जनता के बीच जनमत तैयार करने या किसी खास राजनैतिक दल के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार करने जैसे कार्यों को बखूबी अंजाम देने में इस विषय की पृष्ठभूमि वाले लोगों को काफी उपयोगी माना जाता है। यही कारणहै कि सोशल मीडिया से जुड़ी नौकरी पाने में राजनीति शास्त्र के जानकार को ज्यादा परेशानी नहीं होती है।
पॉलिटिकल कंसल्टेंट्स - इनका काम चुनावी दंगल में प्रत्याशियों के लिए अधिकाधिक मत पाने की योजना तैयार करना और उन्हें सफलता के साथ लागू करना होता है। यह समझ जनता के साथ लंबे समय से संपर्क में रहने के बाद विकसित होती है। सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का अच्छा जानकार होना इस संदर्भ में महत्वपूर्ण कहा जा सकता है।
इंटेलिजेंस एनालिस्ट- राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों की विचारधारा को समझते हुए उनके बारे में रिपोर्ट बनाना, इनके कार्य के दायरे में आता है। ऐसे विशेषज्ञ प्राय- अप्रत्यक्ष तौर पर काम करते हैं।
मार्केट सर्वे एक्सपर्ट- बड़ी-बड़ी कंपनियां भी अपना नया उत्पाद बाजार में उतारने से पहले ऐसे विशेषज्ञों का सहारा लेती हैं, ताकि उन्हें समय-समय पर प्रतिक्रियाएं मिलती रहें। इस प्रकार वे अपने उत्पाद की त्रुटियों को न सिर्फ समझ सकते हैं, बल्कि उनमें समय रहते सुधार कर दोबारा मार्केट में उतार सकते हैं।
वकील के तौर पर करियर- राजनीति शास्त्रकी पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए एलएलबी करना सही रहता है। इनके लिए मुकदमों की बारीकियों को समझना आसान होता है। वहीं जनसंचार के क्षेत्र में ऐसे सफल पत्रकारों की कमी नहीं है, जिनके पास राजनीति विज्ञान की डिग्री है। ऐसे अवसर प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में मिल सकते हैं।
पाठ्यक्रम
यह बताने की जरूरत नहीं है कि राजनीति विज्ञान कोई नया विषय नहीं है। इससे जुड़े कोर्सेज भी पुराने या परंपरागत कहे जा सकते हैं। दसवीं के बाद ही प्राय- एक स्वतंत्र विषय के रूप में राजनीति विज्ञान की पढ़ाई शुरू हो जाती है। ग्रेजुएशन स्तर पर बीए/बीए (ऑनर्स) कोर्स का प्रमुख तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। आमतौर पर इन तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में मेरिट के आधार पर ही नामी विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है। इसके बाद मास्टर्स और पीएचडी तक की डिग्री हासिल की जा सकती है। दूरस्थ शिक्षा और मुक्त विद्यालयों से भी इस विषय की पढ़ाई विभिन्न विश्वविद्यालयों के माध्यम से की जा सकती है।

व्यक्तित्व में क्या हो खास

इस क्षेत्र में ऐसे युवाओं को करियर बनाने के बारे में सोचना चाहिए, जिनको देश-विदेश में चल रही राजनैतिक उथल-पुथल और सामयिक मामलों के बारे में जानने की गहरी दिलचस्पी हो। देश के बदलते राजनैतिक घटनाक्रम पर पैनी नजर और इसके सामाजिक एवं आर्थिक कारणों को समझने की दृष्टि और उनके आधार पर भावी राजनैतिक आहटों को समझने की क्षमता भी इस क्रम में एक विशिष्ट गुण कहा जा सकता है। इसके अलावा तथ्यों और तर्कों के आधार पर नीतिगत निर्णयों को समझने की काबिलियत को भी कम महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता है। इस क्षेत्र के पेशेवरों में संवाद कौशल, भाषा पर नियंत्रण आदि का होना भी काफी मायने रखता है।

संक्षिप्त समाचार

30 हजार सरकारी स्कूलों को मिलेगी मुफ्त बिजली, सरकार ने दिया बड़ा तोहफा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने बुनियादी सुविधाओं में सुधार के कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में लगभग 30,000 सरकारी स्कूलों को मुफ्त बिजली दी जाएगी। हाल ही में पदोन्नत हुए शिक्षकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीन बार चुनाव जीता क्योंकि उन्होंने सरकारी स्कूलों में सुधार किया और गरीबों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की। रेवंत रेड्डी ने कहा कि जब स्कूलों के बिलों का भुगतान नहीं किया गया तो ऊर्जा विभाग की ओर से बिजली की आपूर्ति बंद कर दी गई थी। उन्होंने कहा, 'जब किसानों को मुफ्त बिजली दी जाती है और गरीबों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाती है तो उन स्कूलों में मुफ्त बिजली क्यों नहीं दी जा सकती जहां तेलंगाना का भविष्य तैयार हो रहा।' उन्होंने कहा कि मैंने अधिकारियों को तेलंगाना के 30,000 स्कूलों को मुफ्त बिजली प्रदान करने का निर्देश दिया और इसका खर्च सरकार वहन करेगी। इस बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार विदेश जाने वाले छात्रों की प्रारंभिक यात्रा का खर्च वहन करेगी। साथ ही, आईआईटी सहित शीर्ष शिक्षण केंद्रों में उच्च शिक्षा हासिल करने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा का खर्च भी उठाएगी। मुख्यमंत्री ने यह बात सरकारी स्कूलों के उन छात्रों की सराहना करते हुए कही, जो भारत और विदेश दोनों में प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ाई करने के लिए तैयार हैं। सरकारी स्कूलों के ऐसे 461 छात्रों को बधाई देने के लिए चेन्नई में आयोजित एक समारोह में कहा, 'स्कूल शिक्षा विभाग की पहल के बिना हम यह उपलब्धि हासिल नहीं कर सकते थे।'

जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी हटाओ तुरंत, ममता बनर्जी की सीतारमण को दो टूक

कोलकाता , एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार के जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा में जीएसटी लगाने की आलोचना की। ममता ने इस मसले पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा और आग्रह किया कि वे जीवन इन पर से 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने का फैसला तुरंत वापस लें। उन्होंने पत्र में कहा कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा का मुख्य उद्देश्य बीमारी, दुर्घटना और अकाल मृत्यु जैसे अप्रत्याशित हालात में वित्तीय सुरक्षा और सहायता देना है। बनर्जी ने एक दिन पहले भी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि अगर केंद्र स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाने के फैसले को वापस नहीं लेता है तो पार्टी आंदोलन शुरू करेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने पत्र में कहा, मैं बहुत दुख के साथ आपको जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों/ उत्पादों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाए जाने और नयी कर व्यवस्था में आयकर अधिनियम की धारा 80सी और 80डी के तहत कटौती वापस लेने के बारे में लिख रही हूं, जो मेरे हिसाब से बेहद जनविरोधी है। उन्होंने कहा कि बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाए जाने से आम लोगों पर वित्तीय बोझ बढ़ता है। बनर्जी ने कहा, यह अतिरिक्त बोझ कई व्यक्तियों को नई पॉलिसी लेने या अपने मौजूदा बीमा कवरेज को जारी रखने से रोक सकता है, जिससे अप्रत्याशित वित्तीय संकट को लेकर जोखिम बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी कर व्यवस्था में उपलब्ध आयकर अधिनियम के प्रोत्साहनों को वापस लेने से भी आम लोगों की परेशानी बढ़ रही है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उन्होंने सीतारमण से जनविरोधी कराधान नीतियों की समीक्षा करने और जीवन बीमा तथा स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस लेने का अनुरोध किया है। बनर्जी ने कहा कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस लेने और नयी कर व्यवस्था में ऐसे प्रीमियम पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी और 80डी के तहत कटौती शामिल करने से व्यापक बीमा कवरेज की सुविधा मिलेगी। आप इस अनुरोध को पूरी गंभीरता से लेंगी.... मुझे सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद है। गौरतलब है कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी जीवन बीमा और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी वापस लेने की मांग उठाई है।

वायनाड हादसे के बाद सरकार का बड़ा कदम, 6 राज्यों को ग्रीन प्रोटेक्शन देने की तैयारी

वायनाड , एजेंसी।
वायनाड भूस्खलन में 300 से ज्यादा लोगों के मारे जाने के बाद सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने पश्चिमी घाट को इकॉलॉजिकली सेंसिटिव एरिया घोषित करने के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें वायनाड के वे गांव भी शामिल होंगे जहां भूस्खलन की वजह से आई त्रासदी में सैकड़ों लोगों की जान चली गई। बता दें कि वायनाड में राहत बचाव और तलाशी का काम अब भी जारी है। अभी 100 से ज्यादा लोग लापता हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

ईएसए के लिए 6 राज्यों के करीब 59940 स्क्वायर किलोमीटर के इलाके को चुना गया है। यह पश्चिमी घाट का करीब 37 फीसदी हिस्सा है। इसी तरह का ड्राफ्ट 2022 में भी जारी किया गया था। जानेमाने पर्यावरणविद माधव गाडगिल के पैनल ने 2011 में ही इसकी सिफारिश की थी। 13 साल बाद सरकार ने उनकी रिपोर्ट पर ऐक्शन लिया है। हालांकि इस रिपोर्ट में 75 फीसदी इलाके को ईएसए के अंतरगत लाने की सिफारिश की गई थी जो कि सिमटकर 37 फीसदी ही रह गया है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, पहले वाले ड्राफ्ट के एक्सपायर होने की वजह से नया नोटिफिकेशन जारी किया गया है। मंत्रालय ने एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। अब केरल समेत अन्य राज्यों से प्रतिक्रिया मिलने के बाद फाइनल रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जानकारों का

कहना है कि वायनाड में आई त्रासदी की वजह से ही यह ड्राफ्ट तैयार किया गया है।

दरअसल अगर किसी इलाके को ईएसए घोषित किया जाता है तो वहां खनन, रेत खनन, थर्मल पावर प्लांट और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग लगाने पर पूरी तरह से पाबंदी रहती है। इसके अलावा इस इलाके में नया टाउनशिप प्रोजेक्ट भी नहीं शुरू किया जा सकता है। इस ड्राफ्ट को छठी बार रिन्यू किया गया है। ईएसए में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और कम प्रदूषण करने वाले उद्योगों को शर्तों के साथ इजाजत दी जाती है।

इस ड्राफ्ट में गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के पश्चिमी घाट के इलाके को शामिलल किया गया है। अब राज्यों के पास इस प्रस्ताव को भेजा गया है। उनके पास इसे स्वीकार या अस्वीकार करने का विकल्प है। केरल के पर्यावरण मंत्री एके शशिधरन ने कहा कि फिलहाल वह आपदा के बाद की स्थिति की देखरेख में व्यस्त हैं इसलिए इस ड्राफ्ट नोटिफिकेशन को देख नहीं पाए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक जटिल मुद्दा है।

बता दें कि पहले राज्य की सरकारें ड्राफ्ट पर कई सवाल उठा चुकी हैं। केंद्र सरकार ने कई बार राज्यों के साथ इस मुद्दे को लेकर बैठक की थी। बता दें कि पश्चिमी घाट को जैव विविधता के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है। इन इलाकों में बहुत प्रकार की वनस्पतियां, मछली, चिड़िया, स्तनपायी और अन्य प्रकार के जीव पाए जाते हैं।

बारां में भीषण सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत, गाय को बचाने के चक्कर में पलटी एसयूवी

जयपुर एजेंसी।
राजस्थान के बारां जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। गाय को बचाने के चक्कर में एसयूवी पलट गई। जिसमे सवार 4 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 5 लोग घायल हो गए है। मृतकों में शाहबाद इलाके के रामपुर उपरेटी गांव निवासी लाखन सहरिया, फूलचंद सहरिया व हरिचंद मेहता और मध्य प्रदेश के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र निवासी राजू सहरिया शामिल हैं। जबकि दुर्घटना में 5 लोग भी बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। जिनमें से तीन का उपचार किशनगंज अस्पताल में करवाया जा रहा है, जबकि दो को बारां जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। मृतकों के शव के पोस्टमार्टम आज यानी शनिवार सुबह करवा परिजनों के सुपर्द किया जाएगा।

भंवरगढ़ से किशनगंज के बीच भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। मृतक और घायल एक एसयूवी बोलेरो में सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि इसमें गाड़ी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। नेशनल हाईवे 27 पर भंवरगढ़ से किशनगंज के बीच देर रात को ये भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। इसमें मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर रोहिताश कुमार सिंह तोमर और एसपी राजकुमार चौधरी भी जिला अस्पताल पहुंचकर हालात का जायजा लिया। मृतकों के शव को भी मोर्चरी में शिफ्ट करवाया गया है। घायलों को त्वरित उपचार के निर्देश दिए गए हैं।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि एसयूवी में सवार होकर भंवरगढ़ से बारां की तरफ ये लोग आ रहे थे। भंवरगढ़ ढाबे के नजदीक हाईवे पर ही करीब 10ः30 के आसपास इनकी एसयूवी के सामने अचानक से गोवंश आ गया। इसे बचाने का प्रयास चालक ने किया, लेकिन इसके चलते एसयूवी अनियंत्रित हो गई। इसके बाद पलटते हुए सड़क किनारे चली गई। इसकी सूचना मिलने पर नेशनल हाईवे की पेट्रोलिंग टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और इन्हें बारां जिला अस्पताल भेज दिया गया।

पूजा खेडकर कमिश्नरेट में हाजिर होने के लिए नोटिस जारी किया लेकिन वह एक बार भी नहीं आईः कमिश्नर

पुणे , एजेंसी।
फर्जी दस्तावेजों की वजह से ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की नौकरी चली गई है। खेडकर ने पुणे के कलेक्टर सुहास दिवसे को भी लपेटे में लेने की कोशिश की थी। उन्होंने दिवसे के खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज करवा दिया था। दिवसे ने ट्रेनी आईएएस रहीं पूजा खेडकर के नखरों और मांगों की शिकायत की थी इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने उनका ट्रांसफर वाशिम में सहायक कलेक्टर के पद पर कर दिया था।

शुक्रवार को पुणे के कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा, हमने कई बार पूजा खेडकर को कमिश्रनरेट में हाजिर होने के लिए नोटिस जारी किया लेकिन वह एक बार भी नहीं आईं। ऐसे में हमने मान लिया है कि उन्हें इस मामले में कुछ नहीं कहना है। अब देखते हैं कि आगे क्या करना है। वहीं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के एक सहयोगी ने कहा कि केस जल्द ही बंद हो जाएगा।

चीफ सेक्रेटरी सुजाता सौनिक ने कहा, पुणे पुलिस मामले की प्राथमिक जांच कर रही है और अब यह खत्म होने वाली है। पूजा खेडकर तब विवाद में आई थीं जब पुणे कलेक्ट्रेट में उन्हें महाराष्ट्र सरकार के प्रतीक और लाल बत्ती वाली गाड़ी में देखा गया था। इसके अलावा पूजा खेडकर ने काम करने के लिए अलग ऑफिस मांगा था। वासिम ट्रांसफर के बाद वह मंत्रालय पहुंच गई थीं। बिना इजाजत ही वह सौनिक के कार्यालय में

घुसती चली गईं। वहीं पूजा खेडकर द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों को दिवासे ने खारिज किया था और कहा था कि कई सीनियर आईएएस अधिकारी उनके साथ खड़े हैं।

दरअसल ट्रेनी आईएएस ने जॉइन करते ही सुहास दिवसे से वीआईपी विशेषाधिकार मांगे थे। उन्होंने कार, बंगला और स्टाफ की डिमांड रख दी थी। इसके बाद पुणे के कलेक्टर ने शिकायत सामान्य प्रशासन विभाग में की। उन्होंने यह भी कहा था कि पूर्व अधिकारी और खेडकर के पिता दिलीप खेडकर इसके लिए दबाव बना रहे हैं। पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को भी बंदूक की नोक पर किसानों को धमकाने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। शुक्रवार को पुणे कि अदालत ने उन्हें जमानत दे दी है। पुणे की पुलिस ने मनोरमा उनके पति दिलीप और 6 अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

जम्मू कश्मीर में चुनाव का ऐलान जल्द? ऐक्शन में चुनाव आयोग, तैयारियों का जायजा लेने के लिए होगा दौरा

श्रीनगर, एजेंसी।
जम्मू कश्मीर में चुनाव की तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। इसी क्रम में चुनाव आयोग अगले हफ्ते जम्मू कश्मीर का दौरा करेगा। यह दौरा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में 8-10 अगस्त तक होगा। इस दौरान उनके साथ चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसएस संधू भी होंगे। गौरतलब है कि इस केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर की समयसीमा तय की है। पिछले मार्च में, कुमार उस समय केंद्र शासित प्रदेश का दौरा करने वाले तीन सदस्यीय आयोग के एकमात्र सदस्य थे। उन्होंने राजनीतिक दलों और जम्मू कश्मीर के लोगों को आश्वासन दिया था कि निर्वाचन आयोग जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द ही कराएगा। उस समय निर्वाचन आयुक्तों के दो पद खाली थे। सोलह मार्च को लोकसभा चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले ही उन्हें भरा गया था।

जम्मू कश्मीर में लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा था कि यह सक्रिय भागीदारी जल्द ही होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक बहुत बड़ी सकारात्मक बात है, ताकि केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया जारी रहे। श्रीनगर में, आयोग सबसे पहले राजनीतिक दलों से मुलाकात कर सकता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी और केंद्रीय बलों के समन्वयक के साथ समीक्षा की जाएगी। आयोग सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों के साथ-साथ मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ तैयारियों की समीक्षा भी करेगा।

आयोग दस अगस्त को कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक के लिए जम्मू का दौरा करेगा। समीक्षा प्रक्रिया पर मीडिया को जानकारी देने के लिए आयोग जम्मू में प्रेस कांफ्रेंस भी करेगा। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जब भी होगा, 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त किये जाने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद से पहला विधानसभा चुनाव होगा।

जम्मू कश्मीर में चुनावी कवायद आमतौर पर एक महीने तक चलती है। परिसीमन कवायद के बाद, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को आवंटित सीटों को छोड़कर विधानसभा सीट की संख्या 83 से बढ़कर 90 हो गई है। पिछले दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द कराए जाने के नये संकेत देते हुए निर्वाचन आयोग ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से कहा कि वह अपने गृह जिलों में तैनात अधिकारियों का तबादला कर दे। आयोग चुनाव से पहले यह कदम उठाता रहा है। आयोग लगातार यह नीति अपनाता रहा है कि चुनाव वाले राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गृह जिलों या उन जगहों पर तैनात नहीं किया जाए, जहां वे लंबे समय से कार्यरत रहे हैं।

राजस्थान में 25 हजार कर्मचारियों की विभिन्न पदों पर होगी भर्ती

जयपुर , एजेंसी।
राजस्थान विधानसभा में पानी पर चर्चा का जवाब देते हुए जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने स्वीकार किया कि विभाग में इतना भ्रष्टाचार है, अगर निचले स्तर तक कर्मचारियों पर कार्रवाई करें तो एक भी नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में अब तक 40 से ज्यादा अधिकारियों को निलंबित किया गया है। मंत्री ने कहा कि डिस्कॉम की तर्ज पर पीएचईडी विभाग में भी विजिलेंस विंग बनाने पर विचार किया जा रहा है, जो अवैध कनेक्शन को लेकर कार्रवाई करेगी। अवैध कनेक्शन करने वालों पर कड़ा जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग की स्थिति सुधारने को लेकर विभिन्न पदों पर करीब 25 हजार कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि कांग्रेस राज के दौरान जल जीवन मिशन (जेजेएम) में खूब गड़बड़ियां हुई थीं, जिसकी सजा हमें मिली है और लोकसभा चुनाव में

11 सीटों का नुकसान हुआ। कांग्रेस के पापों की सजा जनता ने हमें दी है। जनता तो यही कहती है कि हमने आपको सत्ता सौंप दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में हुए धीमी गति के कामों के कारण

मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने ईआरसीपी के नाम पर 5 साल केवल राजनीति की है।

हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही मध्य प्रदेश के साथ दिल्ली में एमओयू किया। इसके तहत प्रदेश को 3400 एमसीएम पानी मिलेगा। योजना को लेकर राजस्थान और मध्य प्रदेश में डीपीआर बन रही है, योजना पर 48 हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है, जिसमें 90 फीसदी राशि केंद्र सरकार देगी। मंत्री ने कहा कि राजस्थान में देश का क्षेत्रफल का करीब 10 फीसदी हिस्सा है और देश की लगभग 5.50 फीसदी आबादी यहां निवास करती है, लेकिन देश के कुल जल का लगभग 1.30 प्रतिशत यहां उपलब्ध है।

बिग बॉस में जाएंगे नवजोत सिंह सिद्धू? तस्वीर शेयर कर जगाई उत्सुकता

चंडीगढ़ , एजेंसी। दिग्गज क्रिकेटर और पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू बिग बॉस का हिस्सा हो सकते हैं। सिद्धू ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बिग बॉस शो की एक तस्वीर डाली है। इसकी कैप्शन में सिद्धू ने लिखा, मेजर सिद्धू इन बिग बॉस... ड्रीम कम ट्रू। यह तस्वीर शेयर करते ही उनके फैंस ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि वह बिग बॉस का हिस्सा बन सकते हैं। इससे पहले ?नवजोत सिंह सिद्धू साल 2012 में रियलिटी शो बिग बॉस 6 में कंटेस्टेंट रह चुके हैं। राजनीतिक कारणों से उन्हें शो से बाहर होना पड़ा। आज सिद्धू ने जो फोटो शेयर की है वह 2012 के बिग बॉस के एपिसोड की है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस फोटो को शेयर करने के पीछे की वजह क्या है। क्या वह सच में बिग बॉस का हिस्सा बनने वाले हैं या फिर बीते दिनों को याद करते हुए उन्होंने पुराने शो की तस्वीर शेयर की है। क्रिकेट करियर समाप्त करने के बाद सिद्धू ने टेलीविजन पर करियर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया। वे टीवी शो द कपिल शर्मा शो और कॉमेडी नाइट्स विद कपिल में नजर आए और अपने अंदाज से प्रशंसकों का दिल जीता। हाल ही में वह टी-20 विश्व कप की कमेंट्री करते भी नजर आए थे। नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू पिछले कुछ समय से कैंसर से जूझ रही हैं। सिद्धू अपनी पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर अपडेट सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं।

जज को ही धमकी देने लगे आईएएस अधिकारी, अब हाई कोर्ट ने लिया ऐक्शन; हाजिर होने का आदेश

श्रीनगर एजेंसी। जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट ने एक आईएएस अधिकारी को आपराधिक अवमानना मामले में हाजिर होने का आदेश दिया है। अधिकारी गांदरबल में डिप्टी कमिश्नर पर पर तैनात हैं। आईएएस अधिकारी श्यामबीर पर आरोप है कि उन्होंने चीफ जूडिशल मजिस्ट्रेट फयाज अहमद कुरैशी के आदेश के बाद उनसे बदला लेने की कोशिश की और निजी हमला किया गया। जज ने उनके खिलाफ मुआवजे के एक मामले में फैसला सुनाया था। कोर्ट ने उनकी सैलरी रोकने का भी आदेश दे दिया था। आदेश ना मानने पर कोर्ट ने उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू की। कई बार हाजिर होने का आदेश देने के बाद भी जब आईएएस अधिकारी कोर्ट में नहीं पेश हुए तो सब जज ने गुरुवार को मामले को हाई कोर्ट को सौंप दिया। बताया गया कि अधिकारी ने ना तो कोई प्रतिक्रिया दी और ना ही वह खुद कोर्ट में हाजिर हुए। इसके बाद जस्टिस संजीव कुमार और अतुल श्रीधरन ने आईएएस अधिकारी श्यामबीर 5 अगस्त को सुबह 11 बजे कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट के आदेश में कहा गया है. अगर समन मिलने के बाद भी अधिकारी कोर्ट में हाजिर नहीं होते हैं तो उनकी उपस्थिति

दारू समय पर बंद करवाऊंगा, बाकी सब 1 बजे तक खुला रहेगा; तेलंगाना सीएम का ऐलान

हैदराबाद, एजेंसी।
हैदराबाद के लिए अच्छी खबर है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा है कि हैदराबाद में अब सभी प्रकार के प्रतिष्ठानों को रात्रि 1 बजे तक खुले रहने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, इस आदेश में शराब की दुकानों को छूट नहीं दी गई है। यानी हैदराबाद में शराब की दुकानों को छोड़कर सभी दुकानें रात 1 बजे तक खुली रहेंगी।

तेलंगाना विधानसभा में इसकी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा, शराब की दुकानें उसी समय बंद होंगी जो उनका टाइम है। मैं दारू के खिलाफ हूं। दारू को समय पर बंद करवाऊंगा। अगर शराब की दुकानें ज्यादा देर तक खुली रहेंगी तो लोग ज्यादा शराब पीएंगे। मैं आधिकारिक तौर पर आदेश दे रहा हूं। किसी को कोई परेशानी नहीं होगी। मैं वादा करता हूं कि कोई समस्या नहीं होगी।

सीएम ने कहा, अकबर साहब ने उस दिन शिकायत की थी कि पुलिस रात 11 बजे के बाद पूरे शहर में लोगों पर हमला कर रही है और यह लोगों के लिए परेशानी का सबब है। मैं वादा करता हूं कि शहर, हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा कमिश्नरेट में शराब के अलावा रेस्तरां और अन्य सभी प्रतिष्ठानों को रात 1 बजे तक काम करने की अनुमति दी जाएगी।

इससे पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को विधानसभा में घोषणा की कि राज्य सरकार शहर में एक और अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का निर्माण करेगी। खेलों पर बहस के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि नया स्टेडियम बेगरीकांचा में कौशल विश्वविद्यालय के पास बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के बारे में बीसीसीआई के साथ प्राथमिक चर्चा पहले ही पूरी हो चुकी है। राज्य सरकार मार्गदर्शन के लिए हरियाणा की खेल नीति का भी अध्ययन कर रही है।

रेड्डी ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार राज्य में खेलों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है और उसने मौजूदा बजट में 321 करोड़ रुपये आवंटित

किए हैं। उन्होंने कहा कि यूसुफगुडा, गाचीबोवली, सरूरनगर और एल बी स्टेडियम जैसे मौजूदा स्टेडियमों में खेल गतिविधियों में कमी आई है, लेकिन राजनीतिक गतिविधियां बढ़ गई हैं।

पेरिस ओलंपिक

- सेन का अगला लक्ष्य ओलंपिक सेमीफाइनल

पेरिस, एजेंसी। ओलंपिक 2024 का 7वां दिन भारतीय एथलीटों के काफी कमाल का रहा। शुक्रवार के दिन कई भारतीय एथलीट एक्शन में नजर आए। इसी बीच भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए ओलंपिक 2024 में बैडमिंटन के मेंस सिंगल इवेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। लक्ष्य का अब अगला टारगेट भारत के लिए मेडल पक्का करना होगा।

सेमीफाइनल मैच को अगर वह जीत जाते हैं तो भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल तो पक्का हो ही जाएगा। लक्ष्य सेन इस ओलंपिक में काफी शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह एक के बाद एक अपने से टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को हरा रहे हैं और आगे बढ़ते जा रहे हैं।

कैसा रहा लक्ष्य का मैच

लक्ष्य सेन ने ओलंपिक 2024 में बैडमिंटन के मेंस सिंगल इवेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। लक्ष्य सेन ने अपने क्वार्टर फाइनल मैच में चाइनीज ताइपे के खिलाड़ी को हराया। उनके लिए इस मैच को जीत पाना आसान नहीं रहा। अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबला के पहले सेट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट में काफी करीब आकर 19-21 से हार गए, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने खुद को काबू में रखा और अगले दो सेट में कमाल का कमबैक किया।

ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर पहला सेट हार जाने के बाद बड़े से बड़े खिलाड़ी अपना आपा खो देते हैं, लेकिन लक्ष्य सेन ने ऐसा नहीं किया और पहला सेट हारने के बाद दूसरे सेट में जोरदार प्रदर्शन किया और इस सेट को 21-15 से अपने नाम किया। बस इसी मौके पर चाइनीज ताइपे खिलाड़ी ने अपना आपा खो दिया और सेन ने इस मौका का फायदा उठाया और तीसरे सेट में उन्हें 21-12 के अंतर से हरा दिया।

सेन ने रचा इतिहास

लक्ष्य सेन ने मेंस सिंगल इवेंट के फाइनल में जाकर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह ओलंपिक के मेंस सिंगल इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले किसी भी अन्य पुरुष खिलाड़ी ने बैडमिंटन में यहां तक का सफर नहीं तय किया था। हालांकि वुमेंस सिंगल में पीवी सिंधु ओलंपिक फाइनल तक खेल चुकी हैं।

- इमाने खेलीफ के बाद एक और विवादित मुक्केबाज की जीत से शुरुआत

महिला एथलीट पर जमकर बरसाए मुक्के

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में लैंगिक योग्यता का मामला चर्चा में है। गुरुवार को अल्जीरिया की इमाने खेलीफ महिलाओं की 66 किलोग्राम वर्ग के मुकाबले में इटली के एंजेला कारिनी के खिलाफ जीत हासिल की थी। मैच शुरू होने के 46 सेकंड बाद ही कारिनी ने मैच से हटने का फैसला किया था। उन्होंने कहा था कि खेलीफ के पंच इतने तगड़े थे कि उन्हें लगा कि वह चोटिल हो जाएंगी। खेलीफ का एक पंच कारिनी ने नाक पर जाकर लगी और वह दर्द के मारे कराह उठी थीं। बाद में खेलीफ पर पुरुष गुणसूत्रों वाला खिलाड़ी होने के आरोप लगे थे। खेलीफ को पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में एक्सवाई गुणसूत्र होने के आरोप लगे थे। सिर्फ खेलीफ नहीं, उस चैंपियनशिप में एक और खिलाड़ी को इसी वजह से बाहर किया गया था।

वह हैं ताइवान की लिन यू-टिंग। अब लिन यू ने भी पेरिस में अपने शुरुआती मुकाबले में महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान की सितोरा तुर्दीबेकोवा को सर्वसम्मत अंक के फैसले पर हराया। हालांकि, इस दौरान लिन यू टिंग महिला मुक्केबाज पर जमकर मुक्के बरसाती दिखीं। हालांकि, लिन ने तुर्दीबेकोवा को शक्ति के बजाय चालाकी से हराया। जैब्स के साथ स्कोर करने के लिए अपनी पहुंच का उपयोग किया और लड़ाई को एकतरफा बनाने के लिए उज्बेक खिलाड़ी के प्रयासों को दरकिनार कर दिया। जीत के बाद लिन ने मीडिया से बात करने से परहेज किया।

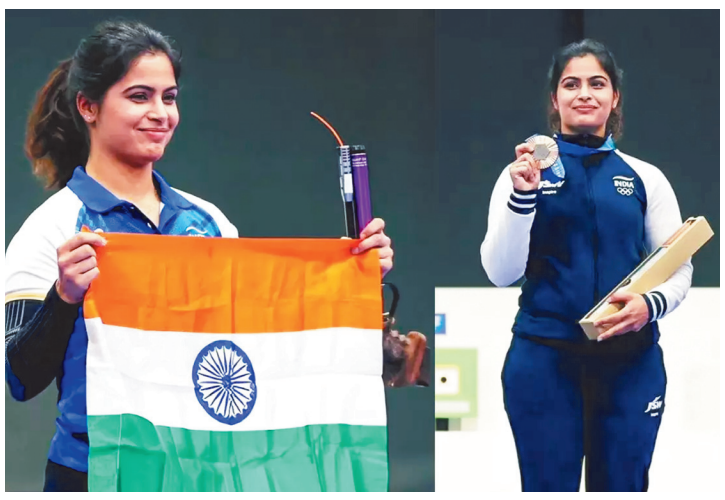

हैट्रिक से चूकने के बावजूद पेरिस से इतिहास रचकर लौटेंगी बुलेट क्वीन मनु भाकर

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत की स्टार शूटर मनु भाकर का सफर शनिवार (3 अगस्त) को समाप्त हो गया। 25 मीटर पिस्टल इवेंट में वह मेडल नहीं जीत पाईं। हालांकि, उन्होंने दो मेडल जीतने के साथ-साथ एक ही ओलंपिक में 3 फाइनल में जगह बनाकर पहले ही इतिहास रच दिया था।

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल इवेंट में मनु चौथे स्थान पर रहीं। इससे पहले मनु 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीती थीं। पेरिस खेलों में इस पदक से भारत का खाता खुला था। इसके बाद 10 मीटर मिक्सड टीम ब्रॉन्ज मेडल इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। भारत ने तीन पदक जीते हैं। तीनों पदक शूटिंग में मिले हैं। मनु एक खेल में 2 मेडल जीतने वालीं भारत की तीसरी एथलीट हैं। उनसे पहले ऐसा बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और पहलवान सुशील कुमार कर चुके हैं।

मनु एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वालीं भारत की पहली एथलीट हैं। उनके अलावा किसी और पुरुष या महिला एथलीट ने ऐसा नहीं किया है। मनु से पहले पीवी सिंधु भी हैट्रिक से चूक गई थीं। 2016 और 2021 ओलंपिक में मेडल जीतने के बाद 2024 में उनके पास हैट्रिक का मौका था, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। अब मनु भी हैट्रिक नहीं जीत पाईं।

टीम इंडिया में वापसी से पहले मोहम्मद शमी खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

- खुद दिया बड़ा अपडेट

नईदिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी आखिरी बार 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में मैदान पर दिखाई दिए थे. शमी इन दिनों इंजरी से रिकवर हो रहे हैं. अभी भारतीय पेसर को लेकर यह साफ नहीं हो पाया है कि कब टीम इंडिया में उनकी वापसी होगी. हालांकि शमी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से पहले घरेलू क्रिकेट खेल सकते हैं. घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद शमी की टीम इंडिया में वापसी होगी. भारतीय सीमर ने खुद घरेलू क्रिकेट खेलने के बारे में बात की.

शमी को कोलकाता में ईस्ट बंगाल क्लब ने सम्मानित किया. इसी सम्मान समारोह के दौरान शमी ने अपनी वापसी को लेकर बात की. भारतीय पेसर ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि मैं कब वापस आऊंगा. मैं बहुत कोशिश कर रहा हूं लेकिन दोबारा भारतीय जर्सी पहनने से पहले आप मुझे बंगाल के कलर्स में देखेंगे. मैं बंगाल के लिए 2-3 मैच खेलने आऊंगा और पूरी तैयारी से आऊंगा. बता दें कि कुछ वक्त पहले ही बीसीआई के सचिव जय शाह ने सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का हिस्सा रहने वाले खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने की बात कही थी.

आगे इंजरी को लेकर बात करते हुए शमी ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि चोट इतनी गंभीर होगी. इसको टी20 वर्ल्ड कप के बाद देखने का प्लान था क्योंकि पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप के बाद आईपीएल और फिर तुरंत बाद टी20 वर्ल्ड कप था. लेकिन यह वनडे वर्ल्ड कप के दौरान और गंभीर हो गई और मैंने इसके साथ खेलने का रिस्क नहीं लिया. यहां तक डॉक्टर्स भी नहीं सोच सकते थे कि चोट इतनी गंभीर हो जाएगी और इसको ठीक होने में इतना टाइम लगेगा.

वनडे वर्ल्ड कप में बरपाया था कहर

गौरतलब है शमी ने 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में सिर्फ 7 मैच खेले थे. 7 मैच खेलने के बाद वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ थे. भारतीय पेसर ने कुल 24 विकेट अपने नाम किए थे.

हार्दिक को रिलीज करेगी मुंबई इंडियंस?

नईदिल्ली, एजेंसी। कुछ दिन पहले बीसीसीआई के वानखेड़े ऑफिस में आईपीएल के अधिकारियों और टीम मालिकों के बीच मीटिंग हुई. कुछ टीमों के मालिक इस मीटिंग के लिए बीसीसीआई ऑफिस में उपस्थित हुए तो कुछ ने वर्चुअली इसमें हिस्सा लिया. मीटिंग से कई हैरान करने वाली खबरें भी सामने आईं. हालांकि, इस बीच एक और बड़ी खबर आई है. यह खबर मुंबई इंडियंस के खेमे से जुड़ी है.

रिपोर्ट्स की मानें तो मुंबई इंडियंस अपने कप्तान हार्दिक पांड्या को रिलीज करने वाली है. दरअसल, मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 से पहले हार्दिक पांड्या को दोबारा अपनी टीम से जोड़ा था. साथ ही फ्रेंचाइजी ने रोहित शर्मा से कप्तानी लेकर इस स्टार ऑलराउंडर को दे दी थी.

फिर भी टीम कुछ कमाल नहीं कर सकी और प्लेऑफ तक में जगह नहीं बना सकी. अब खबर है कि मुंबई इंडियंस हार्दिक पांड्या को रिलीज कर देगी.

नियमों में नहीं हुए बदलाव तो चार खिलाड़ी रिटेन कर सकेंगी टीमें

आईपीएल के नियमों के हिसाब से हर तीन साल में मेगा ऑक्शन का आयोजन होता है. इस बार दिसंबर में फिर मेगा ऑक्शन होगी. ऐसे में सभी 10 टीमों को सिर्फ चार-चार खिलाड़ी ही रिटेन करने की अनुमति होगी. हालांकि, एक रिपोर्ट यह भी है कि इस बार रिटेन करने वाले खिलाड़ियों की सख्या में इज़ाफा हो सकता है.

अभी तक बीसीसीआई या आईपीएल ने इसे लेकर कुछ नहीं कहा है. पर रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अब पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया जा सकेगा.

इन 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है मुंबई इंडियंस

सूत्रों के मुताबिक, मुंबई इंडियंस किसी भी सूरत में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह को अपने साथ रखना चाहती है. ऐसे में फ्रेंचाइजी हार्दिक पांड्या को रिलीज करेगी, क्योंकि सूर्यकुमार अब टी20 फॉर्मेट में देश के कप्तान हैं. ऐसे में फ्रेंचाइजी उन्हें अपनी टीम की कमान सौंप सकती है.

रोहित भी सूर्या की कप्तानी में खेलने में सहज होंगे. रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि मुंबई इंडियंस आईपीएल 2025 के लिए सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा को रिटेन कर सकती है. इसमें कोई शक नहीं है कि फ्रेंचाइजी अब नए सिरे से टीम तैयार करना चाहती है. ऐसे में आगामी सीजन में हमें टीम में कई नए खिलाड़ी देखने को मिल सकते हैं.

इंडिया वर्सेस श्रीलंका

14 गेंद में एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं : रोहित शर्मा

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में जीत की स्थिति में होने के बावजूद भारतीय टीम को टाई से संतोष करना पड़ा। श्रीलंका ने पहले खेलते हुए 230 रन बनाए थे। भारतीय टीम को 14 गेंदों पर एक रन चाहिए था लेकिन अर्शदीप के रूप में आखिरी विकेट गिर जाने के कारण मुकाबला टाई हो गया। मैच के बाद निराश भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को श्रीलंका के खिलाफ मैच में जीत के लिए 14 गेंद में एक रन बना लेना चाहिए था। भारतीय टीम 231 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 58 रन की तेज पारी के बावजूद 47.5 ओवरों में 230 रन पर सिमट गई।

भारतीय खिलाड़ी श्रीलंका के 4 स्पिनरों के सामने कभी सहज नहीं रहे। कप्तान रोहित ने मैच के बाद कहा कि स्कोर हासिल किया जा सकता था। लेकिन इसके लिए आपको अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। हमने टुकड़ों में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन लय नहीं बना पाए। हमने अच्छी शुरुआत की। लेकिन हमें पता था कि स्पिन आने पर खेल बदल जाएगा। हमने कुछ विकेट गंवा दिए और पिछड़ गए। कप्तान ने ज्यादा आलोचना नहीं करते हुए कहा कि हमने अक्षर पटेल और केएल राहुल के बीच साझेदारी से वापसी की। लेकिन इनके आउट होने से फिर संतुलन गड़बड़ा गया। 14 गेंद में एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं.

मीराबाई चानू से इस बार गोल्ड की आस

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली देश की स्टार वेटलिफ्टर सेखोम मीराबाई चानू से इस बार गोल्ड मेडल की आस है. इम्फाल के नॉनपोक काकचिंग की यह एथलीट 49 किलो भारवर्ग में वजन उठाकर गोल्ड मेडल का जोर लगाएंगी. पेरिस ओलंपिक में इस कैटिगरी में क्वॉलीफाई कर चुके बाकी एथलीट्स को देखें तो फिलहाल दुनिया में सिर्फ एक ही वेटलिफ्टर है, जिसने मीराबाई से ज्यादा वजन उठाया है.

मीराबाई ने 2022 कॉमनवेल्थ खेलों में भी गोल्ड अपने नाम किया था और उन्होंने वर्ल्ड चैम्पियनशिप्स में भी सिल्वर मेडल जीता था. लेकिन वह 2022 एशियाई खेलों में अपना जलाव नहीं दिखा पाई थीं. अगर मीराबाई चानू पेरिस ओलंपिक में फिट रहती हैं और अपने इवेंट के दिन वह अपना पूरा दमखम झोंक पाईं तो फिर कोई कारण नहीं है कि उनके पास पीला तमगा न हो.

भारतीय फैन्स इस बार उनके स्नैच, क्लीन और जर्क राउंड में बेहतरीन तालमेल के साथ सबसे ज्यादा वजन उठाते देखने को बेताब हैं. उन्होंने कॉमनवेल्थ खेलों में कुल 201 किलो वजन उठाकर सोने का तमगा अपने नाम किया था, तब उनके मुकाबले में उनके आसपास भी कोई नहीं थी. इन खेलों में सिल्वर मेडल अपने नाम करने वाली उनकी प्रतिद्वंद्वी ने सिर्फ 172 किलो भार ही उठाया था. चानू का टारगेट इस बार अपने दोनों राउंड की वेटलिफ्टिंग में अधिकतम 115 किलो का वजन उठाने पर होगा.

पेरिस ओलंपिक

भारत का हॉकी क्वार्टरफाइनल में

- ग्रेट ब्रिटेन से मुकाबला

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलांपिक में शानदार प्रदर्शन कर रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम का क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन से रविवार को मुकाबला होगा। रविवार 4 अगस्त को, पूल ए विजेता जर्मनी का क्वार्टर फाइनल मुकाबला रियो 2016 के स्वर्ण पदक विजेता अर्जेंटीना से होगा, जो पूल बी में चौथे स्थान पर रहा, पूल बी टेबल-टॉपर्स और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम का सामना पूल ए की चौथे स्थान पर रहने वाली टीम स्पेन से होगा। नीदरलैंड पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा और अब अंतिम आठ में उसे पूल बी में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करना होगा, जिसमें पूल बी उपविजेता भारत पूल ए में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगा।

भारतीय पुरुष टीम ने म्यूनिख 1972 के लगभग 52 साल बाद ऑस्ट्रेलिया पर अपनी पहली ओलंपिक हॉकी जीत हासिल की, क्योंकि टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कूकाबुरास के खिलाफ 3-2 की जीत में दो बार स्कोर करके पूल में दूसरा स्थान सुनिश्चित किया। मॉस्को 1980 के बाद भारत को अपना पहला स्वर्ण पदक दिलाने की उम्मीद रखने वाले हरमनप्रीत ने कहा, हमने (टूर्नामेंट) जीत के साथ शुरू किया था, और हमने फैसला किया कि हम एक विजयी मैच के साथ समापन करेंगे।

भारत के शमशेर सिंह ने अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल विजेता टीमों के बीच छह अगस्त को खेले जाएंगे। भारत ने पिछले टोक्यो ओलम्पिक में कांस्य पदक जीता था।

पेरिस ओलंपिक में गर्लफ्रेंड के गोल्ड मेडल जीतते ही बॉयफ्रेंड ने किया ये काम

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अभी तक 7 दिनों के खेल पूरे हो चुके हैं. हर एक देश ज्यादा से ज्यादा मेडल जीतने की कोशिश कर रहा है. इस बार ओलंपिक में कुछ विवाद भी देखने को मिल रहे हैं. लेकिन इस सब के बीच फैंस को एक प्यार भरा पल भी देखने को मिला है. चीन की एक खिलाड़ी ने लिए ये ओलंपिक सबसे ज्यादा यादगार बन गया है.

ये खिलाड़ी इस बार ओलंपिक में गोल्ड मेडल के साथ-साथ अपना शादी का प्रपोजल पाने में कायमाब रही है. चीन की बैडमिंटन खिलाड़ी हुआंग या कियोंग पेरिस ओलंपिक को अपने जीवन में कभी नहीं भूल पाएंगी. उन्होंने 2 अगस्त को साथी खिलाड़ी झेंग सिवेई

के साथ मिलकर मिक्स्ड डबल्स में गोल्ड मेडल जीता. चीन की इस खिलाड़ी ने साउथ कोरिया की किम वोन हो और जियोंग ना युन की जोड़ी को हराया.

इस मैच में चीन की छोड़ी का दबदबा देखने को मिला और 41 मिनट में 21-8, 21-11 से साउथ कोरिया की जोड़ी को हरा दिया. मिक्स्ड डबल्स का इवेंट खत्म होने के बाद मेडल सेरेमनी हुई, जहां हुआंग या कियोंग ने अपना गोल्ड मेडल हासिल किया. ये वो पल होता है जिससे कुछ दिन तक खिलाड़ी बाहर नहीं निकल पाते हैं.

हुआंग या कियोंग भी काफी खुश थीं, तभी या कियोंग के बॉयफ्रेंड लियू युचेन ने उन्हें प्रपोज किया, जिसके देखकर हर कोई हैरान रह गया, जिसे वो ना नहीं कर पाई. बॉयफ्रेंड लियू युचेन ने घुटने पर बैठकर प्यार का इजहार किया और हुआंग याकियोंग को रिंग पहनाई. बता दें, लियू युचेन भी बैडमिंटन खिलाड़ी हैं और चीन के लिए खेलते हैं.

संक्षिप्त समाचार

पलामू पुलिस ने अपराधी विशाल चौधरी को किया गिरफ्तार, मुठभेड़ के दौरान लगी थी गोली

पलामू, एजेंसी। पलामू पुलिस ने एक बड़े अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता पायी है. विशाल चौधरी को अरेस्ट कर लिया गया है. उनकी गिरफ्तारी शुक्रवार को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के बाद हुई. बताया जाता है कि मुठभेड़ के दौरान उन्हें गोली लगी थी, जिसके बाद वह एक जंगल में छिप गया था. पुलिस ने उसे लंबे समय तक चली खोजबीन के बाद धर दबोचा. फिलहाल वह मेदिनीनगर एमएमसीएच में भर्ती है. जानकारी के मुताबिक अपराधी विशाल चौधरी कई ज्वेलरी दुकानों की लूटपाट कांड में भी शामिल रहा है. इसके अलावा वह उग्रवादी संगठन के लिए भी काम कर चुका है. पुलिस को उसकी लंबे समय से तालाश थी. लेकिन वह हर बार पुलिस की चुंगल से बच निकलता था. पुलिस को उसके अलावा एक अपराधी की मोनू सोनी भी तलाश थी. लेकिन वह बच निकला. बताया जाता है कि वह कई अपराधिक घटनाओं का मास्टर माइंड रहा है. शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में वह भी शामिल था लेकिन वह मौके पाते ही फरार हो गया.

भारी बारिश से रांची एयरपोर्ट के रन-वे पर भरा पानी, कई विमान लेट

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची और देश की राजधानी दिल्ली में हुई भारी बारिश का असर रांची की विमान सेवा पर भी देखा गया. दिल्ली से रांची आने वाले कई विमान घंटों विलंब से यहां पहुंचे. विमानों के देरी से आने की वजह से रांची से विमानों ने देर से उड़ान भरी. विमान यात्रियों को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर घंटों इंतजार करना पड़ा. दिल्ली से 6 विमान शुक्रवार को विलंब से रांची पहुंचे. एयर इंडिया एक्सप्रेस का रांची-दिल्ली विमान सुबह 10:20 बजे के स्थान पर 10:41 बजे उड़ा. एयर इंडिया एक्सप्रेस का रांची-दिल्ली विमान दोपहर 1:30 बजे के स्थान पर दोपहर 2:14 बजे, इंडिगो का रांची-दिल्ली विमान दोपहर 2:40 बजे के स्थान पर शाम 7:28 बजे उड़ा. इसी तरह विस्तारा का रांची-दिल्ली के विमान ने विमान दोपहर 3:40 बजे के स्थान पर शाम 4:39 बजे, इंडिगो का रांची-दिल्ली विमान शाम 5:30 बजे के स्थान पर शाम 6:56 बजे व एयर इंडिया एक्सप्रेस का रांची-दिल्ली विमान शाम 6:35 बजे के स्थान पर शाम 7:22 बजे उड़ान भरी. इस बाबत एयरलाइंस के अधिकारी ने बताया कि बारिश व एयर ट्रैफिक के कारण विमान विलंब से पहुंचे और गये.

सेवानिवृत्त माइनिंग सरदार के आवास पर डाका, पिस्टल का भय दिखा कर नगदी व 10 लाख का गहना ले भागे अपराधी

तेतुलमारी, एजेंसी। तेतुलमारी थाना क्षेत्र के पीएसटी स्टेशन मार्ग निवासी बीसीसीएल के सेवानिवृत्त माइनिंग सरदार मनी महतो के आवास में गुरुवार की रात अपराधियों ने डाका डाला. पिस्तौल का भय दिखाकर करीब दस लाख रुपये के सोने के जेवरात और नकद करीब एक लाख रुपये ले भागे. गृहस्वामी ने बताया कि अपराधियों ने आवास के मेन गेट में लगे ताले को तोड़कर घर में प्रवेश किया. उसके बाद मुख्य दरवाजे के बगल में सो रहे उन्हें तथा उनकी पत्नी कुंती देवी को पिस्तौल तथा छुरा का भय दिखाकर कब्जे में ले लिया. उसके बाद अपराधियों ने तीन कमरों में बक्शा, अलमारी तोड़कर सोने के जेवरात तथा नगद करीब एक लाख रुपये लेकर चलते बने. गृहस्वामी ने बताया कि घटना करीब 12-30 बजे रात की है. ढाई घंटे तक घर में रहकर अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया. अपराधी नकाबपोश में थे और छह की संख्या में थे. घर में बुजुर्ग पति-पत्नी के अलावा एक छोटी बच्ची थी. गृहस्वामी के तीनों पुत्र बाहर में थे. मनी महतो ने बताया कि अपराधियों ने मारपीट की. लुटे गये आभुषणों में सोने का हार, चेन, कंगन, बाला, मोबाइल अन्य कीमती सामग्री शामिल हैं. सुबह गृहस्वामी के आवास पर लोगों की भीड़ जुट गयी. कुंती देवी रो-रो कह रही थी कि जीवन भर की कमाई अपराधी लूट कर ले भागे. इस घटना से वह काफी आहत हैं. घटना की सूचना पाकर रात में ही तेतुलमारी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की. शुक्रवार की सुबह भी गृहस्वामी के आवास पहुंचकर जांच पड़ताल की. इस मामले में तेतुलमारी थानेदार लव कुमार चौधरी ने कहा कि बाहर में है. घटना की सूचना मिली है.

बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन, सभी उपायुक्तों को किया गया अलर्ट

रांची, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से झारखंड के सभी जिलों के उपायुक्तों को अलर्ट किया गया है. मौसम विभाग ने कहा है कि 4 अगस्त से 2-3 दिन तक झारखंड में मौसम साफ रहेगा. भारत मौसम विज्ञान विभाग के रांची स्थित मौसम केंद्र ने 3 अगस्त को भी तेज हवा और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. इसके मद्देनजर आपदा प्रबंधन विभाग ने भी लोगों से अलर्ट रहने को कहा है.

गुरुवार रात से शुक्रवार देर रात तक लगातार होती रही बारिश से पूरी राजधानी पानी-पानी हो गयी. न्यू शांतिपुरम, न्यू नगर बांधगाड़ी इलाके में पानी भर जाने से वहां रहनेवाले लोग अपने घर में ही बंधक बन गये. घर के बाहर रखी गाड़ियां आधी से अधिक डूब चुकी थीं. लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए एनडीआरएफ की टीम की मदद लेनी पड़ी.

अत्यधिक बारिश के कारण रांची-कुडू मुख्य मार्ग (ओल्ड एनएच-75) पर रातू से पहले बना डायवर्सन क्षतिग्रस्त हो गया है. इस पर वाहनों का प्रवेश और परिचालन रोक दिया गया है. मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार देर रात 1:00 बजे से शुक्रवार की रात 8:00 बजे तक रांची में

लगभग 145 मिमी बारिश हो चुकी थी. इसके बाद भी लगातार बारिश होती रही.

राजधानी रांची में इस वर्ष की यह सबसे अधिक बारिश है. राजधानी में शनिवार दोपहर बाद से मौसम में सुधार की उम्मीद है. मौसम विभाग ने शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. मौसमि वभाग के पूर्वानुमान के आधार पर मुख्यमंत्री ने राज्यभर के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को शनिवार को बंद रखने का निर्देश दिया है. आदेश के तहत केजी से लेकर 12वीं तक की सभी कक्षाएं स्थगित रहेंगी.

शुक्रवार को रांची, दुमका, जामताड़ा, देवघर, बोकारो, धनबाद, हजारीबाग, चतरा, गिरिडीह, कोडरमा, खूंटी, पलामू, लोहरदगा, गुमला आदि जगहों में भारी बारिश हुई. कई इलाके जलमग्न हो गये और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया. मौसम विभाग ने तीन अगस्त को भी कई जगहों पर भारी बारिश की संभावना जतायी है. पलामू, गढ़वा, लातेहार, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा आदि इलाके में गरज के साथ भारी बारिश हो सकती है.

इधर, रांची के तीनों डैम का जलस्तर बढ़ गया. वहीं, पोटपोटो और जुमार नदी उफान पर है. शहर के लगभग सभी नाले भर गये. हरमू मुक्तिधाम के पास पुल के ऊपर से पानी बहने लगा. कांके रोड कृषि भवन के सामने की सड़क तालाब बन गयी. उधर, हिंदपीढ़ी में कई घरों में बारिश का पानी घुस गया.

डेली मार्केट के पास नाले का गंदा पानी सड़क के बीच बहने लगा, जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई. कचहरी के पास भी सड़क पर तालाब की स्थिति बन गयी. हरमू, विद्यानगर में पानी भर जाने से लोगों को दिक्कतें हुई. राजधानी के एसएस मेमोरियल कॉलेज, डोरंडा कॉलेज कैंपस सहित पीजी कॉमर्स विभाग के अंदर पानी भर गया. विद्यार्थी सहित शिक्षक बाहर निकल गये.

स्कूल खुला रहने के कारण छुट्टी होने के बाद विद्यार्थियों सहित अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. सड़क पर जहां-तहां पानी का जमाव होने से वाहनों से जाम की स्थिति बनी रही. रातू रोड के कई निचले इलाके में डूब की स्थिति बन गयी. भारी बारिश से जहां रातू रोड, कांटाटोली व सिरमटोली-मेकन फ्लाइओवर का कार्य बाधित हो गया, वहीं सड़क पर पानी भर जाने से आने-जाने वालों को काफी मशक्कत करनी पड़ी.

पिछले 24 घंटे से लगतार हो रही बारिश के कारण संताल परगना में नदिया उफन पर हैं. खेत-खलिहान पानी से लबालब हैं. साहिबगंज में गंगा व गुमानी नदी उफान पर हैं. बासुकिनाथ के पास रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया है. इससे दुमका व गोड्डा जानेवाली सभी ट्रेनें रद्द कर दी गयी हैं. मिर्जाचौकी में रेलवे फाटक के पास पासी टोला मुहल्ले में कई घरों में नालों का गंदा पानी घुस गया.

धनबाद में 24 घंटे से ज्यादा समय तक लगातार बारिश होने की वजह से शहर और आसपास के इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. कतरास में पांच दुकानें धंस गयीं. गोधर में गैस रिसाव से अंधेरा छा गया और आसपास के लोगों का सांस लेना मुश्किल होने लगा है. बीसीसीएल ने कोलियरियों को लेकर अलर्ट जारी कर अंडर ग्राउंड माइंस, नदी और तालाब के किनारे के ओपेन कास्ट माइंस को सजग रहने को कहा है. राज्य में बारिश हो रही है. ऐसे भी बहुत कम बारिश हुई थी. हम बारिश की उम्मीद कर रहे हैं. बारिश से नुकसान की सूचना आ रही है. सरकार इसको देख रही है. अगले एक-दो दिन और बारिश की संभावना है. इससे निबटने की तैयारी है.

मधुबन में अभाविप की केंद्रीय कार्य समिति की दो दिवसीय बैठक शुरू

पीरटांड़, एजेंसी। जैनियों के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल पारसनाथ के मधुबन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की केंद्रीय कार्यसमिति की दो दिवसीय(तीन व चार अगस्त) बैठक शनिवार से शुरू होगी. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की इस केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में अभाविप राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजशरण शाही, राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत, एस. बालकृष्ण, गोविंद नायक समेत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य तथा अभाविप के आयाम, कार्य, गतिविधि, कार्य विभाग के राष्ट्रीय प्रमुख तथा संयोजक के साथ-साथ मित्र राष्ट्र नेपाल के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे. बैठक की शुरुआत शनिवार को पूर्वाह्न 9:30 बजे होगी.विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यसमिति की यह बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण होगी. बैठक में विद्यार्थी परिषद की पिछली गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी योजनाओं का निर्धारण होगा. विद्यार्थी परिषद की इस केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय होंगे. शिक्षा, समाज, वर्तमान परिदृश्य आदि विभिन्न विषयों सहित संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के बाद आगामी दिशा-योजना निर्धारित होगी तथा अभाविप के पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों के वृत्त तथा अनुभव पर चर्चा होगी. इस बैठक में विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में हो रहे परिवर्तन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की स्थिति, अभाविप की संगठनात्मक गतिविधियों पर संवाद के साथ शिक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलावों, देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में 2024 में आयोजित होने के लिए प्रस्तावित छात्रसंघ चुनावों समेत परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने के उपाय आदि अन्य प्रमुख बिंदुओं पर भी विचार विमर्श कर संगठनात्मक दिशा तय होगी.

सरकारी जमीन पर बनाए कार्यालय, पैसा कहां से आया, हेमंत सोरेन का भाजपा से तीखा सवाल

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन भाजपा पर जमकर निशाना साधा। भाजपा विधायकों के भारी हंगामे और शोरगुल के बीच उन्होंने राज्य सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ राजनीतिक मोर्चा पर घेराबंदी की।

34 मिनट के संबोधन में उन्हें केंद्र की नीतियों पर भी प्रहार किया। उन्होंने राज्य के सभी जिलों में बनाए गए भाजपा कार्यालय पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई कार्यालय सरकारी और गैर मजरूआ भूमि पर बनाए गए। इस क्रम में हत्याएं भी हुई। सवाल उठाया कि ये हमें जेल में डालते हैं, लेकिन इन्हें बताना चाहिए कि सभी जिलों में भाजपा कार्यालय बनाने के लिए पैसा कहां से आया इनके पीछे सीबीआइ क्यों नहीं लगती है

भाजपा कार्यालयों की तस्वीरें दिखाते हुए उन्होंने कहा कि यह उनका कच्चा चिट्ठा है। पांच साल में इन्होंने

जमीन लूटी है। चोरी नहीं, डाका डालने का काम किया है। कुछ जिले में जमीन के लिए मर्डर हुआ। कहीं दो-दो मर्डर हुए। इनको जनता से कुछ लेनादेना नहीं है। ये छल-प्रपंच और झूठ-फरेब की दुकान चलाते हैं।

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि उनके राज्य में लोग डूब रहे हैं और वे वोट के लिए यहां भ्रम फैला रहे हैं। हम उनके राज्य के लिए पैसे दे रहे हैं और ये झारखंड का भ्रमण करते हैं। ये असम से झारखंड को लूटने आए हैं। इनका असम से भी सफाया हो जाएगा।

भाजपा द्वारा नियुक्तियों को लेकर सदन में हंगामा करने पर आड़े हाथों लेते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि हमलोगों ने गैर सरकारी संस्थानों में एक लाख से अधिक लोगों को नियुक्ति दिया। सरकारी विभागों में हजारों नियुक्तियां हुई। कई जिलों में जाकर हजारों बच्चों को नियुक्ति पत्र अपने हाथ से दिया। आज ये बच्चे देश-विदेश में नौकरी और स्वरोजगार कर रहे हैं। सरकारी नौकरी में इन्होंने 20 साल में नियमावली नहीं बनाई। सारी नियुक्ति नियमावली हमारे शासनकाल में बनी। नियुक्तियों के लिए नियोजन और स्थानीय नीति बनाया।

उन्होंने कहा कि ये पीठ में छुरा मारते हैं। सामने से वार करने की क्षमता नहीं है। ये कोर्ट-कचहरी और गवर्नर के माध्यम से सरकार को ध्वस्त करना चाहते थे। नियोजन नीति के खिलाफ भाजपा का एक सक्रिय कार्यकर्ता कोर्ट गया। ये हमको रोकने का काम करते हैं। हमने कानून बनाया तो उसे असंवैधानिक बताते हैं और ये करते हैं तो संवैधानिक बताते हैं। हमने पहली बार वैज्ञानिक नियुक्ति किए। रिम्स में ग्रेड ए की नर्सों की नियुक्ति निकाली।लिपिक लेखा पदाधिकारी की नियुक्ति की।हेमंत सोरेने ने कहा कि नियुक्तियों मे यहां के 83 प्रतिशत आदिवासी-मूलवासी को नियुक्त किया। कइयों में 100 प्रतिशत नियुक्ति इन्हीं लोगों की हुई। इनको आइना दिखाएंगे। पंचायत सचिव, पंचायत कर्मचारी, आइटीआइ प्रशिक्षक, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता, पशु चिकित्सक, आयुष शिक्षक, उद्यान पदाधिकारी नियुक्त नियुक्त किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लोग सिर्फ समय बर्बाद करेंगे। ये लोग इसे अंतिम सत्र सत्र कह रहे, लेकिन यह अनवरत चलने वाला सत्र है। महिला सशक्तीकरण के लिए हमने दस हजार करोड़ दिए। कोरोना में एक आइसीयू बेड नहीं था।

झारखंड में फिर बह गया पुल, बोकारो से रांची के लिए नहीं चली एक भी बस, लोग परेशान

गोमिया, एजेंसी। झारखंड में दो दिन से हो रही भारी बारिश की वजह से कई पुल-पुलिया ध्वस्त हो गए. शुक्रवार की देर रात रांची के रातू रोड में गरगा नदी पर बना डायवर्सन बह गया, तो शनिवार को सुबह-सुबह बोकारो जिले में बोकारो नदी पर बना पुल बह गया. इसमें एक ग्रामीण के भी पानी में बह जाने की सूचना है.

जिले के गोमिया प्रखंड में करोड़ों की लागत से बना पुल बह गया. होसिर पंचायत और सियारी पंचायत को जोड़ने वाला पुल सुबह-सुबह बह गया. मुखिया ने बताया कि गोमिया प्रखंड में लगातार 24 घंटे से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिसकी वजह से बोकारो नदी का जलस्तर बढ़ गया. नदी की तेज धार में पुल का एक हिस्सा टूटकर बह गया.मुखिया ने बताया कि एक व्यक्ति पानी में बह गया. एक अन्य ग्रामीण बहने से बच गया. बोकारो जिले के गोमिया और पेटरवार पथ को जोड़ने वाले इस पुल के बह जाने की वजह से आवागमन पूरी तरह से ठप है. नदी उफनाई हुई है, जिसकी वजह से पेटरवार और हजारीबाग के बीच आवागमन ठप हो गया है.झारखंड की राजधानी रांची जाने वाली एक भी बस आज बोकारो से नहीं चली. रांची जाने वाले लोगों को बसों के नहीं चलने की वजह से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा.

बारिश से बढ़ा जलाशयों का जलस्तर, कांके डैम में खतरे के निशान से केवल दो फीट कम है पानी

रांची, एजेंसी। रांची में शुक्रवार को हुई बारिश से डैमों का जलस्तर भी बढ़ा है. कांके डैम में खतरे के निशान से सिर्फ दो फीट पानी कम है. इस डैम का अधिकतम जलस्तर 28 फीट है. शुक्रवार की देर रात इसका जलस्तर बढ़कर 26 फीट एक इंच हो गया है.

राजधानी की 80 फीसदी आबादी को पानी पहुंचाने वाला रुक्का डैम का जलस्तर बढ़कर 24 फीट 5 इंच हो गया है. इस डैम की अधिकतम क्षमता 36 फीट है. पिछले वर्ष 02 अगस्त को डैम में 18 फीट 2 इंच पानी था. फिलहाल इस डैम में छह फीट अधिक पानी है.

इधर, हटिया डैम में पिछले वर्ष की तुलना में 5 फीट पानी कम है. वर्तमान में रांची के हटिया डैम का जलस्तर लगभग 20 फीट है. पिछले वर्ष दो अगस्त को इस डैम में 25 फीट पानी था. इस डैम की अधिकतम क्षमता 39 फीट है. मौसम विभाग के अलर्ट के बाद रांची नगर निगम सक्रिय हो गया. आने वाले दिनों में तेज बारिश की संभावना को देखते हुए जलजमाव और यातायात में बाधा उत्पन्न होने जैसी परिस्थिति बन सकती है. निगम ने मौसम को देखते हुए लोगों से सावधानी बरतने की

अपील की है. साथ ही इलाके में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल सूचना निगम के टोल फ्री नंबर 18005701235 या 8141231235 पर देने की अपील की गयी है. नगर निगम की ओर से कहा गया कि सूचना देने के बाद जलजमाव वाले मोहल्ले में निगम की टीम जायेगी निगम ने लोगों से अपील की है कि बहुत जरूरी हो, तभी बारिश के बची घरों से निकलें.

रांची सिटीजन फोरम के अध्यक्ष दीपेश निराला ने राजधानी में जलजमाव के लिए रांची नगर निगम की लचर व्यवस्था को जिम्मेवार ठहराया है. उन्होंने कहा कि रांची के नाला और नाली की सफाई के लिए कोई विशेष अभियान नहीं चला. रांची नगर निगम केवल दावे करता रहा. निगम के दावे की वास्तविक स्थिति क्या है, वह आज बारिश के बाद सामने आ गयी. निगम की पोल खुल चुकी है. आगे से निगम को इस कार्य पर फोकस करने की जरूरत है. नहीं, तो हमेशा ऐसे स्थिति उत्पन्न होगी.

जोरिया में बाढ़, करमाटांड़ कॉलोनी के 400 परिवार घरों में कैद

जोरिया, एजेंसी। जोरिया पुल पर काफी ऊपर तक बह रहा है पानी, सुबह बच्चे नहीं जा पाये स्कूल दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश से बलियापुर प्रखंड के कहालडीह जोरिया में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी है. पुलिया से काफी ऊपर तक पानी बह रहा है. इसके कारण बीसीसीएल करमाटांड़ कॉलोनी में रहने वाले लगभग 400 परिवार घरों में कैद हो गये हैं. कॉलोनी के लोगों का राशन-पानी लेने के लिए निकलना मुश्किल हो गया है. कॉलोनी के बच्चे जोरिया में बाढ़ के कारण शुक्रवार को स्कूल नहीं जा पाये. कॉलोनी आनेवाले वाहनों का आवागमन बंद हो गया है. वैकल्पिक रास्ता नहीं रहने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

जमुनिया नदी उफान पर, एबीओसीपी में उत्पादन प्रभावित झमझाम बारिश से बाघमारा में जमुनिया नदी उफान पर है. माटीगढ़ा डैम में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है. बारिश से एकीकृत ब्लॉक दो ओसीपी माइंस में 30-40 प्रतिशतउत्पादन प्रभावित हो गया है. हाइवाल माईनिग फेस में पानी भरने से कोयला का उत्पादन बाधित हो गया है. हालांकि पानी निकासी के लिए हैवी मोटर पंप लगाया गया है. हॉल रोड पर फिसलन का खतरा बढ़ने से ट्रांसपोटिंग भी प्रभावित है. सुरक्षा को लेकर मशीनों को ग्रीन जोन में खड़ा कर दिया गया है. आउटसोर्सिंग कंपनी अंबे माइनिंग एवं खेमका कैरियर में भी उत्पादन बाधित है.

एक तरफ महिलाओं की सुरक्षा को लेकर धनबाद पुलिस लगातार अभियान चला रही है. इसके लिए टोल फ्री नंबर तक जारी किया गया है. बावजूद इसके धनबाद में महिलाओं की सुरक्षित नहीं हैं. राह चलते उनके साथ छिनतई और चेन स्नेचिंग जैसी घटनाएं होती हैं. इस वजह से महिलाओं का घर से बाहर निकलना दुभर हो गया है. महिलाएं बाहर निकलती भी हैं तो चेन पहनने से परहेज करती हैं. ऐसा नहीं है कि अपराधी सिर्फ सोने की चेन ही छिनते हैं. कई बार सोने की चेन जैसी दिखने वाली रोल गोल्ड की चेन भी अपराधी छीन लेते हैं. अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ा हुआ है कि वे राह चलती महिलाओं के गले में हाथ डालते हैं और चेन छीनकर फरार हो जाते हैं. इस दौरान कई महिलाएं गिरकर जख्मी भी हो जाती हैं. कुछ माह पहले ही झाड़ूडीह में रहने वाली एक महिला का चेन छीनने का प्रयास किया गया और महिला के सिर पर गंभीर चोट लगी थी. धनबाद में पिछले कई सालों से बाइकर्स गैंग महिलाओं से चेन स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम दे रहा है. चेन छीनने के बाद अपराधी फरार हो जाते हैं, पुलिस न तो उन्हें चिह्नित कर पाती हैं और न ही उन्हें गिरफ्तार कर पाती है.

झमाझम बारिश से उत्पादन-डिस्पैच प्रभावित

धनबाद, एजेंसी। झमाझम बारिश का असर बीसीसीएल-इसीएल के कोयला उत्पादन पर भी पड़ा है. बीसीसीएल में 80 फीसदी से ज्यादा व इसीएल में 70 फीसदी से ज्यादा कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ है. इधर दो दिन से हो रही बारिश के कारण भूमिगत व खुली खदानों में पानी भरने के खतरे को देखते हुए बीसीसीएल व ईसीएल प्रबंधन ने हाई अलर्ट जारी किया है.

नदी के किनारे स्थित खुली व भूमिगत खदानों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया है. मुख्यालय से लेकर कोलियरी स्तर पर कंट्रोल रूम संचालित कर दिया गया है, जो हर घंटे की रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को भेज रहा है. हालांकि बीसीसीएल में बारिश के कारण किसी घटना-दुर्घटना की सूचना नहीं है. भू-धंसान व अग्नि प्रभावित क्षेत्र होने कारण कारण भारी बारिश से कोयलांचल में गैस रिसाव और भू-धंसान की घटनाएं भी बढ़ गई हैं. लगातार झमाझम बारिश से इन इलाकों में गैस रिसाव का खतरा बढ़ गया है. इसे लेकर बीसीसीएल विशेष सतर्कता बरत रही है.

सूचना के मुताबिक बीसीसीएल के दामागोडिया में सर्वाधिक 109 एमएम, वहीं बस्ताकोला, कुसुंडा व लोदना में 85 एमएस से अधिक बारिश दर्ज की गयी है. तेज बारिश के कारण करीब 80-90 फीसदी तक कोयला उत्पादन पर असर पड़ा है. बीसीसीएल जहां रोज प्रथम पाली में 35-40 हजार टन कोयला उत्पादन करती है.